देशबन्धु

जबलपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 । वर्ष – 69 । अंक – 339 पृष्ठ – 12 मूल्य – 3.00 रु.

■ देसी दीपावली की... ■ लड़कियों की टांग... 04
■ अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी... ■ वेस्ट बैंक पर इजरायली संसद का मतदान... 09
■ अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस से तेल... ■ सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट 11
■ सम्मान बचाने उतरेगा... ■ शमी, किशन... 10

यात्रियों की धधकती चिता बनी चलती बस, 20 मृत

बस के फ्यूल टैंक में बाईक फंसने से लगी आग

◆ 40 यात्री सवार थे, हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी, आंध्रप्रदेश के कुरनूल में हुआ हादसा

कुरनूल, (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के कल्लूरुमंडल के चिन्नातेकुर गाँव में शुक्रवार तड़के सड़क दुर्घटना में एक निजी यात्री बस में आग लग जाने से उसमें सवार 20 यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बस में 40 यात्री सवार थे। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी।

उन्होंने बताया कि बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे बस का तेल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 यात्री जिंदा जल गए और 11 शवों की पहचान हो गई है। ज़्यादातर शव इतने जल गए थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह 3:30 से चार बजे के बीच हुआ। सभी शवों को बस से निकाल लिया गया है और अधिकारी मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ घायलों को कुनरूल के जीजीएच में भर्ती कराया गया। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे यात्री- ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे।

10 दिन पहले राजस्थान में जिंदा जले थे 22 यात्री-ऐसा ही एक हादसा राजस्थान के जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर 14 अक्टूबर की दोपहर 3.30 बजे हुआ था, जब चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई थी। इस हादसे में भी 22 यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने मुआवजे का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया। मोदी ने कहा कि वे हादसे से दुखी हैं और घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। वहीं तेलंगाना सरकार के ट्रांसपोर्ट मंत्री पोनम प्रभाकर ने एक्स पर बताया कि तेलंगाना सरकार बस हादसे में मारे गए राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपए आर्थिक सहायता के रूप में देगी। घायलों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

राहुल ने शोक जताया, सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार हो रही ऐसी दुर्घटनाएं हमारे सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके लिए वाहनों के रख-रखाव की जिम्मेदारी के साथ-साथ इन हादसों पर जवाबदेही तय करना अनिवार्य है।

सार संक्षेप

मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटें नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 17वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटें। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि देश के युवा वर्ग का सशक्तिकरण उनकी सरकार की प्राथमिकता है। 17वें रोजगार मेले में एक रिकॉर्डेड संदेश में उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और यहां के युवाओं की ताकत हमारी सबसे बड़ी पूंजी में से एक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की सरकार की प्राथमिकता युवा वर्ग है। जीएसटी सुधार से अवसर बढ़ रहे हैं और इससे रोजगार के नए मौके पैदा हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, विश्वास और भरोसे के साथ हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी विदेश नीति भी भारत के युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

अबूझमाड़ में दूषित भोजन खाने से 5 की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में दूषित भोजन खाने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ गई है। यह दुखद घटना 21 अक्टूबर की सुबह सामने आई, जब ग्रामीणों को अचानक उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायतें होने लगीं। ग्रामीणों की हालत बिगड़ने की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी और स्वास्थ्य विभाग समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- चित्रकूट के गधा मेले में गधों को खरीदने के लिए ऊंची-ऊंची बोलियां लगाई गईं।

चुहिया- हां प्रिये- लोगों को गधा कहने वालों को इस पर खास ध्यान देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने उप्र के धर्मांतरण विरोधी कानून पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, देशबन्धु। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कानून धर्म परिवर्तन के इच्छुक व्यक्ति के लिए एक कठिन प्रक्रिया प्रस्तुत करता है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी

कहा- भारत धर्मनिरपेक्ष देश

अधिकारियों की संलिप्तता और हस्तक्षेप की स्पष्ट प्रकृति पर भी चिंता जताई। यह भी नोट किया गया कि इस मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता हमारे विचारणीय क्षेत्र में नहीं आती। फिर भी, हम यह मानने से खुद को नहीं रोक सकते कि धर्मांतरण से पहले और बाद की घोषणा से संबंधित उक्त अधिनियम के प्रावधान एक बहुत ही कठिन प्रक्रिया का परिचय देते हैं >>शेष पृष्ठ 2 पर

> शीर्ष अदालत ने कहा कि भारत के लोगों को विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की स्वतंत्रता दी गई है और यह स्वतंत्रता देश की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति का मूर्त रूप और अभिव्यक्ति है।

देश भर में नवंबर से शुरू होगा मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण

नई दिल्ली, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से देशभर में मतदाता सूचियों की गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी कर ली है। एसआईआर का कार्यक्रम इस तरह से बनाया जाएगा कि अगले साल मई में चुनाव वाले राज्यों में भी यह काम पूरा हो सके। मार्च 2026 तक सभी राज्यों में नई मतदाता सूची तैयार करने की योजना है। सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

कार्बाइड गन से पीड़ितों की संख्या 300 के पार पहुंची

भोपाल/ विदिशा/ उज्जैन, ग्वालियर, देशबन्धु। प्रतिबंधित काबाईड गन से आंखों पर घातक प्रभाव पड़ने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते कल जहां भोपाल, विदिशा, उज्जैन, ग्वालियर सहित अन्य शहरों में पीड़ितों की संख्या 200 से ज्यादा थी, वह अब 300 के पार पहुंच रही है। उधर प्रदेश सरकार इस पर कड़ा रुख अपनाए हुए है और अवैध रूप से ऐसी गन बेचने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। एफआईआर हो रही हैं, आरोपियों को गिराफ्तार किया जा रहा है। दूसरी ओर कार्बाइड गन से हुए हादसे में घायल युवाओं और बच्चों का हालचाल जानने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को सुबह हमीदिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली और सभी को उच्चस्तरीय इलाज और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री पहुंचे हमीदिया अस्पताल

हरसंभव सहायता प्रदान करेगी सरकार-उपमुख्यमंत्री ने घायलों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया और कहा कि राज्य सरकार उनके पूर्ण स्वास्थ्य लाभ तक हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। शुक्ल ने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि सभी घायलों को सर्वोत्तम उपचार मिलना चाहिए।

दो साल पहले आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने चेताया था

कार्बाइड गन के खतरे को लेकर दो साल पहले 2023 में आईसीएमआर भोपाल ने चेतावनी दी थी। आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में बताया था कि कैल्शियम कार्बाइड और पानी के रासायनिक प्रतिक्रिया से बनने वाली गैस 'एसिटिलीन' केवल धमाका नहीं करती, बल्कि आंखों की रोशनी को भी नुकसान पहुँचा सकती है। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थेलमोलॉजी में प्रकाशित भी हुई थी। उसके बावजूद समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, जिसकी वजह से अब तक भोपाल के अलग-अलग अस्पतालों में लगभग 162 लोग कार्बाइड गन से घायल हो चुके हैं। इनमें अधिकांश की आंखें जल चुकी हैं और उन्हें देखने में परेशानी हो रही है।

नहीं रहे जागरूकता और विज्ञापन अभियानों के दिग्गज पीयूष पाण्डे

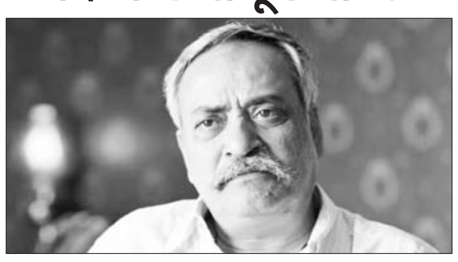

मुंबई, (एजेंसियां)। भारतीय विज्ञापन जगत के दिग्गज और ओगिल्वी इंडिया के क्रिएटिव लीडर पीयूष पांडे का 70 साल की उम्र में निधन हो गया। पांडे को सिर्फ एक विज्ञापन विशेषज्ञ के रूप में ही नहीं बल्कि ऐसी शख्सियत के रूप में याद किया जाता था, जिन्होंने भारतीय विज्ञापन को उसकी अपनी भाषा और आत्मा दी। पीयूष पांडे का जन्म 1955 में जयपुर में हुआ था। उन्होंने एशियन पेंट्स के लिए 'हर खुशी में रंग लाए, कैडबरी के लिए 'कुछ खास है,' फेविकोल के लिए आइकॉनिक 'एग' विज्ञापन और हच के पग वाले विज्ञापन जैसी रचनाएं तैयार कीं। इसके अलावा, उन्होंने 2014 में भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी नारा 'अबकी बार, मोदी सरकार दिया। उनका योगदान केवल व्यावसायिक विज्ञापन तक सीमित नहीं था। उन्होंने राष्ट्रीय एकता गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' लिखा और कई सामाजिक अभियान जैसे पोलियो जागरूकता और धूम्रपान विरोधी अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

बिहार में तूफानी प्रचार कर रहे डॉ. यादव

गरीबों के लिए काम कर रही मोदी सरकार

पटना/भोपाल, देशबन्धु। बिहार में चुनाव प्रचार अब तेज गति पकड़ रहा है। वहीं मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बिहार में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में तूफानी जनसभाएं कर रहे हैं। शुक्रवार को डॉ. मोहन यादव ने बगहा, सिकटा एवं सहरसा विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार की जनता के हाथों में सुदर्शन चक्र की तरह वोट की ताकत है।

भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल की 99 गलतियों को माफ किया। लेकिन जैसे ही उसने 100वीं गलती की, भगवान श्रीकृष्ण की ऊंगली पर सुदर्शन चक्र आया और उन्होंने शिशुपाल का अंत कर दिया। इसी तरह मतदान वाले दिन आपकी ऊंगली पर भी सुदर्शन चक्र आएगा। आपको अपने वोट की ताकत से इस नापाक महागठबंधन का अंत करना है। बिहार को महादलित आयोग और ओबीसी आयोग की सौगात प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की देन है। भाजपा श्री कृष्ण-सुदामा की मित्रता के समान गरीबों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है। श्री मोदी के नेतृत्व में देश को मजबूत बनाने, बिहार में सुशासन और विकास के दौर को जारी रखने के लिए एनडीए प्रत्याशियों को जिताने का संकल्प लें।

डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र का आनंद ही यही है कि गरीब से गरीब व्यक्ति इसमें अपनी भूमिका निभाए और नेता जनता के दिलों पर राज करें, जनता के लिए काम करें। एक गरीब परिवार से निकले श्री मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि एक गरीब आदमी जब प्रधानमंत्री बनता है, तो उसका परिणाम क्या होता है, यह मोदी जी ने करके दिखाया। गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए दो रोटी का इंतजाम जरूरी है। उसके रहने के लिए पक्का मकान होना चाहिए, घर में गैस का चूल्हा होना चाहिए, बिजली होनी चाहिए, पानी मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हर गरीब की तकलीफ को महसूस किया और हर परिवार के लिए इन चीजों का इंतजाम किया।

अनोखा है चित्रकूट गधा मेला

'सनी देओल' 1.05 लाख में बिका, 'लॉरेंस' को किसी ने नहीं खरीदा

चित्रकूट। चित्रकूट के अनोखे गधा मेला में इस वर्ष सुपरस्टार गधा रहा सनी देओल, जिसे देखने और खरीदने के लिए बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे। सतना जिले में स्थित भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के तट पर लगने वाला तीन दिवसीय ऐतिहासिक गधा मेला संपन्न हो गया। दीपावली के बाद अन्नकूट पर्व से शुरू हुआ यह मेला 350 साल से भी अधिक पुराना माना जाता है। इसकी शुरुआत मुगल शासक औरंगजेब के समय में हुई थी और परंपरा आज भी उसी उत्साह के साथ जारी है।

सनी के मालिक ने उसकी कीमत एक लाख 50 हजार रुपये तय की थी, लेकिन मोलभाव के बाद इसका सौदा एक लाख पांच हजार रुपये में तय हुआ। इसकी लोकप्रियता ने पूरे मेले में धूम मचा दी।

'शाहरुख' हुआ 80 हजार में बुक

मेले में एक और आकर्षण रहा शाहरुख खान नाम का गधा, जो 80,000 रुपये में बिका। वहीं, पिछले साल सुर्खियों में रहा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई नाम का खच्चर इस बार खरीदारों को लुभा नहीं पाया। उसकी बोली 1.25 लाख तक पहुंची, लेकिन सौदा नहीं हो सका। इसी तरह सलमान, कैटरीना और माधुरी नाम के जानवरों पर भी खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई और जमकर बोलियां लगाईं।

'सलमान', 'कैटरीना' और 'माधुरी' की भी लगी बोलियां

देशभर से पहुंचे व्यापारी-इस पारंपरिक मेले में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार सहित कई राज्यों से व्यापारी अपने गधे और खच्चर लेकर पहुंचे। नगर परिषद चित्रकूट द्वारा मेले की सभी व्यवस्थाएं की गई थीं। पारंपरिक ढंग से सजे पशु, ढोल-नगाड़ों की थाप और खरीदारों की भीड़ से पूरा क्षेत्र उत्सव जैसा माहौल पेश कर रहा था।

देश-विदेश

भारत ने ट्रंप के गाजा युद्धविराम के प्रयासों को सराहा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने ऐतिहासिक गाजा समझौते को हासिल करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करते हुए भारत ने कहा कि इससे क्षेत्र में शांति के लिए गति पैदा हुई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को कहा, अमेरिका की इस ऐतिहासिक पहल ने शांति की दिशा में कूटनीतिक गति प्रदान की है और सभी पक्षों को इस संबंध में अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए।

यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर बोले एस जयशंकर

संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस मौके पर भारत की राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपना संबोधन दिया। संबोधन के दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाया। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, हमें यह मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। उसके फैसले लेने का तरीका न तो उसके सभी सदस्य देशों की सही नुमाइंदगी करता है और न ही वह दुनिया की मुख्य जरूरतों पर ध्यान दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है। आतंकवाद के प्रति इसकी प्रतिक्रिया विश्वसनीयता की कमियों को उजागर करती है, और वैश्विक दक्षिण में विकास धीमा पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस उल्लेखनीय वर्षगांठ पर हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए। बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्धता, चाहे कितनी भी त्रुटिपूर्ण क्यों न हो, मजबूत बनी रहनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में हमारे विश्वास को नवीनीकृत किया जाना चाहिए। आज यहां हुई यह बैठक एकता और साझा उद्देश्य का संदेश देती है।

हम कई बड़े विवाद देख रहे हैं -विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, बहुत ही अफसोस की बात है कि आज के दौर में भी हम कई बड़े विवाद देख रहे हैं। यह केवल मानव जीवन पर ही प्रभाव नहीं डाल रहे हैं, बल्कि इसका असर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर भी देखने को मिल रहा है। ग्लोबल साउथ ने इस पीड़ा को महसूस किया है। यूएन में बदलाव आज के समय में बड़ी चुनौती बन गया है।

पाकिस्तान पर साधा निशाना

आतंक के पीड़ित और गुनहगार एक नहीं

संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और गुनहगारों को एक तराजू में तोलना न केवल अन्याय है, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के लिए खतरा भी है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब कोई सदस्य देश आतंकवादियों की रक्षा करता है, तब बहुपक्षीयता की विश्वसनीयता पर गंभीर आंच आती है।

जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान कार्यप्रणाली जमाव की स्थिति में है और सुधार की प्रक्रिया खुद ही सुधार के रास्ते में बाधा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जब पहलगाम जैसे जघन्य आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक सदस्य देश खुलकर बचाता है, तो यह संस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। यह सीधा संकेत पाकिस्तान की ओर था, जिसने आतंकवादी संगठन टीआरएफ के नाम को यूएनएससी बयान से हटाने की कोशिश की थी। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनहगारों को वैश्विक रणनीति के नाम पर बराबरी पर रखा जा रहा है, तो यह दुनिया की सबसे बड़ी विडंबना है। उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि जब खुद-घोषित आतंकियों को प्रतिबंध सूची में शामिल होने से बचाया जाता है, तो यह साफ हो जाता है कि कुछ देश आतंकवाद के खिलाफ सच्चे नहीं हैं। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे रवैये से आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होती है। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की बहसें अब अत्यधिक ध्रुवीकृत हो गई हैं और उसकी कार्यप्रणाली स्पष्ट रूप से जाम हो गई है। किसी भी सार्थक सुधार को सुधार प्रक्रिया के नाम पर ही रोका जा रहा है।

प्रयागराज में चाकुओं से गोदकर पत्रकार की हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गुरुवार देर रात एक पत्रकार की हत्या कर दी गई। यह घटना पांच इलाके के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हुई। पत्रकार पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच के मुताबिक पत्रकार की कुछ दिन पहले ही किसी बात को लेकर विवाद हुआ था और उसके कारण ही पत्रकार की हत्या की गई है। घटना के बाद पुलिस ने एक आरोपी को घेरा और एनकाउंटर के दौरान आरोपी घायल हो गया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है और इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में शुरू किया चुनाव प्रचार

रफ्तार से चलेगा बिहार, फिर आएगी 'एनडीए' सरकार

बेगूसराय, (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेगूसराय की धरती पर बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह के समय इलाके में हुई औद्योगिक प्रगति को याद करते हुए स्लोगन दिया, 'रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी 'एनडीए' सरकार।

उन्होंने बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह को याद करते हुए कहा कि उनके विजन से बेगूसराय एक समय देश का प्रमुख औद्योगिक शहर बन रहा था और यहां बरौनी तेल शोधक कारखाने के साथ खाद का भी कारखाना लगाया गया। उन्होंने कहा कि बाद के दिनों में कांग्रेस-राजद सरकार की उपेक्षा से खाद का कारखाना जर्जर हो गया।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में 'पीएम ऊर्जा गंगा योजना' बना कर बंगाल से इस कारखाने के लिए पाइप लाइन से गैस उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि बरौनी डेयरी के विस्तार से इस इलाके के पशुपालकों को लाभ हुआ है और धीरे धीरे बेगूसराय टेक्सटाइल हब के रूप में भी विकसित हो रहा है।

महागठबंधन अब लठबंधन बन गया- उन्होंने कहा कि राजद के प्रमुख नेता के परिवार के ज्यादातर लोग चोरी और भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी ही हालत कांग्रेस के शीर्ष परिवार की भी है। उनके सदस्य भी भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर हैं। उन्होंने कहा कि राजग जहां आपसी तालमेल से आगे बढ़ रहा है, वहीं महागठबंधन अब लठबंधन बन गया है जिसके सदस्य एक दूसरे के साथ भटक, अटक, लटक, झटक और पटक का खेल खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजद ने झारखंड मुक्ति मोर्चा को अटका दिया, राजद ने पिछलग्गू कांग्रेस को पटक दिया, सबने मिल कर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को अटका दिया। उन्होंने कहा कि ये स्वार्थ से जुड़े लोग हैं, जो टिकट बेंचते हूं, घोटाले करते हैं और प्रदेश से पहले अपने परिवार की सोचते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग नौकरी के बदले जमीन लेते हैं वो युवाओं का भला नही कर सकते हैं।

राजद-कांग्रेस ने बिहार से बदला लिया-प्रधानमंत्री ने कहा, 2005 में अक्टूबर का महीना ही था जब बिहार ने जंगलराज से मुक्ति पाई थी। नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरू हुआ था। लेकिन उस समय केंद्र में कांग्रेस-राजद की सरकार थी। बिहार की परेशानी बढ़ाने में उन्होंने कोई कभी नहीं छोड़ी थी। राजद वाले आपसे बदला ले रहे थे कि आपने नीतीश कुमार की सरकार क्यों बनाई। राजद वाले कांग्रेस को धमकाते थे कि अगर आपने नीतीश जी की बात मानी, कोई प्रोजेक्ट दिया तो हम गठबंधन तोड़ देंगे।

उप्र में ड्रोन समेत कृषि यंत्रों पर मिलेगी सब्सिडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी पहल की है। योगी सरकार अब किसानों को भारी सब्सिडी पर आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध करा रही है, जिससे खेती करना न सिर्फ आसान होगा बल्कि उनकी आमदनी में भी बढ़ने में मदद मिल सकेगी। प्रदेश के कृषि निदेशक डॉ. पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के तहत किसानों को अनुदान पर कृषि उपकरण दिए जा रहे हैं।

कृषि निदेशक डॉ. पंकज कुमार त्रिपाठी ने जानकारी दी कि इस योजना का लाभ पाने के लिए किसान 29 अक्टूबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। त्रिपाठी के अनुसार, इस योजना का मकसद किसानों को आधुनिक उपकरणों से जोड़ना है। इस योजना की मदद से किसानों को न केवल आधुनिक यंत्र सस्ते दामों पर मिल सकेंगे बल्कि मेहनत भी कम लगेगी और खेती में खर्चा कम आ सकेगा।

ऐसे कर सकेंगे आवेदन-आप इस योजना के लिए ऑनलाइन पोर्टल www.agridarshan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आप ई-सेवा सेंटर पर जाकर भी आवेदन कर सकते हैं। त्रिपाठी बताते हैं कि आवेदन के लिए किसान को 'किसान कॉर्नर' लिंक पर क्लिक करके यंत्र बुकिंग प्रारंभ विकल्प चुनना होगा और मांगी गई जानकारी देनी होगी।

छठ बाद वापसी यात्रा के लिए छह हजार विशेष ट्रेन चलेंगी

त्योहारों पर देशभर में 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनों का हो रहा संचालन

नई दिल्ली, देशबन्धु। रेलवे ने दीपावली और छठ महापर्व को मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक तैयारी की है, जिसमें 6181 विशेष ट्रेनों का परिचालन शामिल है। रेलवे की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यात्रियों की त्योहारों की यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनों की सेवाएं संचालित की जा रही है। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नयी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, गुजरात के उधना, महाराष्ट्र के पुणे, मुंबई और कर्नाटक के बेंगलुरु सहित देशभर के स्टेशनों पर सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और सभी को सुरक्षित रूप से उनके घर तक पहुँचाने में जुटे हैं, ताकि वे अपने परिजनों के साथ त्योहार मना सकें। रेलवे ने कहा कि अब दिवाली और छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे पूरी तरह तैयार है। इसके लिए 28 अक्टूबर से नवंबर महीने तक 6181 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। बढ़ती मांग को देखते हुए नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं।

प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया को मौसम रोधी बनाया गया है ताकि यात्रियों को ट्रेनों के प्रस्थान से पहले सुविधाजनक प्रतीक्षा स्थल मिल सके। बिहार के पटना, दानापुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया, समस्तीपुर, बरौनी तथा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बलिया और बनारस जैसे स्टेशनों पर ये व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

रेलवे के अनुसार इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटर और मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकटिंग (एम-यूटीएस) जैसी सुविधाओं को भी बढ़ाया गया है।

इसके साथ ही सुरक्षा और संचालन की सुचारू व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया गया है। यात्री सहायता बूथ, सूचना काउंटर, कतार प्रबंधन प्रणाली और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को भी और सशक्त किया गया है। प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सैनिटेशन सुविधाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। रेल भवन, जोनल और मंडल स्तर पर समर्पित वार रूम चौबीसों घंटे कार्यरत हैं ताकि संचालन की वास्तविक समय में निगरानी की जा सके और यात्रियों की किसी भी आवश्यकता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

एजियन सागर में नाव डूबने से 14 प्रवासियों की मौत

इस्तांबुल। तुर्की के दक्षिण-पश्चिमी मुगला प्रांत के पास एजियन सागर में शुक्रवार को एक नाव के डूब जाने से कम से कम 14 प्रवासियों की मौत हो गई। मुगला गवर्नर कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक घटना प्रांत के अदा बर्नू इलाके के पास उस समय हुई जब 18 प्रवासियों को ले जा रही नाव रवाना होने के लगभग 10 मिनट बाद पानी में डूबने लगी। एक अफगानी नागरिक किसी तरह तट तक पहुंच गया। उसी ने तटरक्षक बलों को डूबते हुए नाव के बारे में बताया, जिसके बाद तत्काल तटरक्षक बल की नौकाओं और एक विशेष गोताखोर दल को बचाव कार्य के लिए भेजा गया। लगातार कई घंटों तक बचाव कार्य किया जाता रहा।

कार्यलिय संचयनी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. जबलपुर

(पंजी. क्र. 175)

(म.प्र. सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ड. (3) के अंतर्गत)

संस्था के समस्त सदस्यों को आम सभा की सूचना

क्र./ निर्वा./आमसभा/2025/05 दिनांक 24.10.2025

महानुभाव,

संस्था के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की विशेष साधारण सम्मिलन दिनांक 08.11.25 को दोप. 12:00 बजे स्थान - जिला सहकारी संघ मर्या. जबलपुर, सहकारी सदन राईट टाउन, जबलपुर में आयोजित की गई है, जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। दिनांक 01.11.2025 को नियोजन पत्र प्राप्ति समय 12:00 से 03:00 बजे तक, दिनांक 02.11.2025 को नियोजन पत्रों की जाँच एवं दिनांक 03.11.2025 को उम्मीदवारी वापसी का कार्यक्रम उपरोक्त स्थान पर निर्धारित है।

विषय सूची - 1. संस्था की उपविधि के अनुसार संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन करना।

र.नं. 2347 **प्रशासक, संचयनी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. जबलपुर**

निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात

In The Court of VIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
presiding Officer:
अंकिता शाही
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000003/2025)
बेचनलाल..........आवेदक
Vs
अभीषा .....अनावेदक
Process Id- /2025
पेशी दिनांक:-11/12/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - जबलपुर मप्र
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बेचनलाल पता- निवासी-122/1 ग्राम महाराजपुर थाना भेड़ाघाट जिला जबलपुर म.प्र. ने मृतक विशाल विश्वकर्मा निवासी- ग्राम शहजपुर थाना भेड़ाघाट जिला जबलपुर की चोला मण्डलम msothie new नं. 319 पुराना म. 154 शाह पैलेस बिल्डिंग 2 फ्लोर थम्ब चोली स्ट्रीट पेटीस कॉर्नर चेन्नई लोकल ऑफिस पता- पवन काम्पलेक्स हाथीताल जबलपुर (म.प्र.) राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 11 दिसम्बर 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 11 दिसम्बर 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 13 अक्टूबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 2346
(श्रीमती अंकिता शाही)
अष्टम सिविल न्यायाधीश
(वरिष्ठ खण्ड) जबलपुर (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./1449/ अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक 24/10/2025

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक- श्री मनोज तिवारी उम्र 39 वर्ष पिता श्री राजेन्द्र तिवारी निवासी - 2014, कृष्णा कॉलोनी, दमोहनाका, राजीव गांधी वार्ड, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा गोहलपुर, नं.बं. 601, प.ह.नं. 01, तह. अधारताल जिला जबलपुर स्थित खसरा नं. 6/28, रकवा 2400 वर्गफुट भूमि फौती नामांतरण के आधार पर दर्ज भूमि स्वामी श्रीमति जयश्री तिवारी पति राजेन्द्र तिवारी का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। स्व. जयश्री तिवारी पति श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी की मृत्यु दिनांक 15/02/2024 को हो चुकी है। स्व. जयश्री तिवारी की मृत्यु के उपरांत उनके विधिक वारसानों में पुत्र मनोज तिवारी (आवेदक), मनीष तिवारी, पति राजेन्द्र प्रसाद तिवारी मात्र विधिक वारसान है। इनके अलावा अन्य कोई विधिक वारसान नहीं है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 10/11/25 तक कार्यालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 24/10/2025
पेशी दिनांक- 10/11/2025

र.नं. 2349 **अतिरिक्त तहसीलदार, तहसील अधारताल जबलपुर**

In The Court of IX Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: द्वारिका प्रसाद सूत्रकार
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0001262/ 2025)
प्रयाग राम उर्फ प्रयाग सिंह ....वादी
Vs
आम जनता ..... प्रतिवादी
Process Id-2025
पेशी दिनांक 26/11/2025

प्रेषिती
(1) आम जनता पता-जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी प्रयाग राम उर्फ प्रयाग सिंह ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए घोषणा वाद वास्ते प्रयाग राम उर्फ प्रयाग सिंह दोनों नाम एक ही व्यक्ति होने बावत घोषणा के लिए वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो ऐसे सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 17 अक्टूबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ घोषणा का वाद वास्ते प्रयाग राम उर्फ प्रयाग सिंह दोनों नाम एक ही व्यक्ति का होने बावत घोषणा की छायाप्रति संलग्न

कृपया ध्यान दें: 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(डी.पी. सूत्रकार)
नवम व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
जबलपुर (म.प्र)
र.नं. 2343

प्रथम पृष्ठ का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने......

जिसका पालन उस व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए जो अपने धर्म के अलावा कोई अन्य धर्म अपनाना चाहता है। धर्मांतरण प्रक्रिया में राज्य के अधिकारियों की भागीदारी और हस्तक्षेप भी स्पष्ट है, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट कानूनी रूप से इच्छित धर्मांतरण के प्रत्येक मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि- धर्मांतरित लोगों का विवरण सार्वजनिक करने की आवश्यकता के लिए गोपनीयता के अधिकार के संदर्भ में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा, अलग धर्म अपनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत विवरण को सार्वजनिक करने की वैधानिक आवश्यकता की गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या ऐसी आवश्यकता संविधान में व्याप्त गोपनीयता व्यवस्था के मेल खाती है। राज्य में धर्म परिवर्तन की कठोर प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए न्यायालय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति की ओर संकेत करना उचित समझा। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि प्रस्तावना अत्यंत महत्वपूर्ण है और संविधान को इसके महान और भव्य दृष्टिकोण के आलोक में पढ़ा और व्याख्या किया जाना चाहिए। इसने यह भी रेखांकित किया कि यद्यपि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को 1976 में एक संशोधन के माध्यम से संविधान में शामिल किया गया था, धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का एक आंतरिक हिस्सा है जैसा कि 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के निर्णय में कहा गया था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत में लोगों को अपने धार्मिक विचारों का प्रचार करने का अधिकार है। न्यायालय ने जोर देते हुए कहा कि अनुच्छेद 25 द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के अधीन, हमारे संविधान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को मौलिक अधिकार है कि वह न केवल ऐसे धार्मिक विश्वास को अपनाए, जिसे वह अपने विवेक या विवेक से स्वीकार करता हो, बल्कि अपने विश्वास और विचारों को ऐसे प्रत्यक्ष कार्यों में प्रदर्शित करे, जैसा कि उसके धर्म द्वारा आदेशित या स्वीकृत हो, तथा इसके अलावा दूसरों के उत्थान के लिए अपने धार्मिक विचारों का प्रचार-प्रसार भी करे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)

इश्तहार सूचना
भवन/प्लांट नामांतरण
सूचना वर्ष 2025-26

क्र.सीएमओ/ राजस्व शाखा/न.पा.प./2025
गाडरवारा, दिनांक 22/10/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निम्नांकित आवेदनों पर नामांतरण कार्यवाही की जाना है। इस हेतु आज दिनांक 22/10/2025 से 30 दिवस के अंदर आपत्तियों का आव्हान किया जाता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों एवं प्रमाण रहित अपत्तियाँ मान्य नहीं की जावेगी।

क्र.-1, प्र.क्र.-525/25/26, वार्ड का नाम- निरंजन, मकान/ प्लांट- मकान, सम्पत्ति हस्ता. का माध्यम- पारिवारिक बटवारानामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, हस्तांतरणकर्ता का नाम- रामकुमार आ. चन्द्रशेखर अवस्थी, हस्तांतरिणी का नाम - सुनील कुमार आ. स्व. रामकुमार अवस्थी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गाडरवारा

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./2414/ अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक 24/10/2025

आम इश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री शकील अहमद पिता स्व. मुजीब अहमद, निवासी-आनंद नगर जबलपुर द्वारा मौजा बैतला नं.बं. 52 प.ह.नं. 01, राजस्व निरीक्षक मंडल जबलपुर में स्थित खसरा नं. 124 नया -124/1/6/1 का भाग रकवा 1880 वर्गफुट भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र/ फौती/वसीयतनामा/ बंटवारानामा क्र........ दिनांक..... के माध्यम से क्रय की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में भूमि श्री/श्रीमती रामा पिता/पति रघुवा के नाम दर्ज है। ततसबंध में वसीयत नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 10/11/25 तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील महोदय जबलपुर में स्वयं या अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

टीप-लिंक विक्रय पत्र के आधार पर वसीयतनामा सैयद हुसैन व बन्दे हुसैन द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 24/10/2025
पेशी दिनांक- 10/11/2025

र.नं. 2342 **नायब तहसीलदार, तहसील अधारताल जबलपुर**

(वसीयत)
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/921/अ-6/2025-2026

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवी सिंह पिता सुन्दर लाल ठाकुर नि.- 2039, 2040 पश्चिमी घमापुर शीतलामाई वार्ड ने नजूल ब्लाक नं. 127 प्लाट नं. 102/2, निर्मित रकवा/रकवा 795.5 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 19/05/2010 मृत्यु दिनांक 25/08/2013 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 127 प्लाट नं. 102/2 निर्मित रकवा/रकवा 795.5 व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम घमापुर प.ह.नं. .... खसरा नं. .... रकवा 795.5 व.फु./हे. .... के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 31/10/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 15/10/2025
पेशी दिनांक 31/10/2025

र.नं. 2344 **तहसीलदार, रांझी, जबलपुर**

नाम परिवर्तन सूचना

मैं श्रीमती भागवती बाई राजपूत पति राजकुमार सिंह निवासी महात्मा गांधी शहपुरा वार्ड क्र. 12, तहसील सिहोरा जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि-

1. यह कि मैं शपथकर्ती उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ।

2. यह कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम वंदना सिंह गलत दर्ज है, जबकि मैं अपना नाम भागवती बाई राजपूत दर्ज करवाना चाहती हूँ।

3. यह कि म.प्र. शासन के गजट प्रकाशन के उपरांत मुझे भागवती बाई राजपूत के नाम से लिखा, पढ़ा एवं दर्ज किया जावे, जिसकी सूचना का प्रकाशन हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है।

नया नाम-भागवती बाई राजपूत
र.नं. 2348 पुराना नाम-वंदना सिंह

देश-प्रदेश

उवाच

पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वितरित किए जायेंगे ऋण

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना में शहरी क्षेत्र के अधिक से अधिक जरूरतमंद पथ विक्रेताओं को ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। इस संबंध में प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय को आवश्यक निर्देश दिये जा चुके हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय शुक्रवार को वीसी के माध्यम से केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय की बैठक में शामिल हुए। बैठक में केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने पीएम स्वनिधि पुनर्गठन के संबंध में विभिन्न राज्यों के मंत्रियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने पीएम स्वनिधि योजना में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

कार्बाइड गन प्रभावितों से मिलने हमीदिया अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री

बच्चों व नागरिकों का हाल जाना

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से सहायता के दिए निर्देश

अधिकांश घायलों ने स्वयं उपयोग की कार्बाइड गन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्बाइड गन से प्रभावितों से भोपाल हमीदिया हॉस्पिटल के ब्लॉक 2 की 11वीं मंजिल स्थित नेत्र रोग वार्ड में भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सा विशेषज्ञों से रोगियों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समुचित इलाज के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी कार्बाइड गन से प्रभावित बच्चों और नागरिकों के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से भी सहायता के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे प्रकरणों की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। घातक कार्बाइड गन के निर्माण और विक्रय को अवैध होने के नाते थाना स्तर पर छापामारी और जाँच की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारियलखेड़ा निवासी प्रशांत मालवीय, गरीब नगर छोला के करण पंथी, भानपुर के आरिश और परवलिया सड़क के अंश प्रजापति से भेंट की। इनमें अधिकांश किशोर हैं। अंश प्रजापति ने बताया कि वे अन्य युवकों के कार्बाइड गन उपयोग करने से घायल हुए हैं। वहीं प्रशांत, करण और आरिश ने स्वयं कार्बाइड गन का उपयोग करते हुए घायल होने की बात स्वीकार की।

परिजन ने उपचार पर संतोष व्यक्त किया

हमीदिया अस्पताल में दाखिल इन रोगियों के अभिभावकों ने भी परिवार के सदस्यों द्वारा कार्बाइड गन के उपयोग को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। रोगियों के परिजन ने हमीदिया अस्पताल में किए जा रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। करण पंथी के परिवार ने कहा कि उन्होंने गरीब नगर में अन्य परिवारों को भी कार्बाइड गन का उपयोग न करने का परामर्श दिया है। अब सभी जागरूक हो चुके हैं और बस्ती में कोई भी इसका उपयोग नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के हमीदिया अस्पताल के अवलोकन के अवसर पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग संदीप यादव और आयुक्त जनसंपर्क दीपक कुमार सक्सेना उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशव्यापी कार्रवाई के निर्देश

घायल बच्चों और नागरिकों का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता में हो

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्बाइड गन से हुई दुर्घटनाओं को अत्यंत गंभीर से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी घायल बच्चे और नागरिक के उपचार में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि घायलों के उपचार, ऑपरेशन और नेत्र चिकित्सा सहित सभी चिकित्सीय सेवाएँ सर्वोच्च प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाएं। उपचार के लिये मरीजों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से आवश्यक सहयोग दिया जाये। गंभीर मरीजों को उन्नत उपचार के लिए आवश्यकता पड़ने पर एयर एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध कराई जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी घायलों की स्थिति की सतत मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमों को तत्काल तैनात किया जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्बाइड गन घातक विस्फोटक उपकरण है, जो नागरिक सुरक्षा के लिए सीधा खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में इस यंत्र के अवैध निर्माण, विक्रय और उपयोग पर तत्काल रोक लगाई जाए। जीरो टालरेंस के साथ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह भी कहा कि भोपाल एवं अन्य जिलों में कार्बाइड गन के कारण घायलों—विशेषकर बच्चों—को हुई आँख, चेहरे और हाथ की गंभीर चोटें अत्यंत चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव कठोर कदम उठाएगी। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में बीएनएसएस की धारा 163 के अंतर्गत आदेश पारित कर कार्बाइड गन के निर्माण, विक्रय, स्वामित्व और उपयोग पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। किसी भी व्यक्ति द्वारा निर्माण या विक्रय करते पाए जाने पर उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सहित प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पांडे के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विज्ञापन की दुनिया के विशेषज्ञ पद्मश्री पीयूष पांडे के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. पांडे ने भारतीय भाषा, बोली और संस्कृति के साथ मानवीय भावनाओं का अपने विज्ञापनों में प्रयोग किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक बेहतरीन विज्ञापन कॉपी बनाने, नए विचार और नवाचार से आकल्पन कर एडवरटाइजिंग में विश्व स्तर पर जाने गए श्री पीयूष पांडे अपने कृतित्व से सदैव याद किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पांडे परिवार रचनात्मक कार्यों में सक्रिय रहा है। श्री पांडे ने अपनी दो बहनों गायिका इला अरुण और प्रसिद्ध ड्रामा डायरेक्टर रमा पांडे और भाई फिल्मकार प्रसून पांडे के साथ भी क्रिएशन वर्ल्ड में कार्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से स्व. श्री पांडे की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

मदरसे में 13 साल की बच्ची के प्रवेश पर रोक, कहा- पहले कौमार्य परीक्षण कराओ

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक मदरसे में 13 साल की बच्ची के दाखिले से पहले कौमार्य परीक्षण कराने की बात कही। पिता का आरोप है कि उनकी बेटी को परिसर में घुसने नहीं दिया गया। मदरसे का आरोप है कि बाप और बेटी का अवैध संबंध था और इस मामले में उन्हें मेडिकल जांच करानी है, वह तभी बच्चे को मदरसे में दाखिला देंगे।

बच्ची के पिता मोहम्मद यूसुफ का कहना है कि उन्होंने अपनी बेटी का दाखिला 2024 मे मुरादाबाद के पाकबड़ा क्षेत्र के लोदीपुर में एक मदरसा कम स्कूल में कराया था. मेरी पत्नी की तबीयत खराब थी और वह अपनी मां से मिलने के लिए इलाहाबाद चली गई थी. जिसकी वजह मैं अकेला था और मुझे खाना बनाने, सफाई और कपड़े आदि धोने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था. जिसकी वजह से मैं अपनी बेटी को कुछ दिनों के लिए मदरसे से ले आया था। यूसुफ ने बताया कि वह अपनी बेटी को 16 जुलाई 2025 को घर लाए थे. इसके बाद 21 अगस्त को उसकी मां उसे मदरसा पहुंचाने जब गई तो उन्होंने कहा कि उनके पास फोन आया था, जिसमें बताया गया कि बच्ची और पिता के साथ अवैध संबंध हैं. पहले आप मेडिकल रिपोर्ट दें, वह तभी बच्ची को दाखिल देंगे। काफी कोशिश के बाद भी स्कूल इंतेजामिया ने बच्ची को दाखिला नहीं दिया।

आखिर में हार मानकर उनकी पत्नी ने टीसी लेने की मांग की। इस दौरान इंतेजामिया ने उनसे पैसे लिए और साथ ही फॉर्म में वजह भी लिखने के लिए कहा. पिता का इल्जाम है कि अब तक बच्ची की टीसी नहीं मिल पाई है, जिसकी वजह से उसे दाखिला नहीं मिल पा रहा है। इससे बच्ची की मानसिक स्थिति पर गहरा सदमा लगा है।

पीड़ित का कहना है कि क्या कोई वालिद अपनी बेटी को स्कूल नहीं लेकर जा सकता। अगर वह ऐसा करता है तो क्या उसे मेडिकल कराना पड़ेगा? यूसुफ ने पूछा उन लोगों का क्या, जिनकी मां नहीं है? क्या उन्हें भी हर बार मेडिकल कराना होगा? यूसुफ ने कहा कि इस सबके जिम्मेदार मौलाना शाहजहां और मैडम रहनुमा हैं. अगर उनके परिवार को कुछ होता है, तो ये दोनों ही उसके ज़िम्मेदार होंगे. मामले के संबंध मे जानकारी देते हुए एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने कहा कि उन्हें इस मामले की शिकायत मिली है, जांच की जा रही है और आगे जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा उपार्जन के लिए साढ़े 8 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल, देशबन्धु। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा उपार्जन के लिए इस वर्ष 8 लाख 53 हजार 911 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले वर्ष 7 लाख 84 हजार 845 किसानों ने पंजीयन कराया था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि इस वर्ष विगत वर्ष की तुलना में लगभग 69 हजार अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। धान उपार्जन के लिये 8 लाख 47 हजार 830, ज्वार के लिये 2601 और बाजरा के लिये 5 हजार 545 किसानों ने पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया है कि धान का समर्थन मूल्य 2369 रूपये, ज्वार का 3699 और बाजरा का 2775 रूपये है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर और एम.पी. किसान एप पर की गई थी। प्रदेश में हुए कुल पंजीयन में मुख्य रूप से जिला बालाघाट में 1 लाख 25 हजार 845 किसान, जबलपुर में 52 हजार 975, सिवनी में 59 हजार 590, कटनी में 61 हजार 388, मण्डला में 39 हजार 292, डिण्डोरी में 25 हजार 23, नरसिंहपुर में 16 हजार 204, छिंदवाड़ा में 3 हजार 258, रीवा में 70 हजार 115, सतना में 61 हजार 397, मैहर में 29 हजार 151, सिंगरौली में 30 हजार 189, सीधी में 28 हजार 536, मऊगंज में 22 हजार 369, शहडोल में 37 हजार 56, उमरिया में 27 हजार 271, अनूपपुर में 21 हजार 831, पन्ना में 37 हजार 207, दमोह में 22 हजार 896, सागर में 4 हजार 90, रायसेन में 16 हजार 983, सीहोर में 9 हजार 4, विदिशा में 1386, भोपाल में 88, नर्मदापुरम में 31 हजार 804, बैतूल में 9 हजार 546, हरदा में 510, भिंड में 1387, मुरैना में 4954, श्योपुर में 110, ग्वालियर में 750, शिवपुरी में 857, दतिया में 449, देवास में 255, बड़वानी में 61 और झाबुआ में 33 किसानों ने पंजीयन कराया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश बना महिला सशक्तिकरण का राष्ट्रीय मॉडल

गांव से लेकर ग्लोबल मंच तक उभर रहीं महिलाएं

भोपाल, देशबन्धु। जब किसी राज्य का नेतृत्व केवल योजनाएं नहीं बनाता, बल्कि स्वयं जनभावनाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त करता है, तब एक नई क्रांति जन्म लेती है। मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण की यही क्रांति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आकार ले रही है। एक ओर जहां राज्य की महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश पूरे देश के लिए महिला सशक्तिकरण मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्पष्ट मानना है कि जब तक नारी सक्षम नहीं होगी, समाज समृद्ध नहीं हो सकता। यही सोच आज प्रदेश की नीतियों, योजनाओं और जमीनी बदलावों में साफ नजर आती है। उन्होंने ग्रामीण स्व-सहायता समूहों से लेकर शहरी महिला उद्यमिता, सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा तक, बहुआयामी हस्तक्षेपों के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाने की मजबूत आधारशिला रखी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शी सोच और समाज के हर वर्ग को जोड़ने की रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर संकल्प मजबूत हो, तो परिवर्तन संभव है। आज मध्यप्रदेश की महिलाएं घरेलू भूमिकाओं से निकलकर उद्यम, प्रशासन, शिक्षा, और नवाचार के हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। **'लाड़ली बहना' से आत्मनिर्भरता की ओर कदम :** मध्यप्रदेश में 'लाड़ली बहना योजना' सबसे प्रभावशाली पहल बन चुकी है। इस योजना के तहत अब तक 1.26 करोड़ महिलाओं को प्रतिमाह 1551.86 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों को भाई दूज से 1500 रुपये की राशि देने का निर्णय लिया है। अब तक 43 हज़ार 376 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के साथ-साथ डिजिटल लेन-देन में दक्ष बन रही हैं।

'लखपति दीदी' से बदली गांव की तस्वीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शुरू की गई 'लखपति दीदी योजना' के अंतर्गत प्रदेश की 1 लाख से अधिक महिलाएं प्रति वर्ष ?1 लाख से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। लक्ष्य है कि 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए। ये महिलाएं अब लघु उद्योग, कृषि, हस्तशिल्प और सेवा क्षेत्र में नए अवसर सृजित कर रही हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता में महिला केंद्रित योजनाएं : राज्य की लोकप्रिय 'लाड़ली लक्ष्मी योजना' के तहत 2024-25 में 2.73 लाख बालिकाओं का

पंजीकरण किया गया और 223 करोड़ रुपये की छात्रवृत्तियाँ वितरित की गईं। अब तक इस योजना से 50 लाख से अधिक बेटियाँ लाभान्वित हो चुकी हैं।

स्वच्छता क्षेत्र में, किशोरियों के लिए 19 लाख से अधिक सैनिटेशन किट्स वितरित की गईं और 57 करोड़ रुपये की सहायता दी गई, जिसे यूनिसेफ ने भी सराहा है।

महिला सुरक्षा बनी प्राथमिकता : राज्य में महिला हेल्पलाइन 181, 112 आपात सेवा, महिला पुलिस थाने, साइबर हेल्पलाइन, और महिला आरक्षी भर्ती जैसे कदमों ने महिला सुरक्षा की दिशा में ठोस बदलाव लाए हैं। अब तक 1.5 लाख से अधिक महिलाओं को समय पर सहायता प्रदान की जा चुकी है।

राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिनिधित्व में बढ़त : राज्य सरकार ने सरकारी सेवाओं में 35त्न और स्थानीय निकायों में 50त्न आरक्षण देकर महिलाओं को निर्णयात्मक भूमिकाओं में आगे बढ़ाया है। वर्ष 2025-26 के जेंडर बजट में 19,021 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है और महिला कल्याण पर कुल 1.21 लाख करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन- परंपरा से भविष्य की दिशा : लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आरंभ देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं को स्टार्टअप, निवेश, और कौशल विकास से जोड़ रहा है। अब तक 8.10 करोड़ रुपये के निवेश पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

उद्यमिता को मिली उड़ान : एमएसएमई क्षेत्र में 850 से अधिक इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमिता को मजबूत आधार मिला है। रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्यरत महिलाओं को प्रतिमाह ?5000 की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

मध्यप्रदेश अब केवल भूगोलिक दृष्टि से देश के हृदय में नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की धड़कन भी यहीं से तेज़ हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में यह राज्य आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में नारी शक्ति को केंद्र में रखते हुए नई इबारत लिख रहा है — जो आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय नहीं, वैश्विक मॉडल बन सकता है।

मध्यप्रदेश में 'ग्रोथ हब' पहल की शुरुआत

इंदौर और भोपाल आर्थिक क्षेत्रों के लिए बनेगा समग्र मास्टर प्लान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने के उद्देश्य से गुरुवार को मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में 'ग्रोथ हब' पहल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह महत्वाकांक्षी पहल नीति आयोग और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से इंदौर एवं भोपाल क्षेत्रों के लिए व्यापक और दीर्घकालिक आर्थिक विकास रणनीति तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर नीति आयोग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर सुश्री एना रॉय ने किया।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सुविचारित आर्थिक योजना से न केवल इन क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी बल्कि अनियंत्रित शहरी विकास पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा। सुश्री एना रॉय ने बताया कि इंदौर और भोपाल आर्थिक क्षेत्रों के लिए समग्र आर्थिक मास्टर प्लान अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है और नीति आयोग इस दिशा में राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देगा।

'ग्रोथ हब' पहल के प्रथम चरण में इंदौर आर्थिक क्षेत्र (इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, रतलाम, शाजापुर, खंडवा) और भोपाल आर्थिक क्षेत्र (भोपाल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन क्षेत्रों के लिए आर्थिक प्रोफाइल, प्राथमिक परियोजना सूची और क्रियान्वयन रोडमैप तैयार किया जाएगा। दूसरे चरण में जबलपुर, सतना-रीवा, सागर और ग्वालियर क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा।

बैठक के दौरान नीति आयोग ने 'ग्रोथ हब' पहल का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया। संबंधित जिलों ने अपनी आर्थिक प्रोफाइल, प्रमुख अवसर, बाधाएँ और 90-दिवसीय कार्ययोजना साझा की। यह पहल 'विकसित मध्यप्रदेश' के दृष्टिकोण से नागरिकों को सुखद जीवन, संपन्न रोजगार अवसर और सांस्कृतिक गौरव प्रदान करने की दिशा में कार्यरत है। 'ग्रोथ हब' कार्यक्रम के माध्यम से परियोजना-आधारित क्रियान्वयन, नीति सरलीकरण, भूमि आपूर्ति, एकीकृत अवसंरचना और निवेश प्रोत्साहन के जरिये राज्य में उच्च वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण आजीविका और बेहतर 'ईज़ ऑफ लिविंग' सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी संजय कुमार शुक्ल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ऋषि गर्ग और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संबंधित जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. स.अधि./01/ गढ़ा 2025/ एम/ 240 (2025-26)
दिनांक 7/10/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती जसप्रीत कौर पिता/ पति श्री हिमांशु भल्ला ने भवन/ भूखंड/ खसरा क्रं. पिन नंबर 1000705043 वार्ड क्रं. 71 वार्ड वीर दुर्गादास के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर अनुसार) श्री/ श्रीमती सविता गर्ग पिता/ पति अशोक कुमार गर्ग के स्थान पर क्षेत्रफल प्लॉट भूतल 2400 वर्गफुट विक्रय पत्र / दानपत्र / शपथपत्र / सहमति शपथ पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयतनामा/ त्याग रिलीजडीड / बंटवारानामा / चुकतानाम/ अपंजीकृत विक्रय पत्र/ पारिवारिक व्यवस्था पत्र/ विक्रय अनुबंध के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नंबर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो ये इस प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रं. 01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामातंरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्र.1, गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन
क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 98
2025-2026 दिनांक 6/10/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती माधवी सोनी, पति- श्री महेन्द्र कुमार सोनी** भवन क्रं- 977/978, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000361496 जलकर पिन नं. 2393643 पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री योगेन्द्र सोनी, पिता- हरिनारायण सोनी, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकबा 3500 व.फु., भूतल 1080 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1080 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक** 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-7,अधारताल
नगर निगम जबलपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

I, PRABHAWATI is legally MOTHER of Army no 13778850H Rank NK Name DEEPAK KANAJE Presently residing at VILL-MEHKAR, PO- MEHKAR, TEH- BHALKI, DISTT-BIDAR, STATE- KARNATAKA, PIN-585416, have changed my name from PRABHAWATI to PRABHAVATI vide Affidavit NO 79AA-261518 dated 24/10/2025 before Notary, Jabalpur Mp.

कृति

CHANGE OF NAME & DOB

I, A. BASIVI REDDY is legally Father of Army No. 15715920N, Rank-NK, Name:- ALLA SURESH REDDY, UNIT - 4TTR, R/O - Vill- Munnangi, P.O., P.S. & TEH- KOLLIPARA, Dist-GUTNUR, Andhra Pradesh, Pin- 522304., I have changed my Name from A. BASIVI REDDY to ALLA BASIVI REDDY and date of birth 04/07/1962 to 01/01/1961 Vide Affidavit No. 33AA 346027 dated 24/10/2025 before Notary, Jabalpur M.P.
INCORRECT NAME
A. BASIVI REDDY
INCORRECT DOB - 04/07/1962
CORRECT NAME
ALLA BASIVI REDDY
CORRECT DOB - 01/01/1961

भविष्य निधि की शिकायतों के समाधान के लिये 27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह'

भोपाल, देशबन्धु। राज्य के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) अभिदाताओं की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर में 27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह' आयोजित किया जा रहा है।

यह पहल महालेखाकार कार्यालय द्वारा अभिदाताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने और सेवा वितरण में पारदर्शिता एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से की जा रही है। सप्ताह भर चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान जीपीएफ अभिदाताओं को अपनी शिकायतें सीधे महालेखाकार कार्यालय, ग्वालियर में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही समस्त आहरण संवितरण अधिकारी एवं लेखा संबंधी कार्यों में संलग्न अधिकारी को अभिदाताओं की शिकायतों का त्वरित परीक्षण कर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करवा सकेंगे।

विधायक यादवेन्द्र सिंह ने की थी शिकायत

टीकमगढ़ नगरपालिका के 4 कर्मचारी निलंबित

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने टीकमगढ़ नगरपालिका परिषद के 4 कर्मचारियों को निलंबित किया है। उन्होंने कहा है कि नगरीय निकायों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

जन-प्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायतों की अब गंभीरता से जाँच की जा रही है और दोषी पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। उल्लेखनीय है कि निलंबित कर्मचारियों के संबंध में टीकमगढ़ विधायक यादवेन्द्र सिंह ने शिकायत की थी। नगरीय प्रशासन संचालनालय द्वारा कार्यपालन यंत्री सागर को विधायक की शिकायत की जाँच के निर्देश दिये गये थे। प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में 4 कर्मचारियों को दोषी पाया गया। दोषी कर्मचारियों द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही, उदासीनता और अनुशासनहीनता पाई गई।

अभिमत

हमें दीपावली के मौके पर पारंपरिक खेती को याद करना जरूरी है। देसी बीजों की हल-बैल की टिकाऊ खेती की आज पहले से ज्यादा जरूरत है। पशुपालन के साथ खेती होती थी। मनुष्य और गाय-बैल में मूक समझौता था। वे हमें दूध व गोबर देते थे। उनकी गोबर खाद से हमारे खेत उर्वरक होते थे। हम उन्हें फसलों के डंठल चराते थे। इस तरह एक चक्र बना रहता था। शिक्षा में भी श्रम का मूल्य का समावेश जरूरी है, जो कुछ हद तक पूर्व में था। उत्पादन के साथ शिक्षा, जिसे गांधी ने नई तालीम कहा था, उसकी जरूरत है।

देसी दीपावली की जरूरत क्यों है?

नवाचार

■ बाबा मायाराम

हमारे अधिकांश त्योहार खेती-किसानी से जुड़े हैं। कृषि सभ्यता के प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन आज के दौर में कृषि सभ्यता में ठहराव आ गया है। खेती के साथ पशुपालन भी जुड़ा था, खेतों की बैलों से जुताई होती थी, जिसमें अब ट्रेक्टर व हारवेस्टर के आने से इसमें कमी आई है। आज के कॉलम में इन त्योहारों की परंपरा को याद करना जरूरी है, जिससे हम त्योहारों की भाईचारा व जोड़ने वाली परंपराओं को समझ सकें।

हम बचपन से दीपावली के त्योहार को देखते आ रहे हैं। इसकी तैयारी बहुत पहले से की जाती थी। दूरदराज रहने वाले परिजन छुट्टी में घर आते थे। उमंग व उत्साह का माहौल होता था। घर की साफ-सफाई, रंगरोगन, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और अन्न (धन धान्य) की पूजा की जाती है। लेकिन अब इन त्योहारों पर बाजार का असर दिखाई देता है। आज रात-रात पर पटाखे फोड़े जाते हैं, उपहार दिए जाते हैं, घरों व सड़कों पर जगमग रंग-बिरंगे बल्बों से रोशनी की जाती है। इस सबमें त्योहार में जो उमंग व उत्साह होता था, पीछे छूटता जा रहा है।

पहले मिट्टी के दीये जलाए जाते थे। अब बिजली के बल्बों से रोशनी की जाती है। मिट्टी के दीये स्थानीय स्तर पर मिट्टी के बनाए जाते थे, जिन्हें बार- बार इस्तेमाल किया जा सकता है। मिट्टी अजर अमर है। अब इसकी जगह बिजली के बल्बों ने ले ली है। मोम के दीये भी आ गए हैं। लेकिन मिट्टी की जो खुशबू है, वह कहीं खो सी गई है।

खेती के पशुपालन जुड़ा है। इस मौके पर गाय-बैल को नहलाया-धुलाया जाता था। बैलों के प्रति विशेष प्रेम तब दिखाई देता है जब उन्हें दीपावली पर रंग-बिरंगी फीते, गेंठा, मुछेड़ी, नाथ और पट्टों से सजाया जाता है। दीपावली के बाद मड़ई-मेलों में बैलगाड़ी से लोग सपरिवार जाते हैं। गाय की पूजा की जाती है। उन्हें अनाज खिलाया जाता है। यानी गाय-बैल को समान रूप से सम्मान मिलता था।

हमारे नर्मदांचल में दीपावली के अगले दिन गोधन बनाई जाती है। देसी बीजों के जानकार बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि गो -धन का आशय सीधे गो वंश से था, कृषि आश्रित समाज में घर में जितना गोवंश उतनी अच्छी खेती और उतनी ही सम्पन्नता। पुरानी खेती-किसानी में रूपये-पैसे की पूंजी का कही कोई स्थान नहीं था। गाय बैल ही सम्पन्नता के परिचायक होते थे।

अब रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के मद्देनजर आज फिर किसान पुरानी पारंपरिक खेती को याद कर रहे हैं। बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि 'हमारे सभी त्योहार खेती से जुड़े हैं। दीवाली भी इनमें से एक है। इसी समय खरीफ की फसलें पककर आने लगती हैं। खुशी व उल्लास का मौका होता है'। किसानों से ही अन्य जातियां जुड़ी हैं। इन सबको इनके काम, सामान व सेवाओं के बदले अनाज दिया जाता है, जिससे इनके घर में खुशियां आती हैं।

वे आगे बताते हैं कि 'इस मौके पर गाय-बैल को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल-बक्खर जैसे कृषि-औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल पककर घर आ जाती है- ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है, सब फसलें आ जाती हैं।

पारंपरिक तौर पर होली का त्यौहार प्राकृतिक रंगों से मनाते आ रहे हैं। जैसे पलाश के फूलों को उबाल कर रंग बनाया जाता था, जो काफी अच्छा रंग होता था। दीवाली में भी चौक इत्यादि आटे से बनाए जाते थे। मिट्टी के दीया जगमग करते थे। गोवर्धन पूजा के दौरान फूल, पत्तियां व कई तरह के घास को पूजास्थल पर रखा जाता था।

लेकिन अब कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल होता है। दीपावली पर रंगोली बनाई जाती है, उसमें कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल होता है। कृत्रिम रंगों से रंगोली बनाएंगे तो उससे प्रदूषण होगा। अक्सर त्योहारों में रंगोली बनाई जाती है, दूसरे दिन उसे साफ कर दूसरी रंगोली बनाई जाती है। विशेषकर, दशहरा-दीवाली के दौरान घर-घर में यही देखा जाता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह कचरा संस्कृति है। इसमें हम कितनी सफाई करें, दूसरे दिन फिर कचरा पैदा हो जाता है। इसलिए हमें ऐसी जीवनशैली की जरूरत है, जिसमें कचरा पैदा ही न हो। यह संस्कृति पूर्व में गांव में देखी जाती थी।

लम्बे अरसे से मनुष्य ऐसा करते आ रहे हैं। कई तरह के पेड़-पौधों, पत्तियों, फलों के रस से रंग बनाए जाते हैं। पौधों में रंग बनाने की विशेषता के साथ ही औषधीय गुण भी होते हैं, जिनका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में होता रहा है। प्राकृतिक व जैविक रंगों की विशेषता यह है कि इनका रंग आसानी से धुल जाता है, जबकि ऑईल पेंट आसानी से साफ नहीं होता, और शरीर की त्वचा के लिए हानिकारक माना जाता है।

इसके अलावा, पहले स्कूलों में लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां-बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे। खेती के तौर-तरीकों सीखते थे, आसपास के पर्यावरण से परिचित होते थे। ज़मीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। अब यह छुट्टी कम हो गई है।

पहले स्कूलों में लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां-बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे। खेती के तौर-तरीकों सीखते थे, आसपास के पर्यावरण से परिचित होते थे। ज़मीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। अब यह छुट्टी कम हो गई है।

लेकिन अब यह लम्बी छुट्टी नहीं होती। शिक्षा से कृषि का जुड़ाव दिखाई नहीं देता है। हाथ से उत्पादन करके सीखने को प्रेरित नहीं किया जाता है। शिक्षा से श्रम का मूल्य गायब है, इसलिए नई पीढ़ी खेती से दूर होती जा रही है। हालांकि इसके और भी कारण हैं, पर यह भी कारण है। अब नई पीढ़ी की खेती में रूचि नहीं है। वे खेती नहीं करना चाहते। इसलिए खेती-किसानी अब पिछड़ती जा रही है।

बाबूलाल दाहिया कहते हैं कि 'अब गांव, खेती, अनाज, लोक कला, संस्कृति पीछे होते जा रहे हैं। औद्योगिक सभ्यता आगे बढ़ रही है। एक दिवाली भागती हुई सभ्यता की प्रतीक बन गई है तो दूसरी दिवाली कृषि सभ्यता मानो ठहर गई है। एक तरफ दिवाली में गगनचुंबी इमारतों में होने वाली दिवाली की पार्टियों का शोर है तो दूसरी तरफ दिवाली अब गांवों में उजड़ती दिख रही है, खेती और गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बन रहे हैं।'

कुल मिलाकर, हमें दीपावली के मौके पर पारंपरिक खेती को याद करना जरूरी है। देसी बीजों की हल-बैल की टिकाऊ खेती की आज पहले से ज्यादा जरूरत है। पशुपालन के साथ खेती होती थी। मनुष्य और गाय-बैल में मूक समझौता था। वे हमें दूध व गोबर देते थे। उनकी गोबर खाद से हमारे खेत उर्वरक होते थे। हम उन्हें फसलों के डंठल चराते थे। इस तरह एक चक्र बना रहता था। शिक्षा में भी श्रम का मूल्य का समावेश जरूरी है, जो कुछ हद तक पूर्व में था। उत्पादन के साथ शिक्षा, जिसे गांधी ने नई तालीम कहा था, उसकी जरूरत है। इसके साथ ही सादगी व बिना प्रदूषण की दीपावली, जो हमारी परंपरा रही है, उसे कायम रखने की जरूरत है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

बीता सप्ताह

18 अक्टूबर

- जगदलपुर में मुख्यमंत्री के समक्ष 210 नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण।
- देश की रक्षा शक्ति के प्रतीक स्वदेश निर्मित लड़ाकू विमान तेजस एम के-1 ए को भारतीय वायुसेना में शामिल कर लिया गया।
- जापान के पूर्व प्रधानमंत्री तोमोची मुरायामा का निधन हो गया।
- गुजरात केबीनेट में फेरबदल हुआ भूपेन्द्र सरकार में 19 नए चेहरों को शामिल किया गया।

19 अक्टूबर

- छग में गरियाबंद में उदंति एरिया कमेटी ने भी आत्म समर्पण का किया ऐलान।
- स्लोवेनिया का ब्लेड संरा पर्यटन के 2025 के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल हुआ।
- दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी केप प्रांत के केपटाउन में गोलीबारी में 7 लोगों की मौत हो गई।
- ईरान ने परमाणु समझौता 2015 के दस साल पूर्ण होने पर कहा कि अब कोई प्रतिबंध नहीं, कूटनीति को लेकर प्रतिबद्ध।

20 अक्टूबर

- अयोध्या में दीपोत्सव अवसर पर 26 लाख 17 हजार दीपक जलाने का रिकार्ड बनाया गया।
- आस्ट्रेलिया में भारतीय सेना ने आस्ट्रहिंद 2025 नाम से संयुक्त अभ्यास किया।
- पैरोल लेकर फरार कैदियों के रिकार्ड में राजधानी दिल्ली नं. 2 रही।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सबरीमाला अयप्पा मंदिर में पूजा अर्चना की।

23 अक्टूबर

- युगांडा में बसों और वाहनों में हुए टक्कर में 63 लोगों की मौत हो गई।
- ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा टेरीटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) बनाए गए है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में बड़ी चूक। केरल प्रवास में हेलीकाप्टर धस गया।
- बेल्जियम में एंटवर्य की एक अदालत ने भगोड़े कारोबारी केहुल चोकसी भारत प्रत्यर्पण विरोध की अपील खारिज कर दी।

24 अक्टूबर

- भारतीय स्टेट बैंक को अमेरिकी फिनटेक कंपनी ग्लोबल फाइनेंस ने साल 2025 के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक और भारत के सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार दिया।
- वित्त मंत्रालय ने ग्राहकों को चार नामिनी जोड़ने का विकल्प दिया। एक नवम्बर 2025 से प्रभावशील।
- प्रख्यात भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ व संत चिटनिस का निधन हो गया।

छठ पूजा: संस्कृति से विज्ञान तक

■ डॉ. रामेश्वर मिश्र

छठ पूजा भारत की जीवंत लोक संस्कृति का वह पर्व है जो आस्था, प्रकृति और विज्ञान को एक सूत्र में बांध देता है। यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय जीवन-दर्शन, पर्यावरणीय चेतना और वैज्ञानिक सोच का भी प्रतीक है। भारत की मिट्टी में रचे-बसे लोक जीवन में छठ पूजा को सूर्य उपासना और मातृशक्ति की आराधना के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। विशेषकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में यह पर्व लोक संस्कृति का अभिन्न अंग है। गांव की गलियों से लेकर नगरों के घाटों तक, हर जगह 'कांची ह ओ कांची रे छठी मईया' और 'केतकी के फूलवा सुगंध फैले रे'... जैसे लोकगीतों की गूंज इस पर्व को लोक भावना से जोड़ देती है।

छठ पूजा का आरंभ वैदिक परंपरा से हुआ माना जाता है। सूर्योपासना का उल्लेख वेदों में बार-बार मिलता है। 'गायत्री मंत्र' में भी सूर्य की आराधना ही मुख्य विषय है-ओम भुर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात।

यह मंत्र सूर्य की उस ऊर्जा का स्मरण कराता है जो संपूर्ण सृष्टि को जीवन देती है। वेदों में सूर्य को 'सविता' कहा गया है, जो जीवन और चेतना का स्रोत है। इसी सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और प्रकृति से संतुलन स्थापित करने के लिए छठ पूजा का विधान बना। पौराणिक मान्यताओं में कहा गया है कि पांडवों के वनवास के दौरान द्रौपदी ने छठ व्रत रखकर संकट से मुक्ति पाई थी, वहीं रामायण में भगवान राम और माता सीता द्वारा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य की उपासना का उल्लेख मिलता है। इन कथाओं ने इस पर्व को न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक आधार भी प्रदान किया।

छठ पूजा सूर्य की गति और ऋतु परिवर्तन से भी जुड़ी है। कार्तिक और चैत्र माह में यह पर्व तब आता है जब मौसम में परिवर्तन होता है। यह वह समय है जब पृथ्वी सूर्य की किरणों की दिशा में हल्का झुकाव बदलती है और वातावरण में नई ऊर्जा प्रवाहित होती है। ऐसे में सूर्य उपासना न केवल आध्यात्मिक शांति देती है बल्कि जैविक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होती है।

छठ पूजा की सांस्कृतिक महत्ता इसकी लोकधुनों और सामूहिकता में प्रकट होती है। घाटों पर गूंजते लोकगीतों में मातृत्व, भक्ति और प्रकृति के प्रति प्रेम की भावनाएं अभिव्यक्त होती हैं। महिलाएं 'छठी मईया तोहर महिमा अपार' और 'उग हे सूरज देव भइनी के नहाइल बानी घाटे' जैसे गीत गाते हुए सूर्य और छठी मइया का आह्वान करती हैं। यह लोकसंगीत गांवों की धूल, जल और जन के साथ गूंथी हुई आत्मा की आवाज़ है। जब सारा समाज एक साथ नदी या तालाब के तट पर एकत्र होता है, तो वहां जाति, वर्ग या लिंग का कोई भेद नहीं रह जाता। हर व्यक्ति समान श्रद्धा के साथ सूर्य को अर्घ्य देता है। यही समरसता भारतीय लोकसंस्कृति का मूल है, जो छठ पूजा के माध्यम से जीवंत हो उठती है।

छठ पूजा के पीछे निहित वैज्ञानिक सोच भी उतनी ही गहरी है। सूर्य हमारे जीवन का आधार है, जिसकी ऊर्जा के बिना पृथ्वी पर कोई अस्तित्व नहीं रह सकता। वेदों में कहा गया है-'सूर्योऽत्मा जगतस्तस्थुषश्च।' अर्थात सूर्य चर-अचर समस्त सृष्टि की आत्मा है। छठ पूजा के समय जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने का अभ्यास स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभदायक है। इस समय सूर्य की किरणें कम तीव्र होती हैं और उनका स्पर्श शरीर में विटामिन डी के निर्माण में सहायक होता है। जल में खड़े रहने से शरीर के भीतर का तापमान संतुलित रहता है और त्वचा, आंखों तथा तंत्रिका तंत्र को लाभ पहुंचता है। यह एक प्रकार का वैज्ञानिक ध्यान (सन मेडिटेशन) है जो मानसिक एकाग्रता और आत्मिक शांति प्रदान करता है।

इस व्रत का एक और वैज्ञानिक पहलू शरीर की शुद्धि से जुड़ा है। लगातार उपवास रखने और सात्विक भोजन ग्रहण करने से शरीर में एक प्रकार का डिटॉक्सिफिकेशन होता है। गुड़, चावल, गन्ना, नारियल और केले जैसे प्रसाद पदार्थों में प्राकृतिक पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वच्छ और संतुलित रखते हैं। गांवों में लोग कहते हैं-'छठ करे जे सच्चे मन से, तन-मन होई पवित्तर।' यह लोकविश्वास केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी सत्य है। छठ पूजा में प्रयुक्त सामग्रियां भी पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल हैं। मिट्टी के दीपक, बांस की सूप, गन्ने के डंडे, फल और शुद्ध अन्न, सब कुछ प्रकृति से प्राप्त होता है और वही फिर प्रकृति को अर्पित किया जाता है। यह जीवन चक्र की निरंतरता का प्रतीक है। व्रती जब नदी या तालाब की सफाई करते हैं और स्नान के लिए घाट सजाते हैं, तो यह न केवल धार्मिक कर्म है बल्कि जल संरक्षण और स्वच्छता का सामाजिक अभियान भी है।

छठ पूजा सूर्य की गति और ऋतु परिवर्तन से भी जुड़ी है। कार्तिक और चैत्र माह में यह पर्व तब आता है जब मौसम में परिवर्तन होता है। यह वह समय है जब पृथ्वी सूर्य की किरणों की दिशा में हल्का झुकाव बदलती है और वातावरण में नई ऊर्जा प्रवाहित होती है। ऐसे में सूर्य उपासना न केवल आध्यात्मिक शांति देती है बल्कि जैविक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होती है।

भारतीय परंपरा में इसे 'यथा पिण्डे तथा ब्रह्माण्डे' के सिद्धांत से जोड़ा गया है, अर्थात जो कुछ शरीर में होता है वही ब्रह्मांड में भी घटित होता है। छठ पूजा इसी विचार को व्यवहार में उतारने का अवसर देती है, जब मनुष्य प्रकृति के साथ एकात्म हो जाता है।

लोकगीतों और परंपराओं में छठी मइया को मातृशक्ति के रूप में देखा जाता है। वे संतान, स्वास्थ्य और समृद्धि की देवी मानी जाती हैं। लोककथाओं में कहा जाता है-'छठी मईया के किरपा से घर में हँसी-खुशी बनी रहे।' महिलाएं इस व्रत को अपने परिवार की मंगलकामना के लिए करती हैं। घाटों पर जब हजारों दीप जलते हैं, तब पूरा वातावरण मातृत्व और श्रद्धा से भर उठता है। यह दृश्य केवल भक्ति का नहीं, बल्कि ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक है। छठ पूजा यह सिखाती है कि आस्था और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। जहां आस्था मनुष्य को अनुशासन, भक्ति और आत्मसंयम की ओर ले जाती है, वहीं विज्ञान उस आस्था के कारणों को स्पष्ट करता है। सूर्य की पूजा केवल देवता के रूप में नहीं बल्कि जीवन ऊर्जा के रूप में की जाती है। उपवास केवल धार्मिक कर्म नहीं बल्कि शरीर की चिकित्सा है। जल और प्रकृति की आराधना केवल संस्कार नहीं बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी का बोध है। यही कारण है कि छठ पूजा भारतीय संस्कृति में 'संस्कृति से विज्ञान तक' की यात्रा का प्रतीक बन चुकी है। यह पर्व हमें यह भी याद दिलाता है कि मनुष्य और प्रकृति का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि सहयोग और सह-अस्तित्व का है। जब व्रती जल में खड़े होकर सूर्य को प्रणाम करता है, तो वह केवल सूर्य को नहीं, बल्कि उस समूची सृष्टि को नमन करता है जो उसे जीवन देती है। वेदों में कहा गया है-'सूर्ये तपत्यहर्निशं लोके, तेन जीवनमिदं जगत।' अर्थात सूर्य दिन-रात जगत को जीवन देता है। इसी जीवन का उत्सव है छठ पूजा, जहां लोकगीतों की मधुर ध्वनि, जल का स्पर्श, दीपों की लौ और आस्था का प्रकाश मिलकर एक ऐसा दृश्य रचते हैं जो मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाता है।

छठ पूजा अंततः यह संदेश देती है कि जब तक सूर्य है, तब तक जीवन है, और जब तक आस्था है, तब तक मानवता है। यह केवल पूजा नहीं, बल्कि मानव, प्रकृति और विज्ञान के बीच संतुलन का उत्सव है।

लड़कियों की टांग तोड़ने के आह्वान से मनु की प्रेतसिद्धि करती संघ की साध्वी

■ बादल सरोज

साध्वी 'प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने भारत की युवतियों और स्त्रियों के लिए एक समारोह में 'कहना न मानने वाली लडकियों की टांगे तोड़ देने' का आह्वान कर दिया। बोलीं कि 'अगर हमारी लड़की हमारा कहना नहीं मानती है, किसी विधर्मी के यहां जाने का प्रयास करती है तो उसकी टांगें तोड़ने में भी कोई कसर मत छोड़ना। जो संस्कारों, बातों से नहीं मानती है तो उसे ताड़ना देनी पड़ती है।' प्रज्ञा सिंह ने ये भी कहा कि 'ऐसी बच्चियां जो हठी हैं, माता-पिता की बात नहीं मानतीं, संस्कारों को नहीं मानती, घर से भागने को तैयार हैं उनके लिए सतर्क रहो, जागते रहो और ऐसी लड़कियों को मारकर, पीटकर, समझाकर और प्यार से जैसे भी हो लेकिन जाने मत दो।' खुलेआम हिंसा का यह आपराधिक आह्वान करते हुए एक वाक्य में उन्होंने लड़कियों को 'मियांईन न बनने देने' की बात कहते हुए उस विष का छौंक बघार भी लगाया जिस विष का इस कुनबे के पास भरपूर भण्डार है।

यह सीधे-सीधे इस देश की आधी आबादी के विरूद्ध युद्ध की यलगार है। प्रज्ञा सिंह जिस कथित 'लव जिहाद' को हवा दे रही थीं यह एक नितांत झूठी बकवास है। यह बात खुद उनके मोदी जी की सरकार के अमित शाह के गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने 4 फरवरी 2020 को लोकसभा में दिए गए एक लिखित उत्तर में कही थी कि 'केंद्र सरकार की किसी भी एजेंसी ने लव जिहाद के एक भी मामले की जानकारी नहीं दी है।' यह भी कि देश में 'लव जिहाद' जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि 'भारत के संविधान की धारा 25 प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता देती है।' इससे पहले 2018 में प्रधानमंत्री मोदी के नियंत्रण वाली एनआईए केरल के दो विवाहों के मामले सहित कई प्रकरणों में जांच करके फैसला दे चुकी थी कि लव जिहाद के अस्तित्व का कोई सबूत नहीं है। उत्तराखंड के पुरोला में तनाव के बाद भी यह मामला एक अफवाह साबित हुआ। केरल हाईकोर्ट भी अपने एक फैसले में किसी जिहाद विहाद की मौजूदगी को नकार चुका है। पिछली कई वर्षों में सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए अनेक सवालों के जवाब में अमित शाह के गृह मंत्रालय ने न केवल मना किया गया बल्कि खुद मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में शपथपत्र दाखिल करते हुए लव जिहाद के वजूद से साफ़ इनकार किया था। भारत के मुस्लिम नागरिकों के प्रति अपना द्वेष ये स्वयं मौके बेमौके उगलती रहती हैं। अभी इसी सितम्बर में दुर्गा वाहिनी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए इन्होंने खुलेआम मंच से कहा था कि 'अगर गैर-हिंदू मंदिरों के बाहर प्रसाद बेचते दिखें तो उन्हें पीटा जाए और पुलिस के हवाले करने से पहले सबक सिखाया जाए।' उन्होंने यह भी कहा कि 'हर घर में तेज धार वाले हथियार मौजूद होने चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल किया जा सके।' इस बार वे मुस्लिमों के बहाने सभी भारतीय महिलाओं के खिलाफ रणभेरी फूंक रही हैं। इस तरह उस असली पटकथा के लिए मंच सजा रही हैं जो उनके कुनबे के हिन्दूराष्ट्र का सार है। यह बात सिर्फ अंदाजा, अनुमान या आरोप नहीं है- ये जिसका लिखा बांच रही हैं उस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पक्का विचार है।

प्रज्ञा सिंह के इस उत्तेजक और उन्मादी आह्वान को इस समग्रता में पढ़ने की जरूरत है। आमतौर से सभी को खासतौर से उन अच्छी लड़कियों को जो बहुत अनुशासित होती हैं - चुप चुप रहती हैं - जितना दे दो उतने पर मान जाती हैं - कभी जोर से नहीं बोलतीं - कभी आगे नहीं भागती। कभी ना नहीं कहती- सामने आने की बजाय पीछे-पीछे चलने में खुश रहती हैं। वे नहीं जानती कि इसकी वजह उस सामाजिक परवरिश में हैं जिसने बहुत चतुराई से ठगी की है।

इस वर्ष 100 वर्ष का हुआ आर एस एस इस मायने में भी इस देश का ऐसा विचित्र संगठन है कि कोई महिला इसका सदस्य नहीं बन सकती। इसका कोई संविधान है या नहीं यह बात तो खुद इनके अपनों तक को नहीं पता अलबत्ता इनकी आधिकारिक वेबसाईट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों- एफ ए क्यूज- में साफ़-साफ़ लिखा है कि 'यह हिन्दू पुरुषों का संगठन है' और कोई भी 'हिंदू पुरुष' स्वयंसेवक बन सकता है। इसमें साफ़-साफ़ लिखा गया है कि 'उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती है सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते है।' हालांकि यह दावा जोड़ दिया कि 'अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है।' यह भागीदारी कैसे बढ़ाई जायेगी इसकी एक झलक प्रज्ञा सिंह के टांग तोड़ो, मारो पीटो आह्वान से मिल जाती है।

संघ के आदि और एकमात्र गुरु गोलवलकर इस मामले में और आगे बढ़कर कहते हैं कि 'एक निरपराध स्त्री का वध पापपूर्ण है परन्तु यह सिद्धांत राक्षसी के लिए लागू नहीं होता।' राक्षसी कौन? इस प्रसंग में वे एक कहानी सुनाते हैं जिसमें शादी के लिए अपने परिवार को राजी करने में असफल प्रेमी अपनी प्रेमिका का गला घोंट कर मार देता है और उसे तनिक भी पीड़ा नहीं होती। कृपया ध्यान दें, यहां प्रेमी विधर्मी नहीं सहधर्मी है और कसूरवार लड़की नहीं, वह प्रेमी है जो अपने परिवार को राजी करने में विफल रहा था!! तब गोलवलकर और आज प्रज्ञा सिंह जिस परम्परा की दुहाई दे रहे हैं, जिस कथित संस्कृति को वे महान कहते हैं वह और कुछ नहीं मनुस्मृति पर आधारित सामाजिक ढांचा है।

गोलवलकर कहते थे कि 'महिलायें मुख्य रूप से मां है उनका काम बच्चों को जन्म देना, पालना पोसना, संस्कार देना है।' सौ वर्ष बाद भी यह धारणा ज्यों की त्यों है: मौजूदा सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत स्त्री की जगह तय करने के साथ विवाह को एक ऐसा कॉन्ट्रैक्ट बताते हैं जिसमें पुरुष का काम पत्नी की आवश्यकताओं की पूर्ति करना और पत्नी का दायित्व पति की सेवा करना और सुख देना है। शताब्दी वर्ष में संघ ने इन दायित्वों में चार से दस तक संतानें पैदा करने का काम और जोड़ दिया है।

संघ घोषित रूप से जिसके आधार पर राज चलाना चाहता है वह मनुस्मृति कोई धार्मिक ग्रन्थ नहीं है। यह वर्णाश्रम की जड़ता की जंत्री है, एक ऐसी जंत्री जो मूलतः स्त्री के विरुद्ध है। शूद्रों के खिलाफ वीभत्सतम बातें लिखने के साथ यह स्त्री को शूद्रातिशूद्र बताती है - मतलब उनसे भी ज्यादा वीभत्सतम बर्ताब की हकदार। इसके मुताबिक़ स्त्री मनुष्य नहीं है वह ऐसी प्राणी है जिसे कभी स्वतंत्र नहीं छोड़ना चाहिए; 'पिता रक्षति कौमारे भरता रक्षित यौवने / रक्षित स्थविरे पुत्रा न स्त्री स्वातन्त्रमर्हति।' (9.3) यह कहती है कि 'पति चरित्रहीन, लम्पट, निर्गुणी क्यों न हो स्त्री का कर्तव्य है कि वह देवता की तरह उसकी सेवा करे।'

हाल के कुछ आंकड़ों को देखें तो साफ़ हो जाता है कि महिलाओं के पहले से ही त्रासद जीवन को और कठिन तथा यंत्रणापूर्ण बनाने के लिए वे मनु की पूर्ण बहाली तक का इन्तजार भी नहीं करना। जैसे, भारत में कन्या भ्रूण हत्या के आंकड़े चौंकाने वाले हैं, 2000-2019 के दौरान कम से कम 90 लाख भ्रूण हत्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश हिंदुओं द्वारा की गईं। लिंगानुपात में असंतुलन इसका एक प्रमुख कारण है, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएं थी, जबकि 1901 में यह 972 था। भारत में महिला उत्पीड़न के आंकड़े बताते हैं कि 2021 में महिलाओं के खिलाफ 4,28,278 मामले दर्ज किए गए, जो 2016 की तुलना में 26.35प्रतिशत अधिक है। इनमें घरेलू हिंसा, अपहरण, बलात्कार, दहेज हत्या और हमले जैसे अपराध शामिल थे। जैसे जिस मध्यप्रदेश के जिस भोपाल से प्रज्ञा सिंह सांसद रहीं लापता होने वाली लड़कियों के मामले में उस मध्यप्रदेश और भोपाल के आंकड़े बहुत डरावने हैं। अभी-अभी अगस्त 2025 में जारी आंकड़ों के अनुसार: जनवरी 2021 से लेकर पिछले साढ़े चार साल में, मध्य प्रदेश में 59,365 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 48,274 लड़कियां थीं। हर दिन औसतन 32 महिलाएं और लड़कियां लापता हुईं। इससे पहले जुलाई 2023 में जारी आंकड़ों के अनुसार, 2019 से 2021 के बीच, पूरे देश में 13.13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से सबसे अधिक मध्य प्रदेश से थीं। न कभी सांसद महोदया इस बारे में कभी कुछ बोलीं- न उनकी भाजपा और उनके संघ ने इस बारे में जुबान खोली।

प्रज्ञा सिंह के इस उत्तेजक और उन्मादी आह्वान को इस समग्रता में पढ़ने की जरूरत है। आमतौर से सभी को खासतौर से उन अच्छी लड़कियों को जो बहुत अनुशासित होती हैं - चुप चुप रहती हैं - जितना दे दो उतने पर मान जाती हैं - कभी जोर से नहीं बोलतीं - कभी आगे नहीं भागती। कभी ना नहीं कहती- सामने आने की बजाय पीछे-पीछे चलने में खुश रहती हैं। वे नहीं जानती कि इसकी वजह उस सामाजिक परवरिश में हैं जिसने बहुत चतुराई से ठगी की है और झिझक को श्रृंगार, बेड़ियों को आभूषण बना दिया है। वर्चस्वकारी भारतीय संस्कृति के बड़े अध्येता सालुंखे कहते हैं कि ; 'अन्य मामलों में अपनी भिन्नता को मुखर करने वाले धर्म/पंथ/विचारधाराएं एक मामले में पूरी तरह एक हैं कि; पुरुष का सुख साध्य है और स्त्री उस सुख के साधनों में से एक साधन है। लिहाजा संसाधन के रूप में स्त्री के अपने सुख पर स्वतंत्र रूप से विचार करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।' यह भी कि पुरुष सत्ता की सड़ांध सिर्फ पुरुषों में ही नहीं होती- महिलायें भी उसकी वाहक होती हैं।

इन 'अच्छी' लड़कियों को बोलना सीखना होगा- इस तरह के हमलों को सींग से पकड़ना होगा। लेनिन ने एक बार कहा था कि ; 'महफ़िलों और गोष्ठियों में चहको मत - लड़ो और जगह बनाओ।' अच्छी बात है कि वे ऐसा कर रही हैं।

(लेखक लोकजतन, संयुक्त सचिव अखिल भारतीय किसान सभा हैं)

किसानों की समस्या को बैठक में नहीं रखने पर सदस्य नाराज

सामान्य सभा की बैठक स्थगित, जिला पंचायत सदस्यों ने किया बहिष्कार

जबलपुर, देशबन्धु। जिला पंचायत सभागार में आज दोपहर आयोजित बैठक सदस्यों के बहिष्कार के बाद स्थगित हो गई। दरअसल विपक्षी जिला पंचायत सदस्यों का कहना है कि किसानों की कई समस्याएं हैं। जिन्हें एजेंडा में शामिल किया जाना था लेकिन उन्हें शामिल नहीं किया गया। जिसके कारण कई सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। इधर जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया के अचानक बैठक के पूर्व ही चले जाने से भी विपक्षी सदस्यों ने गैरजिम्मेदाराना बताया।

दोपहर 2 बजे होनी थी बैठक - जिला पंचायत सदस्य इंदू पटेल ने बताया कि दोपहर दो बजे बैठक का समय निर्धारित था जिसमें करीब दर्जनभर सदस्य जिला पंचायत पहुंचे थे। सामान्य सभा की बैठक में एमपीआरआरडीए की समीक्षा,आदिम जाति कल्याण विभाग की समीक्षा,नल जलायोजना की समीक्षा बैठक होनी थी। जबकि सबसे बड़ा विषय किसानों से संबंधित पराली और खाद सहित अन्य समस्याएं थी इस विषय को लेकर सदस्यों ने पूर्व मांग की थी लेकिन बैठक में जानबूझकर इसे शामिल नहीं किया गया। जिसके कारण सभी सदस्यों ने बहिष्कार कर दिया। उन्होंने बताया कि बैठक में सदस्यों को वरीयता नहीं दी जाती है। अधिकारी अपने मन की कर रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल ने बताया कि तीन सालों से सदस्यों की बातें सुनी नहीं जा रही है। अधिकारी अपनी-अपनी चलाते हैं। सदस्यों की समस्याओं को सुनते नही हैं। किसानों का विषय महत्वपूर्ण था लेकिन उसे सुना नहीं गया। जिसके कारण बैठक का बहिष्कार किया गया है। उन्होने बताया कि हम लोग इतनी दूर-दूर से डीजल पेट्रोल खर्च करके पहुंचते हैं इसके बावजूद बैठक का कोई सार नहीं निकलता है।

एक सदस्य रामप्रसाद सिया ने बताया कि उन्हें आज एजेण्डा की कापी ही नहीं मिली यह जानबूझकर ऐसा करते हैं। ताकि सदस्य उस पर कोई चर्चा कर सकें।

इनका कहना है-

आज सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई थी। कुछ सदस्यों का कहना था कि उन्हें एजेंडा प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए जिला पंचायत अध्यक्ष की अनुमति से बैठक स्थगित की गई है। आगामी 5 नवंबर को पुनः बैठक आयोजित की जाएगी

- अभिषेक गहलोत,
सीइओ,जिला पंचायत

स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच के निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जांच के संबंध में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और रक्त अल्पता (एनीमिया) को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री सौरभ सिंह, और जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने विशेष रूप से बालिकाओं में हीमोग्लोबिन की जांच कराने और रक्त अल्पता को दूर करने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

विक्टोरिया के नेत्र विभाग में बड़ी संख्या में जांच कराने पहुंच रहे मरीज

ओपीडी में रोजाना आ रहे 70 से 80 रोगी

जबलपुर, देशबन्धु । दीपावली पर्व पर जिला प्रशासन की तमाम चेतावनी के बाद फटाखा बाजारों में कार्बाइड गन से जिले में तीन मरीजों की रिपोर्ट सामने आयी है। हालांकि तीनों मरीज का अस्पताल प्रबंधन द्वारा फालोअप लिया गया है। जिसमें तीनों का इलाज उपरांत स्वास्थ्य ठीक बताया जा रहा है। इधर आज फिर विक्टोरिया के नेत्र विभाग की ओपीडी में कई मरीज आंखों की जांच कराने आए थे। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि ओपीडी की संख्या भले ही 70-80 के लगभग रही। लेकिन ऐसे मरीजों की संख्या तीन या चार ही रही जो काबाईड गन के शिकार हुए हैं हालांकि डॉक्टरों ने बताया कि उनका उपचार कर दिया गया है चिन्ता की कोई बात नहीं है।

एक बच्चे का लिया फालोअप

डॉ. तरुण अहिरवाल ने बताया कि एक 14 साल के बच्चा जो 21 तारीख को आया था उसे उपचार दिया गया था शुक्रवार को उसका फोन से फालोअप किया गया उसकी स्थिति में पूरा सुधार हो चुका है। इधर सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि काबाईड गन से मात्र तीन बच्चों की पुष्टि हुई है। उपचार के बाद तीनों बच्चों की आंखे पूर्णतः स्वस्थ्य हैं।

तालाब समीप कचरा डम्पिग का क्षेत्रीयजनों ने किया विरोध

अधारताल पहुंचकर कमिश्र ने संबधित के खिलाफ कार्यवाही करने कहा

जबलपुर, देशबन्धु। अधारताल तालाब परिसर के मुख्य द्वार समीप नगर निगम द्वारा कचरा डंपिंग का कार्य किए जाने से क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैलने से आज सुबह क्षेत्रीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इधर जानकारी मिलते ही निगमायुक्त ने कहा कि इस तरह की कोई भी इस तरह की हरकत करते पाया जाता है तो उससे विरोध कड़ी कार्यवाही होगी। सुबह अधारताल विकास समिति के सदस्यों ने एकजुट होकर विरोध जताया और नगर निगम प्रशासन से तत्काल इस डंपिंग कार्य को रोकने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि तालाब के किनारे कचरा डालना न केवल पर्यावरण नियमों के खिलाफ है, बल्कि यह तालाब के जल को भी प्रदूषित कर सकता है।

समिति के सदस्यों ने कहा कि अधारताल तालाब शहर का प्रमुख जल स्रोत और धार्मिक स्थल है। उसके समीप कचरा डम्प करने से जल की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बनेगा। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शीघ्र जांच कर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही का आश्वासन दिया और कहा कि तालाब परिसर के आसपास आज के बाद किसी भी प्रकार से कोई भी कचरा डंपिंग या कचरा एकत्रीकरण का कार्य नहीं होगा। जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

तालाब को सुन्दर बनाने की मांग

आक्रोषितजनों ने मांग की है कि अधारताल तालाब परिसर यानि कि मुख्य प्रवेश द्वार के पास खाली पड़ी भूमि पर बच्चों के लिए आकर्षक उद्यान बनाया जाए। अधारताल तालाब परिसर में सुंदर उद्यान का निर्माण कराकर शहरवासियों और स्थानीय नागरिकों को नए अधारताल तालाब उद्यान की सौगात दी जाए। अधारताल तालाब परिसर का रकबा काफी बड़ा है और तालाब के चारों तरफ कई स्थानों में रिक्त रूप में अनुपयोगी भूमि है, जिस स्थान का उपयोग योग, ओपन जिम और बच्चों के खेलने के लिए मैदान बनाया जाए।

जबलपुर स्टेशन का निरीक्षण कर डीआरएम ने की यात्री सुविधाओं की समीक्षा

जबलपुर, देशबन्धु। वर्तमान त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने शुक्रवार को मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारियों के साथ जबलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रवेश एवं निकास द्वार, यात्री होल्डिंग एरिया, सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, सुलभ शौचालय, बैठक व्यवस्था, डिजिटल सूचना बोर्ड, घोषणा प्रणाली, पैदल पुल तथा अन्य यात्री सुविधाओं की स्थिति का गहन अवलोकन किया। त्योहारों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए विशेष दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (2) शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मुनव्वर खान, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता सर्वेश ठाकुर एवं अन्य शाखा अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अक्टूबर को होंगे रोटरी अवॉर्ड समारोह में शामिल

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अक्टूबर को जबलपुर में आयोजित होने वाले रोटरी इंटरनेशनल अवॉर्ड समारोह में शामिल होंगे। विदित ही है कि पिछले दिनों रोटरी इंटरनेशनल ने मानवता की सेवा में उत्कृष्टता अवॉर्ड अरुणकांत अग्रवाल को एवं नॉन रोटेरियन वर्ग में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन 'गुड्डा' को प्रदान किये जाने के लिये चयन किया था। विश्व स्तर पर समाजसेवा के लिए दिए जाने वाले इन दो सर्वोच्च अवॉर्ड का आयोजन भव्यता और पूर्ण गरिमापूर्ण हो इसके लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आमंत्रण स्वीकार कर आयोजित होने वाले अवार्ड समारोह में सम्मिलित होने के लिए अपनी सहमति प्रदान की है । रोटरी क्लब के अखिल मिश्रा ने जानकारी देते हुए बतलाया कि समाजसेवा के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी संस्था रोटरी इंटरनेशनल ने जबलपुर को गौरव से भर देने वाली दोहरी सौगात दी है। इसके लिये आयोजित समारोह मुख्यमंत्री की उपस्थिती में अब 26 अक्टूबर को शाम 5.30 बजे होटल विजन महल में सम्पन्न होगा।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की होगी महत्वपूर्ण भूमिकाः केंद्रीय मंत्री

जबलपुर, देशबन्धु। केंद्रीय संस्थानों के लिए चयनित 51 हजार से अधिक अभ्यार्थियों को शुक्रवार को देशभर के 40 स्थानों पर आयोजित समारोह में नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया। जबलपुर में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के मुख्य अतिथ्यि एवं सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक की मौजूदगी में भंवरताल उद्यान के समीप कल्चरल स्ट्रीट स्थित संस्कृति थिवेटर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में रेलवे सहित अन्य विभागों के लिए चयनित अभ्यार्थियों को अतिथियों ने प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया गया है। जिसमें युवाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। युवा देशभक्ति के जज्बे के साथ अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी के साथ काम करेंगे, ऐसा हमें विश्वास है। कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी का विशेष संदेश भी प्रसारित किया गया। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार रोजगार मेले में शामिल होने के बाद दोपहर 2 बजे डुमना एयरपोर्ट और डुमना एयरपोर्ट से दोपहर 3.40 बजे वायुवान द्वारा नई दिल्ली रवाना हो गए।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा के लिये भारतीय जनता पार्टी महानगर की बैठक जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर की अध्यक्षता में संभागीय कार्यालय रानीताल में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वदेशी के उपयोग के

जनजागरण के लिये महानगर की पश्चिम, पूर्व एवं केंट विधानसभा में सम्मेलन आयोजित किये गए, आगामी दिवस में उत्तर विधानसभा का सम्मलेन आयोजित होगा। इसके साथ ही जिले में युवा सम्मेलन आगामी 30 अक्टूबर को आयोजित होगा, महिला सम्मलेन एवं व्यापारी लघु उद्योग सम्मेलन का भी आयोजन भी किया जायेगा। जिला अध्यक्ष ने कहा जिले मे स्वदेशी मेले का आयोजन होना है, एवं मंडलों में 16 से 30 नवंबर तक युवा, महिला, व्यापारी सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारत के प्रथम गृहमंत्री लोह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस अवसर पर नगरनिगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महामंत्री पंकज दुबे रजनीश यादव, कमलेश अग्रवाल, अभय सिंह ठाकुर, कैलाश साहू, रोहित जैन, जय सचदेवा, अंजू भार्गव, प्रणीत वर्मा, कुण्डल राव, प्रशांत केसरवानी, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं पार्षद उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने अधिकारियों और ठेकेदारों की लगाई क्लास

अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन काटने के आदेश

जबलपुर, देशबन्धु। शहर की व्यवस्था को पटरी पर लाने और नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का निर्बाध लाभ दिलाने की दिशा में नगर निगम ने एक बार फिर कठोर कदम उठाए हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के मार्गदर्शन में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने स्वयं मैदान में उतरकर ताबड़तोड़ निरीक्षण किया, जिससे सफाई और अतिक्रमण से जुड़े विभागों में हड़कंप मच गया। उन्होंने मौके पर ही कर्मचारियों और संबंधित ठेकेदारों की लापरवाही को पकड़ा और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों के दल के साथ कटंगा रोड़ का दौरा किया। उन्होंने मुख्य रूप से सड़क के दोनों किनारों पर निर्मित नॉन-मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट ट्रैक का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही पैदल चलने वाले ट्रैक को पूरी तरह से व्यवस्थित करने के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी किए। पैदल चलने वाले नागरिकों को सुरक्षित और साफ-सुथरा रास्ता उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकताओं में है और इसी को ध्यान में रखते हुए एनएमटी को व्यवस्थित कराया जाएगा। इसके अलावा, शहर के सौंदर्यीकरण को एक नई दिशा देते हुए निगमायुक्त ने मुख्य मार्गों के बीचों बीच लगे डिवाईडरों को भी ठीक करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्य मार्गों को हर हाल में अतिक्रमण मुक्त किया जाए ताकि यातायात व्यवस्था सुगम हो सके और नागरिकों को अनावश्यक जाम से जूझना न पड़े। निगमायुक्त ने चेतावनी दी कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं भी लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत तिलहरी क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की अचानक जांच की, जिसमें उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर और ऑन लाइन रिकॉर्ड के अनुसार उस क्षेत्र में 40 कर्मचारियों को ड्यूटी पर होना चाहिए था, लेकिन मौके पर मात्र 13 कर्मचारी ही पाए गए। इस भारी अनियमितता को देखकर निगमायुक्त ने संबंधितों को जमकर फटकार लगाई और अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया। साथ ही ठेकेदार की भी क्लास लगा दी। उन्होंने सभी अधिकारियों व ठेकेदारों से दो टूक कहा कि लापरवाही की सजा भुगतने के लिये तैयार रहें।

'ग्राम सक्षम परियोजना' से बदल रही है तस्वीर

जबलपुर, देशबन्धु। कुंडम ब्लॉक में एसबीआई फाउंडेशन की ग्राम सक्षम परियोजना के अंतर्गत लोक कल्याण भूमिका समिति द्वारा जिले के कुंडम ब्लॉक में ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं। इस परियोजना का लक्ष्य आदिवासी समुदायों को आत्मनिर्भर बनाना और पलायन को रोकना है। परियोजना के अंतर्गत चयनित ग्रामों में फार्म तालाबों (खेत तालाबों) का निर्माण किया गया है, जिससे किसानों को सिंचाई सुविधा प्राप्त हुई है और जल स्तर में सुधार आया है। तालाबों के माध्यम से ग्रामीण अब मछली पालन, सब्ज़ी उत्पादन, ईंट निर्माण और कृषि कार्यों में सक्रिय हैं, जिससे उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

महिलाओं को मिली बकरियां-महिला किसानों को भी सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें बकरी पालन के लिये बकरियां प्रदान की गई हैं, जिनका बीमा भी कराया गया है। महिलाएँ अब दूध विक्रय के माध्यम से अपनी पारिवारिक आमदनी बढ़ा रही हैं।

किसान भवन का निर्माण परियोजना के अंतर्गत किसान भवन का निर्माण भी कराया गया है, जो ग्रामीणों के लिए ज्ञान, प्रशिक्षण और संवाद का केंद्र बन चुका है। यहाँ कृषि, पशुपालन, बकरी पालन तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी नियमित रूप से दी जाती है।

इस पहल ने न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया है, बल्कि स्थानीय समुदायों में आत्मनिर्भरता और सक्षम ग्राम की भावना को भी मज़बूती प्रदान की है। मेहगांवडुंगा जलाशय में मत्स्य पालन के लिये 72 केज कल्चर यूनिट स्थापित होंगी।

प्रोत्साहन की जगह पटवारी निपटा रहे लंबित कार्य

डेढ़ साल पहले शुरु किया था कलेक्ट्रेट में निवेश प्रोत्साहन केन्द्र

जबलपुर, देशबन्धु। जिले के युवाओं के लिए उद्योग,व्यवसाय स्थापित कराने के उद्देश्य से एमडीआरडीसी व जिला उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमियों को मार्गदर्शन देने और उन्हें प्रोत्साहित करने डेढ़ साल पहले एक निवेश प्रोत्साहन केन्द्र कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थापित किया गया था। जिसके लिए बकायदा लाखों रुपए खर्च करके केन्द्र तैयार किया गया था। लेकिन अब ऐसा लगता है। लेकिन निवेश प्रोत्साहन केन्द्र दूर के ढोल सुहावने वाली कहावत चरितार्थ होते दिखायी दे रही हैं। यहां पर न तो कोई अधिकारी नजर आता है ना ही कोई कर्मचारी जिसको भी इस केन्द्र का लाभ उठाना हो उसे कटंगा स्थित डीआईसी या एमडीआरडीसी केन्द्र में जाकर ही पूरा मार्गदशर्न प्राप्त करना पड़ रहा है। शुक्रवार को पाया गया कि केन्द्र में एक भी कर्मचारी दिखायी नहीं दिया। बल्कि कुछ पटवारी लंबित कार्य निपटाते हुए दिखायी दिए। पूछने पर पटवारी बंधु गोल-मोल जबाव देते नजर आए।

सूत्रों का कहना है कि केन्द्र में प्रतिदिन एक कर्मचारी पहुंचती है जो आज किसी कारणवश नहीं आयी थीं। कार्यालय में प्रतिदिन 3-4 उद्यमी या रोजगार के लिए युवा पहुंचते हैं। जिन्हें एक कर्मचारी द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है बाकी की अन्य औपचारिकताओं के लिए कटंगा स्थित कार्यालय जाना पड़ता है। सूत्रों का कहना है कि यहां पर अधिकारी कभी-कभार ही पहुंचते हैं। इस सम्बंध में जिला उद्योग केन्द्र के प्रबंधक विनीत रजक ने बताया कि केन्द्र में प्रतिदिन एक कर्मचारी बैठता हैं। आज एक महिला कर्मचारी बैठी थी लेकिन अचानक उसके यहां पर रिश्तेदारी में किसी की गमी हो जाने के कारण वह जल्दी चली गई थीं। उन्होंने बताया कि करीब 10 प्रोजेक्ट पर चर्चा चल रही है। धीरे-धीरे काम आगे बढ़ रहा है।

चार दिवसीय छठ महोत्सव आज नहाय-खाय से शुरू

जबलपुर,देशबन्धु। चार दिवसीय छठ अनुष्ठान आज नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। छठ व्रतियों द्वारा खरना पूजन, कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को किया जाना है। इस दिन खरना का प्रसाद ग्रहण करने का विधान है। कार्तिक छठ पूजा 2025 के अनुष्ठानों में छठ घाटों पर 27 अक्टूबर, को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। 28 अक्टूबरको प्रातः बेला में उदीयमान आदित्य देव को प्रातः कालीन अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

1. आज कद्दू भात के साथ छठ का नहाय-खाय अनुष्ठान

छठ 2025 के चार दिवसीय अनुष्ठान से पहले ही छठ व्रतियों द्वारा महापर्व छठ व्रत का प्रसाद बनाने के लिए गेहूं व अरवा चावल को अच्छे से धोकर व साफ कर घर की आंगन व छतों पर धूप में बैठकर सुखाया जा रहा है। छठ महापर्व 2025 में नियम, निष्ठा, विधि विधान के साथ साथ स्वच्छता व साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

2. 26 को खरना पूजन के साथ छठ व्रतियों द्वारा 36 घंटे का निर्जला उपवास होगा शुरू।

इधर अखिल भारतीय पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित संजय झा ने बताया कि आज नहाय-खाय सह कद्दू भात से छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। खरना पूजन 26 अक्टूबर, दिन रविवार को होगा। 26 अक्टूबर को शाम में छठ पर्व का खरना पूजन होगा। इसके पश्चात छठ व्रतियों द्वारा खीर व रसिया खाने के बाद कार्तिक छठके समापन/पारण होने तक करीब 36 घंटे तक का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा।

गीताधाम में श्रीमद् भागवत आज से

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीहरि नारायण के परम प्रिय कार्तिक मास के अवसर पर श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज के मुखारविंद से आज 31 अक्टूबर तक सायं 3 बजे से सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन गीता धाम गौरी घाट में किया गया है।

भागवत कथा के प्रथम दिवस- दोपहर 2 बजे विशाल शोभायात्रा ग्वारीघाट से नर्मदा मैया का पूजन अर्चन कर गीता धाम के लिए प्रस्थान करेगी। श्रीमद् भागवत महापुराण श्रवण करने का आग्रह ब्रम्हचारी हिमांशु जी,शिव प्रसाद गर्ग, श्याम साहनी, अशोक मनोध्या, गुलशन मखीजा, शरद काबरा, प्रवेश खेड़ा,डा संदीप मिश्रा, राजेन्द्र यादव, जगदीश साहू, लोकराम कोरी, विध्येश भापकर सहित नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त मंडल ने की है।

ग्राम, प्रकृति और अध्यात्म से युक्त हो भारत के विकास का मॉडल : सहसरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल

डॉ. उर्मिला ताई पुण्य स्मृति पर योगमणि ट्रस्ट की व्याख्यान माला आयोजित

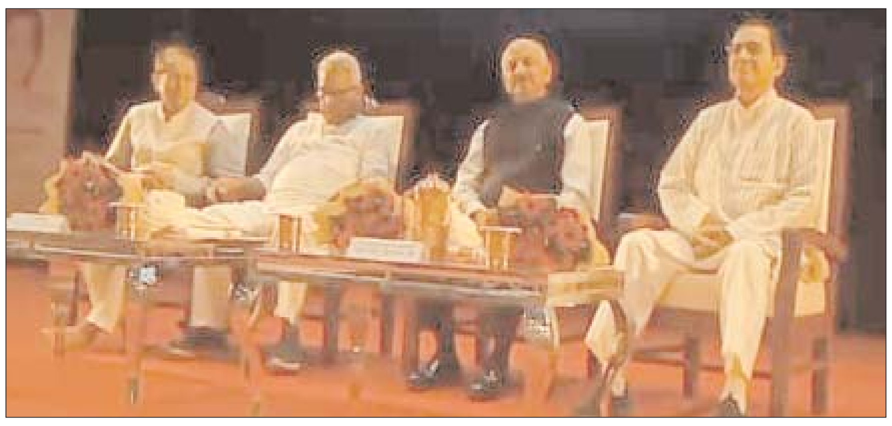

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाहक डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा है कि पूरी दुनिया में जो विकास का मॉडल आज चल रहा है भारत के परिप्रेक्ष्य में वह पूरी तरह यहां लागू नहीं किया जा सकता क्योंकि भारतीय चिंतन में जीव और जगत को देखने का दृष्टिकोण अलग है। भारत ने जो जीवन दृष्टि विकसित की है उसमें समूचे विश्व को कुटुम्ब की तरह देखने की भावना प्रधान है हम अपने साथ सर्वत्र का भला चाहते हैं इसलिए सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव रखते हैं।

उक्त उदगार डॉ. कृष्ण गोपाल ने योगमणि ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्वर्गीय डॉ. उर्मिला ताई जामदार की पुण्य स्मृति व्याख्यान माला में व्यक्त किए। डॉ. कृष्ण गोपाल ने अनेक महापुरुषों और वैदिक ऋचाओं के माध्यम से अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि आज दुनिया भौतिकवाद और उपभोक्तावाद एवं बाजारवाद पर आश्रित हो गई है। आज जब पूरी दुनिया भौतिकता से त्रस्त है तब हमें पर्यावरण,प्रकृति, गांव और मानवता एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए, लाभकारी हो उस विकास का मॉडल अपनाना होगा, ऐसा नहीं होने के कारण आज उत्तराखण्ड, पंजाब,पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया में विनाशकारी दृश्य उपस्थित हो रहे हैं इनसे समय रहते हमें सीख लेना होगा भारत की जन्मकुंडली नहीं बनायी जा सकती क्योंकि हम आदिकाल से चिरंतन बने हुए हैं और अपने जीवन मूल्यों की रक्षा करते हुए चले आ रहे हैं हम धरती को माता या देवी या भगवान का स्वरुप मानते हैं, जो भी भारतीय है उसका चिंतन यह कभी नहीं हो सकता कि केवल मेरा ही भला हो शेष का नहीं यह चिंतन ही अभारतीय है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत केवल आध्यात्मिक उन्नति नहीं सिखाता बल्कि आर्थिक विकास भी सिखाता था लेकिन हम लुटेरे नहीं हैं और किसी को पराधीन करने कभी नहीं निकले। हमारा भारत देश धर्म आधारित है, भारत ईमानदारों का देश है हमारा धरातल आध्यात्मिकता का है। इसके पहले लेफ्टिनेंट जनरल पद्मसिंह शेखावत ने कहा कि हमारी सुसंस्कृत समृद्धि ही हमारी ताकत है। आज इक्कीसवीं सदी का यह भारत अब ऐसे मोड पर खड़ा है जो सशक्त है इसलिए हमें यह ध्यान रखना होगा कि सिर्फ आर्थिक प्रगति ही तरक्की नहीं हो सकती विकास के लिए हम नैतिक मूल्य नहीं भूल सकते। हमें हमारी पुरानी सामाजिक समरसता की जरूरत है, संकट के समय सम्हालने की ताकत और विधि का शासन बनाए रखते हुए विकास योजनाओं पर कार्य करने की जरूरत है। हम मानते हैं कि आगामी पांच साल में हमारी मजबूती और अधिक हो जाएगी और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचेगी।

पिछले वर्ष के आयोजन में मोहन भागवत जी की स्मृतियों से जुड़ी एक पुस्तिका का विमोचन किया गया। मंच पर महाकौशल प्रांत प्रमुख प्रदीप दुबे और योगमणि ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार भी रहे।

शुभारम्भ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। डॉ. जन्मेजय जामदार के स्वागत गीत के बाद डॉ. अनुश्री जामदार ने योगमणि ट्रस्ट की संस्थापिका डॉ. उर्मिला ताई जामदार की जीवन यात्रा का वृतांत पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया। सभागार में प्रमुख रुप से जस्टिस डीएम धर्माधिकारी, जस्टिस केके त्रिवेदी, जस्टिस आरएस झा, महाधिवक्ता प्रशांतसिंह सहित स्वामी गिरीशानंदजी, स्वामी पगलानंदजी, साध्वी ज्ञानेश्वरीदेवी के अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रामधर चक्रधर कोलकाता प्रांत और शिवराम समदरिया सहित अभिनेता नीतिश भारद्वाज और जबलपुर सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सदस्या सुमित्रा बाल्मीकि, विधायकगणों में अभिलाष पांडे, अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, नीरजसिंह ठाकुर, ननिज अध्यक्ष रिकुंज विज, संदीप जैन, रवींद्र पचौरी के अलावा डॉ. पवन स्थापक, डॉ. राजेश बी धीरावाणी आदि गणमान्यजन मौजूद रहे।

मानवीय मूल्यों की रक्षार्थ हुई गुरु तेग बहादुर जी की शहादत

जबलपुर, देशबन्धु। गुरु तेग बहादुर जी की शहादत भारत की धार्मिक आजादी एवं मानवीय मूल्यों को जीवित रखने के लिए हुई। गुरुग्रंथ साहिब में शामिल उनकी गुरुवाणी विश्व कल्याण और मानवता का अनुकरणीय संदेश दे रही है। तदाशय के सारगर्भित और प्रेरणास्पद उद्गार जम्मू से पधारे इतिहासविद ज्ञानी हरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। अवसर था गुरु नानक विद्यालय, मढ़ाताल में सिक्ख सेवक जत्था एवं गुरमत मिशन जबलपुर सर्कल के तत्वाधान में, श्री गुरु तेग बहादर जी के 350 वें शताब्दी शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित मानव अधिकारों एवं धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा में गुरु तेग बहादर जी की भूमिका विषय पर अंतर विद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता का। यहां नगर के विभिन्न विद्यालयों के 32 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान यहां उपस्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण समाजसेवी एवं विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति के महानायक गुरु तेग बहादर जी की अद्वितीय शहादत को याद किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किये गये। आभार प्रदर्शन प्राचार्य श्रीमती ज्योत्सना आचार्य एवं मंच संचालन श्रीमती वंदना तिवारी और जयंत कुमार सेठी ने किया।

इटेलियन पास्ता में लगा राई-जीरा का तड़का

जबलपुर, देशबन्धु। बच्चों के टिफिन में झटपट रेसेपी बनानी हो तो पास्ता बेस्ट ऑप्शन होता है। इवनिंग हंगर को शांत करना हो तो पास्ता सही है। लेट नाइट भूख लगी हो तो लोग झटपट पास्ता बनाना पसंद करते हैं। पास्ता की दीवानगी लोगों में इतनी है कि इंस्टेंट नूडल्स की जगह पास्ता ने ले ली है। लोगों पर पास्ता के स्वाद का जादू इस कदर है कि इटेलियन डिश में राई-जीरा का तड़का लगाकर इसे मोस्ट फेवरिट इंडियन डिश बनाया जा चुका है। फूड लवर्स में पास्ता की लोकप्रियता के कारण ही हर साल 25 अक्टूबर को वर्ल्ड पास्ता दिवस मनाया जाता है।

बेक्ड और फ्राई कर मिल रहा फ्लेवर- अरुणिमा चटर्जी का कहती हैं उनके घर में सभी को पास्ता बहुत पसंद है। इसके लिए वे सिर्फ सूजी पास्ता का उपयोग करती हैं। घर में जब हल्का डिनर का मन हो तो पास्ता ही सबकी डिमांड होती है। इसे कभी बेक या फ्राई करके तैयार करते हैं। वहीं बच्चों और फैमिली के अदर मेंबर्स के टेस्ट के अनुसार इसमें बटर, टमाटर या अन्य कोई फ्लेवर एड कर दिया जाता है।

ऐसे हुई दिवस की शुरुआत- वर्ल्ड पास्ता-डे की शुरुआत 25 अक्टूबर 1998 को वर्ल्ड पास्ता कांग्रेस के दौरान हुई। यह कांग्रेस इटली के रोम शहर में हुई थी, जहां दुनिया भर के पास्ता विशेषज्ञ, शेफ और पोषण विशेषज्ञ एक साथ आए थे। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पास्ता के स्वाद और अलग-अलग फ्लेवर से रूबरू करवाना था। इसके बाद से हर वर्ष यह दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है।

सब्जियों का उपयोग बना रहा हेल्दी

न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि पास्ता में पत्ता गोभी, मशरूम, मटर, आलू, प्याज और भारतीय मसालों का उपयोग इसे हेल्दी प्लेट बना रहा है। इसलिए सिटी मॉम्स भी बच्चों के टिफिन में इसे पैक करने में कोई परहेज नहीं करती हैं।

इनका कहना है

– पास्ता अब लोगों को अपनी स्टाइल में बनाना पसंद है। टेस्ट के मुताबिक लोग अब देसी मसालों का उपयोग कर रहे हैं। इटेलियन पास्ता में अब देसी घी और राई-जीरा का स्वाद भी मिल रहा है।

दीपिका गुप्ता
कुकिंग एक्सपर्ट

दैनिक राशिफल

शनिवार 25 अक्टूबर 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, नक्षत्र- अश्लेषा।

मेष - आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक रहेगा। लंबे समय का आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे। व्यवसायिक योजनाएं बना सकेंगे।

वृषभ - परिश्रम की अपेक्षा कम परिणाम मिलने पर भी आप निष्ठापूर्वक काम को आगे बढ़ाएंगे। आपके क्षेत्र की विशालता और वाणी की मधुरता अन्य लोगों को प्रभावित करेगी।

मिथुन - महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करेंगे। घर में माता और स्त्री वर्ग के लिए आप अधिक भावनाशील बन जाएंगे। अत्यधिक विचारों में डूबे रहने के कारण तनाव महसूस कर सकते हैं।

कर्क - आज का दिन नए काम की शुरुआत या सफलता के लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्वजनों से मिलकर आप खुशी अनुभव करेंगे। किसी यात्रा की संभावना है।

सिंह - परिवार के सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। महिला मित्रों की विशेष मदद मिलेगी। अपनी प्रभावकारी वाणी से अन्य लोगों का ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

कन्या - अपने समृद्ध विचार और बोली से आज आपको लाभ होगा। किसी के साथ नए संबंध में जुड़ सकते हैं। आज का दिन व्यापार की दृष्टि से लाभदायक रहने की संभावना है।

तुला - आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें। वाणी की शिथिलता के कारण उग्र तकरार हो सकती है।

वृश्चिक - घर-परिवार के साथ आपको आनंद और संतोष की अनुभूति होगी। पत्नी और पुत्र की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग ले सकेंगे।

धनु - काम में सफलता का दिन है। नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। व्यापारी अपने बिजनेस का आयोजन और विस्तार अच्छी तरह कर सकेंगे।

मकर - आप अपने व्यापार के लिए नई शैली से काम करेंगे। लेखन और साहित्य संबंधी काम को आगे बढ़ा सकते हैं। शारीरिक थकावट और भय की अनुभूति होगी।

कुंभ - आपके मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। आपके मन में क्रोध और दुःख की भावना हो सकती है। स्वास्थ्य खराब रह सकता है। दुर्घटना न हो, इसका भी ध्यान रखें।

मीन - भाग्य का साथ होने के आज का दिन अच्छी तरह व्यतीत होगा। बिजनेस में भागीदारी करनी हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ निकटता का अनुभव होगा।

पौधरोपण कर लिया संरक्षण का संकल्प

जबलपुर, देशबन्धु। गांधी लाइब्रेरी परिसर में पौधरोपण किया गया। इस दौरान सभी ने प्रकृति को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर डॉ. अजय गुप्ता, कदम संस्था से योगेश गनोरे, डॉ. सुधीर तिवारी, रामजी अग्रवाल, विवेक गुप्ता, आरएन मिश्रा, यशोधरा, मेघा जैन, राजेश रजक, दीपक जैन, प्रदीप पटेल, पर्व पटेल, भुवनेश्वरी, हर्ष रजक मौजूद थे।

सारे शहर में आपसा कोई नहीं...

जबलपुर, देशबन्धु। सारे शहर में आपसा कोई नहीं...की गाने की शुरुआत कर मीनल गोखले और शांताराम वानखेड़े ने संगीत संध्या की शुरुआत की। शहीद स्मारक में संगीत संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अमरजीत ने हम तेरे शहर से आए हैं मुसाफिर की तरह..., शिप्रा मंडल और महेश विनोदिया ने कह दूं तुम्हें या चुप रहूं..., गीत गाया। इसके साथ ही लीनादास, गीता सोनी, पूर्वी मुखर्जी, परीक्षा राजपूत, प्रकाश बेहरा, सुनील परदेशी, मोहन ताम्रकार, प्रमोद सुकरित, महेश कुमार ने गीत गाए। आयोजन में समाजसेवी बाबू विश्वमोहन, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से जादूगर एसके निगम, डॉ. राजेश धीरावाणी, प्रेम दुबे, गोलू बेन, बबलू मैथ्यूज, राजेश दुबे मौजूद थे।

डॉ.सुमित्र स्मृति समारोह आज

जबलपुर,देशबन्धु। पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा आज अपरान्ह 3.30 बजे से कला वीथिका में डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आयोजित है, जिसमें प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव को डॉ.सुमित्र स्मृति सृजन सम्मान एवं प्रतिष्ठित कवयित्री, कथाकार प्रतिमा अखिलेश को डॉ. सुमित्र काव्य सम्मान से अलंकृत किया जायेगा, अकादमी के महासचिव राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में क्रियाशील संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त विष्णु राजोरिया भोपाल होंगे, अध्यक्षता महाकवि आचार्य भगवत दुबे करेंगे, डॉ. अभिलाष पांडे विधायक, प्रभात साहू पूर्व महापौर, आशीष शुक्ला वरिष्ठ पत्रकार ,अशोक मनोध्याय समाजसेवी विशिष्ट अतिथि होंगे।

घटेरा चंडी मेले में दिखे लोक संस्कृति के विभिन्न रंग

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर स्थित ग्राम घटेरा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की तृतीय में चंडी मेले का आयोजन सम्पन्न हुआ।जहां एक ओर बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार झूले तो वहीं दूसरी ओर लोक कलाकारों के द्वारा निर्मित मिट्टी की मूर्तियां,मिठाई , एवं विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ देखने को मिला। लोक गन्धर्भ भारत यादव एवं साथियों के द्वारा अहीर नृत्य की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संरक्षक पं. लखनलाल मिश्रा एवं जगदीश मिश्रा ने बताया कि यह चंडी मेला विगत 40 वर्षों से प्रतिवर्ष लगता आ रहा है जिससे लोक संस्कृति को जीवंत रखने के लिए इस मेले का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। जिससे यह लोग संस्कृति की परंपरा युवा पीढ़ी तक जीवंत रहे। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा लोक कला को जीवंत रखने वाले कलाकारों का भी सम्मान किया गया जिससे लोग संस्कृति का संरक्षण किया जा सके आयोजन को सफल बनाने में लवकेश मिश्रा ,राकेश मिश्रा ,राजेश मिश्रा एड.कपिल मिश्रा ,डॉ.अजय मिश्रा एजी.अंकुर मिश्रा , , शौर्य मिश्रा के साथ गांव एवं क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खमरिया में मनाया गया सेवा शर्त उल्लंघन दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। खमरिया ने सेवा शर्त उल्लंघन दिवस संपूर्ण आयुध निर्माणियों में के साथ साथ आयुध निर्माणी खमरिया में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने मुख्य महाप्रबंधक श्री शैलेश वगैरवाल महोदय के माध्यम से माननीय रक्षा मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ओएफबी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति तक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी घोषित करने की अधिसूचना जारी करने, रोकी गई पदोन्नतियाँ पुनः बहाल करने, कैडर रिव्यू व एसआरओ में संशोधन करने, लंबित नियुक्तियाँ व से पदोन्नतियाँ शीघ्र करने, सभी कैडरों के लिए समय पर आयोजित करने, सेवा-सत्यापन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने तथा परीक्षा तिथि शीघ्र घोषित करने की माँग की गई। इस अवसर पर संघ की ओर से अजय यादव, सतेन्द्र सिंह, डी.सी. पांडे,अजय चौहान अशोक पटेल कंवरपाल एवं अभिजीत शर्मा उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री सुरेंद्र कुमार तिवारी- वृंदावन स्टेट सुहागी अधारताल निवासी श्री सुरेंद्र कुमार तिवारी (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय दुबे- माढ़ोताल रोड ग्रीन सिटी टावर नं. 9 निवासी श्री विजय दुबे (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती पुष्पा जोशी- ड्युपलेक्स नं. 13, गीत विहार कॉलोनी नर्मदा रोड बिग बाजार के पास निवासी श्री कमलाकर जोशी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा जोशी (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश लाल यादव- उड़िया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री महेश लाल यादव (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सीताराम यादव- दुर्गा नगर भटौली गौरीघाट निवासी श्री सीताराम यादव (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नारायण प्रसाद अहिरवार- सिद्धबाबा वार्ड पानी की टंकी के पास निवासी श्री नारायण प्रसाद अहिरवार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गरीब दास चौधरी- बाबा टोला टेढ़ी नीम के पास निवासी श्री किन्ना चौधरी के पुत्र श्री गरीब दास चौधरी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक कुमार यादव- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री अशोक कुमार यादव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश पटेल- मांडवा बस्ती छापर रामपुर निवासी श्री सुरेश पटेल (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजय चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री जगन्नाथ चौधरी के पुत्र श्री संजय चौधरी (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कल्पना बेन पारिख- दत्त टावर नेपियर टाउन निवासी श्री परिमल पारिख की धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना बेन पारिख (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती बबीता चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री संजय चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती बबीता चौधरी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेश कुमार चंदेल- पचपेढ़ी रोड निवासी श्री राजेश कुमार चंदेल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

किराएदार ने किये थे मकान मालकिन के जेवरात पर हाथ साफ

आरोपी को छग के कोंडा से किया गया गिरफ्तार, 41 लाख के जेवर जब्त

जबलपुर, देशबन्धु। गोरखपुर थाना अंतर्गत इंद्रा हाई स्कूल की डायरेक्टर के घर से लाखों के जेवर किरायेदार युवक ने ही चुराए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और छग के कुंडा से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी द्वारा अपनी नानी के घर छिपाकर रखे गए चुराए हुए 41 लाख रुपये के जेवर भी बरामद कर लिए हैं।

एएसपी पल्लवी शुक्ला ने पुलिस कन्ट्रोल रूम में बताया कि 77 वर्षीय लक्ष्मी शर्मा इंद्रा हाई स्कूल की डायरेक्टर हैं, जिनके घर पर ही उनका ऑफिस है। विगत 19 अक्टूबर की रात्रि वह अपने घर में सो रही थीं, उसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने उनके घर में घुसकर सोने-चांदी के कीमती जेवर पार कर दिए। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया।

पहले किराए से रहता था आरोपी-

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें आरोपी की पहचान निखिल सेठ के रूप में हुई, जो ग्राम कोंडा जिला कोंडा छत्तीसगढ़ का रहने वाला था, जो कि पीड़िता लक्ष्मी शर्मा के यहां पूर्व में किराए से रहता था एवं 3 माह पूर्व मकान खाली करके खालसा कॉलेज के पास किराए से रहने लगा था, जिसके बाद पुलिस ने निखिल सेठ की तलाश की। पता चला कि वह अपने मूल निवास कोटवारा पारा सोना गांव जिला कोंडा छत्तीसगढ़ में है, जिसके बाद पुलिस टीम रवाना की गई। पुलिस ने कोंडा पुलिस की सहायता से आरोपी को धर दबोचा।

ये जेवर हुए बरामद-

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चुराए हुए जेवर अपनी नानी के घर ग्राम केमला में छिपाकर रखना बताया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर केमला में दबिश देकर चुराए हुए जेवर, जिसमें सोने की 4 चूड़ियां, 4 कंगन, 4 हार, 2 जोड़ झुमकी, 6 अंगूठी, 2 जोड़ी कान के झुमके, 1 जोड़ कनछड़ी, 3 सिक्के, 2 बेंदी, 5 लौंग, 4 जोड़ी टॉप्स, कुल वजनी 30 तोला तथा चांदी की 1 करधन, 6 पायल, 1 गुच्छा, 8 बिछिया, 2 कड़े, 1 हाय चंद्रमा, 2 पैर के कड़े, 1 अंगूठी, 25 सिक्के, कुल वजनी 715 ग्राम तथा नगद 61 हजार रुपये जब्त करते हुए आरोपी को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल निरुद्ध कराया गया।

एसपी ने जनरल परेड का किया निरीक्षण

जबलपुर,देशबन्धु। पुलिस लाईन ग्राउंड में शुक्रवार को एसपी सम्पत उपाध्याय ने जनरल परेड का निरीक्षण किया। एसपी सम्पत उपाध्याय के परेड ग्राउंड पहुंचने पर रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य द्वारा सलामी दी गयी, तत्पश्चात परेड प्रारम्भ हुई। जनरल परेड के बाद एसपी द्वारा परेड पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का निरीक्षण करते हुये अच्छे टर्नाउट वाले कर्मचारियों को पुरूस्कृत किया गया।

तत्पश्चात आपके द्वारा प्लाटूनों द्वारा की गयी अलग-अलग ड्रिल एवं यातायात प्लाटून द्वारा की गयी। मैनुअल यातायात संकेत ड्रिल को देखा गया। परेड पश्चात एसपी पुलिस लाईन कार्यालय पहुंचे। जहॉ क्वाटरगार्ड में क्वाटर गार्ड कमांडर सूबेदार अश्वनी पटेल एवं कर्मचारियों द्वारा सलामी दी गयी। जनरल परेड पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा सहित जिले में पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी सहित थानों से लगे 112 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बीच सड़क युवक से मारपीट करने वाले आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा क्षेत्र में बुधवार देर रात हुई मारपीट की घटना ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी। बेसबॉल लिए बदमाशों ने एक युवक की बीच सड़क पर बेरहमी से पिटाई कर दी थी। युवक को बचाने की कोशिश करने वाले कपड़ा व्यापारी के साथ भी मारपीट की गई थी। अब पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकाला है।

जानकारी के अनुसार, आनंद कुंज के पास बाइक सवार बदमाश एक युवक का पीछा करते हुए पहुंचे। जान बचाने के लिए युवक पास की कपड़ों की दुकान में घुस गया, लेकिन आरोपी वहां भी पहुंच गए। उन्होंने बेसबॉल से युवक पर हमला किया और व्यापारी के बीचबचाव करने पर उसे भी पीट दिया। दुकान में तोड़फोड़ करते हुए कांच की बोतलें फोड़ दीं और युवक को घसीटकर बाहर निकालकर सरेआम पिटाई की। शोरूम संचालक सुधीर नायक ने बताया कि वह दुकान बंद कर रहे थे, तभी युवक अंदर आया और उसके पीछे कुछ लोग भी घुस गए, जिन्होंने बिना कुछ कहे उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद घायल युवक को राहगीरों की मदद से मेडिकल अस्पताल भेजा गया। व्यापारी ने बताया कि उन्होंने तुरंत गढ़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन प्रारंभ में पुलिस ने सिर्फ आवेदन लेकर लौटा दिया। देर रात स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद एफआईआर दर्ज की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विकास सिंह पिता विजय सिंह ठाकुर 27 वर्ष निवासी धनवंतरी नगर, अभय सिंह पिता प्रेम सिंह ठाकुर वर्ष 24 निवासी संजीवनी नगर और हर्ष चक्रवर्ती पिता अनिल चक्रवर्ती 21 वर्ष निवासी संजीवनी नगर शामिल हैं।

70 लीटर कच्ची शराब और अपराध में प्रयुक्त बाइक जब्त

जबलपुर, देशबन्धु। पनागर की पुलिस टीम ने 1 आरोपी को 70 लीटर कच्ची शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ा है। थाना प्रभारी पनागर विपिन ताम्रकार ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति काले रंग की हीरो स्प्लेंडर बाइक में अवैध रूप से शराब परिवहन कर ग्राम छितरी के जंगल की ओर लेकर जा रहा है।

पुलिस द्वारा दबिश देने पर मुखबिर के बताए हुलिए का व्यक्ति हीरो स्प्लेण्डर क्रमांक एमपी 20 जेडक्यू 7224 में आते हुए दिखा। बाइक में दोनों तरफ रस्सी से बोरी बंधी हुई थी, पुलिस को देखकर बाइक चालक ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी ने पूछताछ पर अपना नाम राखी लाल उर्फ लल्लू केवट उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम बिसेंधी बताया बाइक में बंधी दोनों बोरियों को चैक करने पर 1 केन में 55 लीटर एवं 1 कुप्पे में 15 लीटर कच्ची शराब रखी मिली, आरोपी के कब्जे से कुल 70 लीटर कच्ची शराब एवं बाइक जब्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी को अवैध शराब का परिवहन करते हुए रंगे हाथ पकड़ने में सहायक उपनिरीक्षक विनोद पटेल, प्रधान आरक्षक नीलकंठ, आरक्षक हरवंश प्रताप सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

फड़ पर पुलिस की रेड, आठ जुआरी पकड़ाए

गढ़ा पुलिस की कार्रवाई, 91 सौ की नगदी जब्त

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा पुलिस ने सर्वेन्ट क्वार्टर के समीप दबिश देकर 8 जुआरियों को ताश पत्तों पर दांव लगाते हुए रंगे हाथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताश के 52 पत्ते व 99 हजार 130 रुपये की नगदी बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सर्वेन्ट क्वार्टर रोड में दबिश दी गई, जहां से राकेश जैन निवासी जैन मंदिर के पास पुरवा, मुकेश बर्मन, कृष्ण बर्मन, कुलदीप बर्मन, निहाल बर्मन, उमेश बर्मन, अंकित बर्मन, महेन्द्र बर्मन सभी निवासी झंडा चौक पुरवा को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताश के 52 पत्ते व 9 हजार 130 रुपये की नगदी जब्त की है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की।

दुर्लभ प्रजाति के पैंगोलिन की दुर्घटना में मौत

जबलपुर,देशबन्धु। वन परिक्षेत्र पनागर अंर्तगत एक दुर्लभ प्रजाति के भारतीय पैंगोलिन की एक्सीडेंट में हुई मौत के बाद वन विभाग का अमला वाहन चालक की तलाश में जुटा हुआ है। घटना 23 अक्टूबर को कुशनेर तिराहे के पास की बताई जा रही है।

इस मामले में वन परिक्षेत्र पनागर का स्टाफ मौके पर पहुंचा और मृत पैंगोलिन के शव को विभागीय अभिरक्षा में लिया लेते हुए पशु चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया गया। चिकित्सकों परीक्षण के बाद इस बात की पुष्टि हुई कि मृत्यु वाहन टक्कर से हुई है। पोस्टमार्टम के उपरांत शव का अंतिम संस्कार पनागर उपभोक्ता डिपो परिसर में वन विभाग के अधिकारियों, राजस्व प्रतिनिधियों और स्थानीय गवाहों की उपस्थिति में किया गया। वन विभाग ने घटना को गंभीर मानते हुए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 50 एवं 51 के अंतर्गत अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उपचार के दौरान युवक की मौत

परिजनों ने लगाये हत्या का आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। मेडिकल कॉलेज में भर्ती युवक की उपचार के दौरान मौत हो गयी। परिजनों ने आरोप है कि युवक के साथ कथित लोगों के द्वारा मारपीट की गयी थी। जिसके कारण युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

सीएसपी बरगी अंशुल अयंक मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार भेडाघाट थानान्तर्गत वार्ड नम्बर 3 निवासी सत्यम ठाकुर उम्र 22 साल बुधवार की रात चोटिल हालत में घर आने के बाद सो गया था। युवक देर सुबह तक नहीं उठा तो परिजनों जाकर देखा तो वह बेहोश था। जिसे उपचार के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। जिसकी शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गयी। परिजनों को आरोप है कि युवक के साथ कथित लोगों के द्वारा मारपीट की गयी है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद षव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था । पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया है। पुलिस परिजनों के आरोपों की जांच कर रही है और कुछ व्यक्तियों को पूछताछ के लिए अभिरक्षा में लिया है।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने हेतु 15 दिवसीय हेलमेट जागरूकता अभियान

शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर बाँटे गये पेम्पलेट

जबलपुर, देशबन्धु। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु और मृत्यु दर में कमी लाए जाने हेतु पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर विभिन्न थाना क्षेत्रांतर्गत प्रमुख चौक, चौराहों, स्कूलों, व्यवसायिक संस्थाओं में पहुंचकर हेलमेट जागरूकता अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया गया। सबसे पहले यातायात पुलिस टीम द्वारा तीन पत्ती चौक पहुंचकर वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक किया गया एवं यातायात नियमों एवं संकेतों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई। यातायात घमापुर एवं उनकी टीम द्वारा मालगोदाम चौक पहुंचकर दोपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने का महत्व एवं हेलमेट न लगाने के नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान यातायात संबंधी स्लोगन लिखे पम्पलेट वितरित किए गए। इसके बाद डीबी क्लब स्कूल पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टाफ को हेलमेट की अनिवार्यता के बारे में बताया गया। साथ ही, यह जानकारी अपने परिजनों, मित्रों को भी बताने हेतु कहा गया।

थाना प्रभारी यातायात गढ़ा और उनकी टीम द्वारा महर्षि विद्या मंदिर स्कूल शास्त्री नगर तिलवारा पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टाफ को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण करने हेतु जागरूक करते हुए पम्पलेट वितरित किया गया। बाद में विशाल मेगामार्ट तिलवारा पहुंचकर समस्त स्टाफ एवं ग्राहकों को हेलमेट पहनने के फायदे बताते हुए जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे वाहन चालक जो हेलमेट साथ में रखते हैं, किंतु उसे धारण नहीं करते हैं, उन्हें हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित किया गया तथा मौके पर ही हेलमेट पहनाए गए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम किया जा सके। सड़क दुर्घटनाओं में हुई दोपहिया वाहन चालकों की मृत्यु के आंकड़ों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई।

बैंक लॉकरों की चाबी व रजिस्ट्री चुरा ले गए चोर

विजय नगर के सूने मकान में ताला तोड़कर वारदात

जबलपुर, देशबन्धु। विजय नगर थाना क्षेत्रांतर्गत विक्रमादित्य कॉलेज के समीप स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर मकान की रजिस्ट्री, कैनरा व कोटर महिन्द्रा बैंक के लॉकर की चाबी चुरा ले गए। जिस वक्त वारदात हुई, उस वक्त पीड़ित परिवार पूना गया हुआ था। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस को गोहलपुर त्रिमूर्ति नगर निवासी 60 वर्षीय उमेश तिवारी ने बताया कि उसके भाई 1 अक्टूबर को अपने विजय नगर स्थित मकान में ताला लगाकर पूना गए हुए हैं, जिन्होंने 23 अक्टूबर को मकान में चोरी होने की जानकारी दी।

जाकर देखने पर पता चला कि उक्त मकान में रखी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 जेडक्यू 1492 एवं कमरे का ताला तोड़कर मकान की रजिस्ट्री, कैनरा बैंक तथा कोटक महिन्द्रा बैक की लॉकर की चाबी एवं अन्य सामान चुरा ले गए हैं। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सरपंच पति पर फायरिंग करने वाले संदेही पुलिस के राडार पर

भेड़ाघाट बिलखरवा ढाबा के समीप वारदात को दिया था अंजाम

जबलपुर, देशबन्धु। भेड़ाघाट के बिलखरवा में सरपंच पति पर गोली दागने वाले आरोपियों की पुलिस सरगर्मी से पतासाजी कर रही है। दरअसल, ढाबा से खाना खाकर निकलते ही सरपंच पति दुर्गेश लोधी पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की थी, जिससे एक गोली उनकी कमर के ऊपर पीठ से धंसी और पेट को चीरते हुए निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें चार संदेही पुलिस की राडार पर हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। हालांकि गोलीकांड में घायल हुए सरपंच पति की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

भेड़ाघाट थाना प्रभारी कमलेश चौरिया ने बताया कि गुरुवार रात मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली थी कि ग्राम घुंसौर निवासी 36 वर्षीय दुर्गेश लोधी को गोली लगने से अस्पताल में भर्ती किया गया है। दुर्गेश ने पुलिस को बताया कि खजरी खिरिया दादा की बगिया मैरिज गार्डन के पीछे गोहलपुर में उसका मकान में परिवार सहित रहता है।

उसकी पत्नी रानू पटेल ग्राम घुंसौर की सरपंच है। गुरुवार की दोपहर लगभग 1 बजे कार से आकाश ढाबे जाने के लिए कटंगी बायपास होते हुए बिलखरवा भेड़ाघाट के ढाबे पर शाम लगभग 4.30 बजे पहुंचा था। उसने वहीं खाना खाया और लगभग 8 बजे ढाबा से मोबाइल पर बात कर पैदल जा रहा था। उसी समय अचानक दो लड़के उसके बाजू में आए। उनमें से एक लड़के ने उसे जान से मारने की नीयत से रिवॉल्वर से फायर किया। गोली उसे दाएं तरफ कमर के ऊपर पीठ में लगकर सामने से पेट से निकल गई। उसने तुरंत कमर में गमछा बांधा और अपने जीजा सहजपुर निवासी रोहित पटेल के साथ कार से इलाज के लिए मेडिकल आ गया। पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद आसपास के सीसीटीवी के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सीसीटीवी में चार संदिग्ध नजर आ रहे हैं। पुलिस को अंदेशा है कि वारदात के पहले रैकी की गई है। रैकी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है।

पुलिस ने इशारा किया है कि यह वारदात शराब को लेकर की गई है। ऐसा समझा जा रहा है कि क्षेत्र में अवैध रूप से बिकने वाली शराब का विरोध सामने आया है। फिलहाल, पुलिस अभी किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। वहीं चर्चा है कि वारदात के बाद से ही क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने वाले गायब हो गए हैं।

दुष्कर्म के अपराध में पुलिस नहीं कर रही आरोपी को गिरफ्तार

हाईकोर्ट ने मांगा पुलिस अधीक्षक से हलफनामा

जबलपुर, देशबन्धु। पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार नहीं किए जाने के खिलाफ सिवनी निवासी अनुसूचित जाति महिला पीड़िता द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक के नोटिस जारी करते हुए हलफनामा प्रस्तुत करने के आदेश जारी किए है। याचिका पर अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

पीड़िता की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उसने आरोपी श्रीराम चंद्रवंशी निवासी छपारा के खिलाफ 27 मार्च 2024 को दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए केवलारी थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 आईपीसी और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। आरोपी ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में आवेदन किया था। हाईकोर्ट ने 6 फरवरी 2025 को उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। याचिका में कहा गया था कि पीड़िता

ने 18 फरवरी 2025 को सिवनी एसपी को ज्ञापन देकर गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके कारण उक्त याचिका दायर की गई है। एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए सिवनी एसपी से हलफनामा में स्पष्टीकरण मांगा है। पीड़िता की तरफ से अधिवक्ता हितेंद्र गोल्हानी ने पैरवी की।

आवेदक के दावे पर लें उचित निर्णय

हाईकोर्ट से रिटायर्ड कर्मी को राहत

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट के जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने सेवानिवृत्त कर्मी से वसूली गई राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 30 दिन के भीतर लौटाने का राहतकारी आदेश पारित किया है। एकलपीठ ने कहा है कि आवेदक के अभ्यावेदन पर अनावेदक उचित निर्णय लें।

याचिकाकर्ता बालाघाट निवासी राकेश जुझार की ओर से अधिवक्ता प्रवीण कुमार सेन ने पक्ष रखा, जिन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता सहायक विकास विस्तार अधिकारी के पद पर कार्यरत था। 30 जून 2022 को सेवानिवृत्त हो गया, जिसके बाद याचिकाकर्ता के सेवानिवृत्ति देय राशि से कुछ वसूली की गई है, जो कि रफीक मसीह सहित अन्य न्यायदृष्टांतों के प्रकाश में अनुचित है।

याचिकाकर्ता एक नया अभ्यावेदन देने को तैयार है और ऐसी स्थिति में शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अभ्यावेदन पर विधि के अनुसार विचार किया जाएगा। हाईकोर्ट ने उक्त तर्क सुनने के बाद याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि यदि याचिकाकर्ता आज से 15 दिनों की अवधि के भीतर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट के समक्ष नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है तो उस पर गंभीरता से विचार किया जाए।

चलती ट्रेन में चढ़ते हुए फिसला यात्री ट्रेन-प्लेटफॉर्म के बीच आकर घायल

मंडला, नैनपुर, देशबन्धु। नैनपुर रेलवे स्टेशन में एक हादसा उस वक्त टल गया, जब एक चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास कर रहे यात्री का पैर फिसल गया और वह चलती ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच आ गया। लेकिन स्टेशन पर कमर्शियल इंस्पेक्टर की तत्काल निर्णय व उसकी सतर्कता से यात्री का जान बचा ली। घटना शुक्रवार सुबह 8 बजे के लगभग जबलपुर रायपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस की बताई गई है।

रायपुर जा रहे थे घायल यात्री देवेंद्र- मिली जानकारी के अनुसार, लखनादौन निवासी देवेंद्र डहरिया रायपुर जाने के लिए, जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़ने स्टेशन पहुंचे थे। उसी दौरान ट्रेन चलने लगी। जल्दबाजी में कोच में चढ़ने की कोशिश के दौरान उनका पैर फिसल गया और वे ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिर पड़े। बता दें कि देवेंद्र मंडला न्यायालय में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं।

कॉमर्शियल इंस्पेक्टर ने दिखाया साहस

प्लेटफॉर्म पर कॉमर्शियल इंस्पेक्टर किशोर समुन्द्रे ने जब उक्त घटना देखा तो तुरंत यात्री को बचाने दौड़ पड़े। प्लेटफार्म से गिरते यात्री देवेंद्र को पकड़ लिया। इस दौरान वे खुद भी प्लेटफॉर्म पर कुछ दूर तक घिसट गए, लेकिन अन्य यात्रियों की मदद से देवेंद्र को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ट्रेन के पायलट ने भी तत्काल ट्रेन रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गिरने से देवेंद्र डहरिया के पैरों में गंभीर चोटें आई। उन्हें तुरंत नैनपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया।

छेड़छाड़ मामले में फरार भाजपा नेता की गिरफ्तारी की मांग

सौसर, देशबन्धु। सौसर नगर के भाजपा नेता एवं पूर्व नगर भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ घर में घुसकर एक प्रतिष्ठित परिवार की महिला से छेड़छाड़ करने पर मामला कायम हुए 13 दिन हो गए हैं। आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है, जबकि एक बार न्यायालय से अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग करते हुए विविध संगठन ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। इधर, पुलिस एक ही बात दोहरा रही है कि हम जगह-जगह छापेमारी कर रहे हैं।

पीड़ित महिला द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज करते ही भाजपा नेता मारुति लोणारे 56 वर्ष नगर से फरार हो गया था, जिस पर भारतीय न्याय संहिता 2023 में धारा 74, 75(2), 331(4) के तहत मामला कायम हुआ है। ऐसी हरकतें ये पहली बार नहीं हैं, बल्कि ये हरकतें आरोपी द्वारा कई बार कर चुका है एवं अखबारों की सुर्खियों में रहा है। रसूखदार एवं सेटिंगबाज होने के कारण पुलिस प्रशासन कुछ नहीं करता रहा है, जिसके कारण इसके हौसले दिन-ब-दिन बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण में भाजपा नेता द्वारा कई लोगों को प्रताड़ित किए जाने के मामले उजागर हो रहे हैं। पीड़ित लोग अब मुखर होकर इस नेता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सपने वाली ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामशिला सूर्यवंशी का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी में हो रही देरी से साफ है कि भाजपा के शासन में महिला सुरक्षित नहीं है। चर्चा है कि आरोपी को पकड़ने में पुलिस दिखावे की छापामार कार्रवाई कर रही है। इधर टीआई रूपलाल उइके का कहना है कि आरोपी को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। इसी कड़ी में गुरुवार को आरोपी के मुनीम को पकड़कर उसे पूछताछ की गई है।

नकली पिस्टल दिखाकर अड़ीबाजी करने वाले आरोपी हुए गिरफ्तार

● सिविल लाइन थाना पुलिस की कार्रवाई

सतना, देशबन्धु। नकली पिस्टल के दम पर अड़ीबाजी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को सिविल लाइन थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाही के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश कर दिया। यह कार्रवाही थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परिहार के नेतृत्व में की गई है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली कि संगठित होकर अड़ीबाजी करने वाले आरोपी राहुल उर्फ दुल्ली एवं पिंटू सिंह उर्फ अनिल दोनों बगहा बायपास के पास खड़े हैं। खबर पाते ही पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी पुलिस को नकली पिस्टल दिखाकर डराने लगे और गिरफ्तारी से बचने की कोशिश की। पुलिस ने यह देख घेरा बड़ा करते हुए दोनों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी राहुल उर्फ दुल्ली पिता स्व. प्रहलाद सिंह (30) निवासी बगहा, पिंटू सिंह उर्फ अनिल पिता गुरुशरण सिंह (41)निवासी पौराणिक टोला के कब्जे से प्लास्टिक की नकली पिस्टल, एक खटकेदार चाकू, एक टाटा पंच कार जब्त की गई है। इस कार्रवाही में सायबर सेल से एसआई अजीत सिंह, एएसआई रामगोपाल ठकुरिया, प्रधान आरक्षक विवेक दुबे, विकास सिंह, प्रवीण तिवारी, अविनय शर्मा, रवि पांडेय, शरद मिश्रा, आरक्षक अंकेश मरमट, कृष्णरंजन सिंह, ज्योति सिंह, प्रीती शुक्ला की अहम भूमिका रही।

सार-समाचार

दूध डेयरियों की भरमार, अनचाहे दामों पर बेच रहे, प्रशासनिक व्यवस्था नहीं

गोटेगांव, देशबन्धु। नगर में इन दिनों दूध डेयरियों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिससे कुछ डेयरी संचालकों द्वारा 60 रुपए लीटर की दर से भी दूध बेचा जा रहा है। इसके बावजूद भी जनता से अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग भी दूध डेयरियों के प्रोपराइटरों द्वारा किया जा रहा है। जब एक व्यक्ति ने दूध डेयरी संचालक से कहा कि इतने रेट दूध के बढ़ गए तो उन्होंने कहा कि 60 रुपया लीटर वाला दूध है, लेना हो तो ठीक, नहीं तो जाइए। अब ये बताइए कि गुणवत्तायुक्त दूध हो भी तो सही, लेकिन गोटेगांव जैसे छोटी सी तहसील स्थान पर 60 रुपया लीटर दूध विक्रय होना कहीं न कहीं प्रशासनिक कमजोरी दर्शाता है, जबकि नगर गोटेगांव कोई बड़ा भारी शहर या संभाग नहीं है, जहां पर इतने ज्यादा महंगे भाव से दूध विक्रय हो। इसमें संबंधित विभाग की भी पोल खुलती नजर आ रही है। आखिर नगर में बढ़ती इन दूध डेयरियों की जांच क्यों नहीं होती। क्या अधिकारियों की मिलीभगत से जनता लूटने पर आमादा है।

दूध की गुणवत्ता पर नगर के नागरिकों द्वारा सवाल उठने लगे हैं। नगर की तमाम दूध डेयरियां शहर में जनचर्चा का विषय भी बनती जा रही हैं। नवागत कलेक्टर से भी जनता ने मांग की है कि इन दूध डेयरियों पर बिकने वाले दूध की गुणवत्ता की जांच हो। जनता का कहना है कि भारी तादाद में डेयरियां खुलना और इतना अधिक दूध आना कि जबलपुर से गाड़ियां आकर दूध ले जाती हैं, कहीं न कहीं प्रश्न चिन्ह लगाता है। साथ ही, दाम शासन द्वारा तय किए जाएं। ऐसी जनता ने शासन से अपेक्षा की है। खाद्य विभाग कोई कार्यवाही नहीं करता। लगता है सब सेटिंग का खेल चल रहा है। शासन ध्यान देकर नगर में बढ़ रहीं डेयरियों की जांच कराए।

ब्रह्मकुमारी शहपुरा में दीपोत्सव कार्यक्रम

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (विश्व कल्याणी भवन) शहपुरा में दीपावली के पावन पर्व पर शुक्रवार को दीपोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें जबलपुर से पधारीं राजयोगिनी तपस्विनी ब्रह्मकुमारी भावना बहिन संचालिका शिव स्मृति भवन जबलपुर द्वारा अपने वचनों से सभी सभा में उपस्थित भाई बहिनों को दीपावली के आध्यात्मिक रहस्यों के माध्यम से ज्ञान दिया, जिसके बाद कार्यक्रम में भावना बहिन व बीके वर्षा दीदी ने दीप प्रज्वलन किया, जिसमें बहिन मोनिका सिंह उपाध्यक्ष नगर परिषद शहपुरा, बहिन कविता सिंह, भ्राता राजेश जबलपुर, भ्राता राजेंद्र जैन पत्रकार बंधु, भ्राता आशीष सिंह, बहिन सीमा सिंह, वंदना सिंह, बहिन कृष्णा सिंह, बहिन संजना, भ्राता राजेंद्र पटेल, भ्राता श्यामलाल, भ्राता विजय भाई व सभी भाई बहिनों ने दीप प्रज्वलन किया और उसके बाद भावना बहिन द्वारा सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरण किया गया।

महंगा पड़ा अनारदाना हाथ से फोड़ कर लहंगे पर फेंकना

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कहते है कि कितने अच्छे संबंध और दोस्ती हो कभी कभी मजाक इतना महंगा पड़ जाता है कि दोस्ती तो खत्म ही हो जाती है उल्टा खून खराबे में भी बदल जाती है।

ऐसी ही एक घटना परासिया रोड छिन्दवाड़ा में घटित हुई जहां दो परिवार आपस में वर्षों से पारिवारिक रिश्ता निभाते हुए दोस्ती की मिसाल कायम किए हुए थे लेकिन उस समय मामला गरमा गया जब घांघरा पहनकर पड़ौसी की युवती रंगोली डाल रही थी और पड़ौसी का लड़का बार बार फटाके और अनारदाना फोड़कर मजाकियां लहजे में परेशान कर रहा था। तब तक ठीक था जैसे ही युवती रंगोली डालकर घर की ओर जाने लगी युवक ने हाथ में लेकर अनारदाना जलाया और उसके लहंगे में फेंक दिया। लहंगे में आग लगी और परिवार बिफरा गया। आग बुझाने का काम हुआ लेकिन युवती का भाई इतना आग बबूला हो गया कि पड़ौसी युवक को जमकर धुनाई कर दी। बड़े बुजुर्गो ने बीच बचाव का प्रयास किया लेकिन मारपीट में इतना मामला बिगड़ गया कि दोनों पक्ष लड़ पड़े। इसके पश्चात उन्हीं के परिवार के एक बुजुर्ग ने बीच में आकर बैठ गया और कहा लड़ो मत, मरी वजह से आज तक एकता थी मुझे ही मार डालो और आपसी भाईचारा खत्म कर दो।

श्री चंद्रप्रभु जिनालय में शांतिनाथ विधान आयोजित

भक्तजनों ने लिया लाभ

पनागर, देशबन्धु। विद्यासागर वार्ड कमानिया के समीप गल्ला बाजार में स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु जिनालय नायक मंदिर में श्री शांतिनाथ विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधान की शुद्धि के साथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा पूजन अर्ध चढ़ाते हुए पूजा की क्रियाएं संपन्न हुईं, तत्पश्चात श्री जैन प्रबंध कारनी सभा के उपाध्यक्ष संतोष चौधरी, श्रीमती सरोज रानी जैन बरेली एवं सुमित जैन पुजारी के सानिध्य में विधान की क्रियाएं प्रारंभ हुईं। समाजसेविका श्रीमती कमला नायक की स्मृति में आयोजित इस विधान में बड़े भक्ति भाव एवं हर्षोल्लास के साथ विधान की संपूर्ण क्रियाएं की गईं। अंत में जाप का आयोजन किया गया एवं आचार्य श्री आरती के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण नायक, विमल जैन पत्रकार, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि मनोज नायक,

अंकित जैन संजय जैन, पुजारी करन जैन, श्रीमती जयंती बाई, श्रीमती अर्चना नायक, श्रीमती सीमा जैन, भारती जैन जबलपुर, श्रीमती मीना नायक, श्रीमती कल्पना जैन नायक, लिपि जैन, श्रीमती सविता जैन, श्रीमती देशना लसगरी, श्रीमती कल्पना जैन, मुस्कान जैन, श्रीमती दीपिका नायक का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर ढोलक वादक महेंद्र विश्वकर्मा शिक्षक ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

घर के अंदर घुसे सांप ने सांप को निगला

दमोह, देशबन्धु। जिले के हटा ब्लॉक में आने वाले मड़ियादो कस्बे के महावीरन मोहल्ले में रहने वाले हाकम सिंह के घर में दो सांप घुस आए। इसमें एक कोबरा सांप ने दूसरे सांप को निगल लिया था। घर के लोगों ने पांच फीट लंबा कोबरा सांप देखा तो उनके होश उड़ गए। इसके बाद सर्प विशेषज्ञ ने रेस्क्यू किया और सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ा।

घटना गुरुवार शाम की है। जब हाकम सिंह के घर कोबरा सांप दिखने पर हड़कम्प मच गया। सांप होने की सूचना स्थानीय निवासी और सर्प विशेषज्ञ नवीन खान को दी गई। रेस्क्यू के दौरान पकड़ा गया सांप एक दूसरे सांप को पूरा निगला हुआ था। रेस्क्यू के दौरान सांप ने निगले हुए सांप को उगल दिया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरत में पड़ गए।

इसके अलावा सांप जोर-जोर से फुंफकारने लगा और फन बनाकर लोगों को डसने के लिए बढ़ने लगा। सर्प मित्र नवीन खान ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान यह पहला मामला है, जब सांप दूसरे सांप को निगले हुए था। अभी तक सांप को रेस्क्यू के दौरान मेंढ़क, चूहे आदि को निगले हुए अनेक बार देखा है, लेकिन सांप ने सांप को निगला यह पहली बार देखा है। रेस्क्यू कर सांप को वफर क्षेत्र जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

रेस्क्यू के दौरान ग्रामीणों द्वारा की गई लापरवाही का नजारा भी यहां देखने मिला। सर्प विशेषज्ञ द्वारा कोबरा सांप को पकड़कर जिस बोरी के अंदर डाला गया था, ग्रामीणों ने वह बोरी फटी हुई दी थी। सांप को जैसे ही बोरी में डाला और सर्प विशेषज्ञ रस्सी ढूंढने निकल गया, तभी फटी हुई बोरी से सांप बाहर आ गया। इसके बाद लोगों ने भी उस व्यक्ति को डांटा, जिसने लापरवाही करते हुए यह फटी बोरी दी थी। दूसरी बोरी में इस जहरीले सांप को डालकर फिर उसे जंगल में छोड़ा गया।

तीन करोड़ के हवालाकांड में गिरफ्तार एसडीओपी सहित अन्य को दूसरी जेल में कर सकते हैं शिफ्ट

11 पुलिसकर्मी हैं जेल में

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मी 2 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपए की हवाला डकैती के मामले में सिवनी जेल में बंद हैं। इन सभी पर डकैती समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। शुक्रवार को उनकी जमानत के लिए प्रयास किए जाएंगे और उन्हें दूसरी जेल में स्थानांतरित किया जा सकता है। जिला जेल सिवनी में इन पुलिसकर्मियों को दूसरी जेल में स्थानांतरित करने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए लोअर कोर्ट में आवेदन की तैयारी है, जिसके बाद स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भोपाल भेजा जाएगा।

जेल में आपसी विवाद की आशंका- जेल प्रशासन के अनुसार, सिवनी जेल में कई ऐसे बंदी हैं, जिन्हें इन्हीं पुलिसकर्मियों द्वारा की गई कार्रवाई के

बाद जेल भेजा गया था। ऐसे में उनके बीच आपसी विवाद की आशंका है। इसी के मद्देनजर आरोपी पुलिसकर्मियों को एक ही बैरक में रखा गया है, जबकि एसडीओपी को महिला सेल में महिला बंदियों के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन किसी भी जोखिम से बचना चाहता है, क्योंकि सभी आरोपी पुलिसकर्मियों की अलग से निगरानी करनी पड़ रही है। यह भी सामने आया है कि किसी जिले में पदस्थ पुलिसकर्मी को उसी जिले की जेल में नहीं रखा जाता, यदि उसे किसी मामले में गिरफ्तार किया जाता है।

इनको किया है गिरफ्तार

जेल में बंद पुलिसकर्मियों में सिवनी एसडीओपी पूजा पांडेय, बंडोल थाना प्रभारी एसआई अर्पित भैरम, प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक रविन्द्र सिंह उइके, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक माखन सिंह इनवाती, आरक्षक जगदीश यादव, आरक्षक योगेन्द्र चौरसिया, एसएएफ आरक्षक सुभाष सदाफल, आरक्षक केदार सिंह, एसडीओपी के चालक आरक्षक रीतेश वर्मा और आरक्षक नीरज शामिल हैं।

प्रभारी मंत्री के फर्जी पत्र को लेकर एक और गिरफ्तारी

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिला पंचायत कार्यालय में प्रभारी मंत्री के फर्जी पत्र का सनसनीखेज मामला अब तेजी से खुलने लगा है। यह मामला 19 सितंबर को सामने आया था, जब तामिया जनपद के ग्राम रोजगार सहायक (जी.आर.एस.) का तबादला रोकने के लिए राज्य के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह के नाम से फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इससे पहले भी छत्तीसगढ़ की राज्यपाल रही अनुसुइया उइके के नाम से फर्जी लेटर के उपयोग का मामला सामने आ चुका है।

फर्जी पत्र में मंत्री राकेश सिंह के लेटरहेड और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया था। जिला पंचायत ने जब इस पत्र की पुष्टि करने की कोशिश की, तो इसकी सत्यता पर संदेह हुआ। इसके बाद अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी (एडिशनल सी.ई.ओ.) पी. राजोदिया ने पूरे मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस को भेज दी थी। कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि तामिया जनपद के ग्राम रोजगार सहायक दिनेश साहू का तबादला खापासानी पंचायत के लिए किया गया था। लेकिन 20 जुलाई को कलेक्टर के नाम एक पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमें प्रभारी मंत्री का लेटरहेड और हस्ताक्षर लगे हुए दिखाए गए। इसी पत्र के आधार पर दिनेश साहू का तबादला रोक दिया गया, और वे अब भी तामिया में ही पदस्थ हैं।

केंद्र ने दी मंजूरी, नौरादेही बनेगा चीतों का तीसरा घर, बढ़ेगी आबादी

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश, खासतौर पर बुंदेलखंड के लिए खुशखबरी। केन्द्र सरकार ने राजस्थान व गुजरात के दावों को खारिज करते हुए प्रदेश के नौरादेही (रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व) में चीतों का नया आशियाना यानी तीसरा घर बनाने को मंजूरी दे दी है। केन्द्र से मंजूरी मिलते ही एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) ने इससे जुड़ी तैयारियों के लिए सेंट्रल कैम्पा फंड से चार करोड़ रुपए जारी भी कर दिए हैं। यह पहली किस्त होगी, दूसरी किस्त के रूप में एनटीसीए तीन करोड़ रुपए और जारी होंगे।

पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) शुभ रंजन सेन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि, अब 2339 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व नौरादेही में चीते बसाए जाएंगे। गौरतलब है कि सितंबर 2022 में पहली बार श्योपुर के कूनो अभयारण्य में आठ चीते लाए गए थे। इस समय देश में कुल 31 चीते हैं। इनमें से 29 कूनो में तथा दो मंदसौर व नीमच जिले के बीच बसे इनके दूसरे घर गांधी सागर अभ्यारण्य में हैं। नौरादेही चीतों का तीसरा घर होगा। सूत्रों के अनुसार नौरादेही के साथ राजस्थान तथा गुजरात के अभ्यारण्य टाइगर रिजर्व ने भी चीतों का नया ठिकाना बनाने का दावा किया था, लेकिन वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर (नौरादेही अभ्यारण्य) की सिंगपुर, मोहली और झापन फॉरेस्ट रेंज को चीतों के लिए सर्वाधिक अनुकूल पाया गया। एनटीसीए की टीम जल्द इन तीनों रेंज का दौरा करेगी।

सेंट्रल कैम्पा फंड से मिलने जा रहे चार करोड़ रुपए से दमोह और सागर जिलों में फैले नौरादेही के जंगलों में चार क्वारंटाइन

बोमा और एक सॉफ्ट रिलीज बोमा तैयार किए जाएंगे। इसके लिए फेंसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम जल्द शुरू होगा। सूत्रों के मुताबिक, सिंगपुर रेंज को क्वारंटाइन बोमा साइट के रूप में चुना जा सकता है।

2339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्रदेश के तीन जिलों दमोह, सागर और नरसिंहपुर के जंक्शन पर स्थित नौरादेही (रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व) प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य/टाइगर रिजर्व हैं। अभ्यारण्य का मुख्य हिस्सा सागर में तो कुछ हिस्सा दमोह जिले में आता है। नौरादेही अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व में बदलने जब विस्तार हुआ तो इसके दायरे में नरसिंहपुर जिला भी आ गया। 1975 में अस्तित्व में आया यह अभयारण्य 50 से 70 चीतों को आश्रय दे सकता है।

सब कुछ ठीक रहा तो 2026 में नौरादेही में चीतों की आमद हो जाएगी। पहली संभावना यह है कि 2026 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका से अगली खेप लाई जाए और वहां से आने वाले चीतों को सीधे नौरादेही लाया जाएगा। दूसरा विकल्प यह रखा गया है कि अगर अफ्रीका से चीते नहीं आते हैं तो कूनो में जन्मे शावक, जो अगले साल तक एडल्ट हो जाएंगे, उन्हें नौरादेही शिफ्ट किया जाएगा।

डब्ल्यूआईआई भारत के चीतों प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी है। अगले वर्ष तक यहां चीते आने की उम्मीद है ऐसा होता है तो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्ड लाइफ एरिया होगा, जहां बिग कैट फैमिली के तीन सदस्य एक साथ होंगे। अभी रिजर्व बैंक टाइगर और तेंदुए की बसाहट है। चीतों के आने से इस परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी।

एक्सपर्ट से जानिए, चीतों के लिए क्यों मुफीद है दुर्गावती टाइगर रिजर्व

डॉ बसंत मिश्रा, वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट, जबलपुर के अनुसार-

1. घास के खुले मैदान: वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नौरादेही क्षेत्र में काफी पहले चीतों के प्राकृतिक वास के प्रमाण मिले हैं। यहां घास के खुले मैदान हैं नौरादेही से गांवों के विस्थापन के साथ मैदान और फैल रहे हैं। यहां चीते लंबी दौड़ के साथ शिकार कर सकते हैं।

2. बड़ा क्षेत्रफल: टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 1414 वर्ग किमी है। **बफर एरिया** - 925.120 वर्ग किमी का है। 600 वर्ग किमी एरिया में चीतों को रखने के लिए मैदान चिन्हित भी किए जा रहे हैं। यह क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।

3. पर्याप्त आहार: टाइगर रिजर्व में चीतों को शिकार के लिए चिंकारा, चीतल व काले हिरण की पर्याप्त संख्या है। यही वजह है कि यहां बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है।

4. संघर्ष की आशंका कम: चीतों की यहां बाघ-बाघिन से टकराव जैसी स्थिति बनने की आशंका नहीं है। बाघ बड़े जानवरों का शिकार करता है, जबकि चीता छोटे शाकाहारी वन्य जीवों से पेट भरता है।

कहीं नहीं है ऐसा रिजर्व

देश के किसी भी टाइगर रिजर्व में बाघ तेंदुआ व चीते एक ही जगह पर देखने नहीं मिलते हैं, लेकिन वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में ऐसा होना जा रहा है।

नेशनल कांफ्रेंस सभी चार राज्यसभा सीटें जीतेगी

जम्मू, देशबन्धु। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को उम्मीद जताई कि 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) सभी चार सीटों पर विजयी होगी। उन्होंने विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा से भी निराधार बयानबाजी बंद करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को बताया कि हर विधानसभा सत्र से पहले विधायक दल की बैठक होती है और नेशनल कांफ्रेंस और अन्य निर्दलीय विधायकों ने रणनीति बनाने के लिए बैठक की। बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सत्र अन्य सत्रों से अलग है क्योंकि राज्यसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं और सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं बैठक में शामिल होने के लिए तारिगामी और अन्य निर्दलीय विधायकों का आभारी हूं। नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों और अन्य निर्दलीय विधायकों में जो उत्साह दिख रहा है, उसे देखते हुए मुझे उम्मीद है कि नेशनल कांफ्रेंस राज्यसभा की चारों सीटें जीत लेगी।

सिंधी नेता ने की अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील, कहा

अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी में मदद करें

■ **सिंधी राष्ट्र अफगान परिवारों के प्रति कोई शत्रुता नहीं रखता**

बर्लिन, (एजेंसियां)। जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज (जेएसएमएम) के अध्यक्ष शफी बुरफात ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अफगान शरणार्थियों के सुरक्षित पलायन और अफगानिस्तान में पुनर्वास सुनिश्चित कराने में मदद करे।

बुरफात ने दावा किया कि अफगान शरणार्थियों की भारी आमद, एक मानवीय संकट के बावजूद, सिंध प्रांत के लिए वैध जनसांख्यिकीय और राजनीतिक चिंताएं पैदा करती है।

जेएसएमएम नेता ने एक्स पर लिखा कि सिंध, जो पहले से ही पाकिस्तान के कृत्रिम और सैन्यीकृत ढांचे तले दबा है, लंबे समय से राजनीतिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण और पंजाबी-साम्राज्यवादी-प्रभुत्व वाली सत्ता द्वारा अपने राष्ट्रीय अधिकारों के हनन से पीड़ित है। अफगान शरणार्थियों का बसना केवल एक मानवीय उपाय नहीं था,

यह सिंध की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने और मूल सिंधी राष्ट्र की राजनीतिक स्थिति को कमजोर करने की एक सोची-समझी राज्य नीति थी।

बुरफात ने कहा कि मौजूदा चिंताओं के बावजूद, सिंधियों ने अफगान शरणार्थियों के आगमन का विरोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि मानवीय सहानुभूति और युद्ध के साथ विस्थापन की दुखद परिस्थितियों को देखते हुए, सिंध ने इस उम्मीद के साथ उनकी उपस्थिति को सहन किया कि शरणार्थियों को पूरे पाकिस्तान में, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में, जहां पश्तून और अफगान समुदाय समान भाषाई, जातीय और सांस्कृतिक संबंध साझा करते हैं, समान रूप से वितरित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, इस अपेक्षा के विपरीत, पाकिस्तानी अधिकारियों ने जानबूझकर अफगानों को पंजाब प्रांत में बसाने से परहेज किया और इसके बजाय लगभग 80 प्रतिशत अफगान शरणार्थियों को सिंध, खासकर कराची, में बसाया।

यूनुस शासन में केवल उग्रवाद का बोलबाला

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग नेता मोहम्मद अली अराफात ने

गुरुवार को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए उस पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि देश में कानून का शासन ध्वस्त हो गया है। अराफात ने एक्स के जरिए कहा कि 15 जुलाई, 2024 से, मुहम्मद यूनुस ने एक सुनियोजित योजना के तहत, उनके तथाकथित छात्र अनुयायियों से युक्त एक उग्रवादी समूह ने बांग्लादेश में पुलिस अधिकारियों, अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं, अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों, पत्रकारों, वकीलों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं की हैं। उन्होंने आगे बताया कि इन हमलों के दोषियों को आजादी दी गई या क्षतिपूर्ति प्रदान की गई है।

बलूचिस्तान में पाक समर्थित डेथ स्क्वाड का आतंक

क्वेटा। पाकिस्तान और बलूचिस्तान के बीच तनाव लगातार जारी है। इस बीच एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने गुरुवार को जानकारी दी है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तान समर्थित डेथ स्क्वाड ने कम से कम दो बलूच युवकों की हत्या कर दी। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की ओर से लगातार गतिविधि नोटिस की जा रही है। इस बीच क्रूरता का यह ताजा मामला सामने आया। इस क्षेत्र से हत्या, जबरन गुमशुदगी और यातनाओं में बढ़ोतरी के साथ उत्पीड़न के मामले भी सामने आ रहे हैं।

मानवाधिकार संस्था बलूच यकजेहती समिति ने बताया कि पंजगुर जिले के पारूम क्षेत्र के निवासी और 20 साल के मजदूर जहूर बलूच का 20 अक्टूबर की तड़के जबरन अपहरण कर लिया गया था। गवाहों का हवाला देते हुए, मानवाधिकार संस्था ने कहा कि अपहरणकर्ता एक वाहन में आए और जहूर को घर से ले गए। अगली सुबह उसका क्षत-विक्षत शव मिला, जिससे उसकी हत्या की पुष्टि हुई। बीवाईसी ने कहा कि यह दुखद घटना कोई अकेली नहीं है, बल्कि बलूच आबादी को निशाना बनाकर जबरन गायब करने और हत्याओं के व्यवस्थित अभियान का हिस्सा है। जहूर की मौत बलूचिस्तान में लगातार जारी भय के माहौल को दर्शाती है, जहां युवाओं का नियमित रूप से अपहरण किया जाता है और मार दिया जाता है। बीवाईसी ने कहा कि 20 अक्टूबर को एक बलूच नागरिक, फकीर जान, का प्रताड़ित और गोलियों से छलनी शव एक खुले मैदान में पड़ा मिला।

आज का इतिहास

1415-इंग्लैंड ने उत्तरी फ्रांस में एजिनकोर्ट की लड़ाई जीती।
1812-युद्ध के दौरान अमेरिका फ्रिगेट यूनाइटेड स्टेट्स ने ब्रिटिश पोत मैसिडोनिया पर कब्ज़ा कर लिया।
1881-स्पेन के ख्यातिप्राप्त चित्रकार पाब्लो पिकासो का जन्म।
1911-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री घनश्यामभाई ओझा का जन्म।
1917-बोल्शेविक (कम्युनिस्टों) व्लादिमीर इलिच लेनिन ने रूस में सत्ता हथिया ली।
1920-राजस्थान के पूर्व छठवें मुख्यमंत्री बरकतुल्लाह ख़ान का जन्म।
1924-भारत में ब्रिटिश अधिकारियों ने सुभाषचंद्र बोस को गिरफ्तार कर दो साल के लिए जेल भेज दिया।
1937-हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध पार्श्वगायिका शारदा का जन्म।
1951-भारत में पहले आम चुनाव की शुरूआत हुई।
1962-अमेरिकी लेखक जॉन स्टीनबेक को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

सुडोकू 7072

					3	2		
4	8	1					7	
2			5	1			6	
			4					2
		5				6		
6					2			
	9			3	1			7
	7					9	8	3
		2	8					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

सार संक्षेप

बिहार का कुख्यात अपराधी रंजन और गिरोह के तीन सदस्य मुठभेड़ में मारे गए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में बुधवार रात पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बिहार के कुख्यात अपराधी रंजन पाठक और उसके गिरोह के तीन अन्य वांछित सदस्य मुठभेड़ में मारे गए। यह मुठभेड़ कल रात करीब 2:20 बजे रोहिणी सेक्टर के बहादुर शाह मार्ग और पंसाली चौक के बीच हुई। संयुक्त आयुक्त (अपराध) सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की टीम को सूचना मिली थी कि बिहार के सीतामढ़ी का कुख्यात अपराधी रंजन पाठक अपने साथियों के साथ दिल्ली पहुंचा है और किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिस पर जवाबी कार्रवाई की गई। दोनों ओर से चली गोलियों में चारों अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महागठबंधन ने पहले ही तय कर लिया था तेजस्वी यादव होंगे सीएम फेस : वीरेंद्र सिंह

वाराणसी। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के बाद समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह तो पहले से तय था, इसमें कोई नई बात नहीं है। सपा सांसद ने कहा कि इंडिया ब्लॉक गठबंधन ने पहले ही तय कर लिया था कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। उन्होंने कहा कि हम उचित समय का इंतजार कर रहे थे ताकि सीट बंटवारा सुचारू रूप से हो सके। बुधवार को सब चीजें सुलझ गई और सही समय आया और आज इसकी घोषणा हो गई। बिहार में शराबबंदी के मुद्दे पर वीरेंद्र सिंह ने बिहार की नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधा।

एडमिरल त्रिपाठी ने 'टीम नेवी' के कर्तव्य के प्रति समर्पण, निरंतर प्रतिबद्धता कौशल की सराहना की

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने संचालन उत्कृष्टता और युद्ध तत्परता सुनिश्चित करने में 'टीम नेवी' के कर्तव्य के प्रति समर्पण, निरंतर प्रतिबद्धता और पेशेवर कौशल की सराहना की है। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों के बुधवार को शुरू हुए द्विवार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की उत्कृष्ट भूमिका की सराहना की और इसे राष्ट्र के लिए गौरव का स्रोत बताया। मौजूदा भू-रणनीतिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए नौसेना प्रमुख ने क्षेत्र में बेहतर तैयारी, जरूरत के अनुरूप ढलने और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा में नौसेना की भूमिका का उल्लेख किया।

वेस्ट बैंक पर इजरायली संसद का मतदान मूर्खतापूर्ण : वेंस

वेस्ट बैंक का इजरायल में विलय नहीं किया जाएगा : जेडी वेंस

तेल अवीव, (एजेंसियां)। अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस इजरायल की दो दिवसीय यात्रा के बाद यूएस लौट गए। रवाना होने से पहले बेन गुरियन हवाई अड्डे पर वेंस ने कहा कि वेस्ट बैंक को लेकर हुए इजरायली संसद के प्रारंभिक मतदान ने उन्हें आहत किया है और जो हुआ वो बेहद मूर्खतापूर्ण था। उन्होंने कहा कि मतदान अजीब था, और उन्होंने आगे कहा कि वे इससे थोड़े असमंजस में हैं। द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक वेंस ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि यह एक राजनीतिक स्टंट था और पूरी तरह से प्रतीकात्मक था, लेकिन यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट था, और मैं व्यक्तिगत रूप से इसे अपमानजनक मानता हूं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वेस्ट बैंक का इजरायल में विलय नहीं किया जाएगा। हमारी नीति यही है, और अगर लोग प्रतीकात्मक मतदान करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन हम निश्चित रूप से इससे खुश नहीं थे। गाजा में युद्धविराम के बारे में पूछे जाने पर, वेंस कहते हैं कि फिलहाल, हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि इजरायल युद्धविराम का सम्मान कर रहा है और हमास भी युद्धविराम का सम्मान कर रहा है। वेंस ने कहा कि कुछ छोटे-मोटे अपवाद हैं जो इधर-उधर हो जाते हैं। जब ये दोनों पक्ष दो साल से युद्ध में हैं, तो ऐसा होना ही चाहिए। लेकिन अभी तक, युद्धविराम वास्तव में कायम है और अब हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इसे लंबे समय तक कैसे बनाए रखा जाए।

हमास से हथियार डलवाना हमारा संकल्प : काट्ज

तेल अवीव। इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच एक बैठक हुई, जिसमें काट्ज ने हमास के निरस्त्रीकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि गुरुवार दोपहर एक बैठक के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से कहा कि इजरायल सभी मारे गए बंधकों को वापस लाने, हमास को निरस्त्र करने और क्षेत्र के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर और आईडीएफ के शीर्ष अधिकारी भी तेल अवीव स्थित सेना के किर्या मुख्यालय में हुई बैठक में शामिल हुए, जिसका मुख्य ध्यान गाजा पट्टी पर केंद्रित था। गाजा शांति समझौते को लेकर जहां अमेरिका अपने मंत्रियों और बड़े प्रशासनिक अधिकारियों को इजरायल भेज रहा है वहीं बुधवार को इजरायली संसद में पेश किए गए विधेयक ने सबकी पेशानी पर बल डाल दिया। इजरायल ने वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की इच्छा जताई। बुधवार को इजरायल की संसद से इसे प्रारंभिक मंजूरी भी मिल गई। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे गाजा समझौते के लिए खतरनाक माना। रुबियो ने इजरायल यात्रा के लिए विमान में सवार होते हुए कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि हम अभी इसका समर्थन नहीं कर सकते।

डब्ल्यूएचओ ने पहली बार गाजा से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकाला

जिनेवा, (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गाजा पट्टी से 41 गंभीर रूप से बीमार मरीजों और 145 सहयोगियों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है। यह युद्धविराम लागू होने के बाद पहली ऐसी कार्रवाई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसस ने यह घोषणा की।

श्री टेड्रोस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डब्ल्यूएचओ ने आज गाजा से 41 गंभीर मरीजों और 145 सहयोगियों की चिकित्सा निकासी का नेतृत्व किया-यह युद्धविराम के बाद पहली बार हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि लगभग 15,000 मरीजों को अभी भी चिकित्सा निकासी की तत्काल आवश्यकता है और वे गाजा के बाहर उपचार के लिए अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। टेड्रोस ने राष्ट्रों से एकजुटता दिखाने और इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए सभी संभावित मार्ग खोलने की अपील दोहराई। युद्धविराम समझौता 13 अक्टूबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था।

नाइजीरिया में तेल टैंकर में विस्फोट से 42 लोगों की मौत

अबुजा, (एजेंसियां)। मध्य नाइजीरिया में एक तेल टैंकर में हुए विस्फोट में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है। एक सहायताकर्मी ने यह जानकारी दी। नाइजर राज्य आपातकालीन सेवा के प्रमुख अब्दुल्लाही बाबा आरा ने बताया कि हादसे में 52 अन्य लोग को चोटें आयी हैं, जिनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण पलटे हुए टैंकर से तेल इकट्ठा करने के लिए दौड़े, जिसमें अचानक विस्फोट हो गया और भीषण आग लग गयी। भीषण आग में कई लोग बुरी तरह जल गये और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया और घायलों को इलाज के लिए पास के एक अस्पताल ले जाया गया।

यह दुर्घटना नाइजर राज्य के कच्चा स्थानीय सरकारी क्षेत्र में बीडा-अगाई सड़क के किनारे एस्सान और बादेगी समुदायों के पास हुई।

वर्ग पहेली 7072

बायें से दायें:-

१. पूरी तरह शुद्ध और साफ
३. पूरी तरह पका हुआ
५. आंखों के सामने
६. दूरी, अंतर
७. युधिष्ठिर
८. समुद्र रूपी संसार
१३. नाजुक
१५. राजा, सम्राट
१६. हष्ट-पुष्ट
१७.वीरता, तेज
१९. वास्तविक
२०. शासन द्वारा लगाया जाने वाला एक कर
२२. प्रधान, मुखिया (उर्दू)
२३. सभी लोगों के लिए

ऊपर से नीचे:-

१. उजागरस, प्रत्यक्ष, (उर्दू)
२. शुद्ध मुनाफा
३. पक्षी, तरफदारी करने वाला
४. गरुड़ (उपमा)
५. तारीफ
९. इत्यादि (उर्दू)
१०. बेचैनी
११. चुप, खामोश
१२. प्रसन्नता
१४. एका- एक होने वाला
१७. कोशिश
१९. स्वाभाविक.सरल
२०. फौज
२१. पृथ्वी

वर्ग पहेली-7071

१ च	क्र	२ म	ध्य			३ प	द	४ मु	क्त
को		धु		५ उ	द	र		क	
६ त	मा	शा		प		७ ख	ब	र	ची
रा		८ ला	९ त	मा	र	ना		ना	
	१० अ		ह				११ व		१२ आं
१३ व्य	भि	चा	री		१४ बे		१५ क्ष	मि	त
	मा		१६ र	स	प	ति			रि
१७ वि	न	ती			ना		१८ त	१९ नि	क
षै			२० खे	ति	ह	२१ र		र्जी	
२२ ला	भ	प्र	द			२३ थ	का	व	ट

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

उप चुनाव — नगरोटा की सीट पर होगा त्रिकोणीय मुकाबला

अपने पिता की बोई फसल को काटने की कोशिश में देवयानी राणा

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। जम्मू संभाग की जिस नगरोटा विधानसभा सीट पर 11 नवम्बर को उप चुनाव होना है वहां पर पूर्व दिवंगत विधायक देवेंद्र राणा की बेटी और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की भतीजी देवयानी राणा की इज्जत दांव पर है। जबकि इस सच्चाई से मुहं नहीं मोड़ा जा सकता कि देवयानी राणा इस विधानसभा क्षेत्र में अपने दिवंगत विधायक पिता द्वारा बोई गई फसल को ही काटने को आतुर हैं। नगरोटा विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होना है।

इस सीट पर 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। राजनीतिक दल मतदाताओं को अपने पक्ष में करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को कुल 13 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से जांच के दौरान दो निर्दलीय उम्मीदवारों नजाकत अली खटाना और हरबंस लाल भगत के नामांकन पत्र खारिज हो गए। जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार देवयानी सिंह राणा का एक डुप्लीकेट नामांकन पत्र भी खारिज कर दिया गया, जबकि उनका मूल नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया। अब, अगर शुक्रवार शाम तक कोई भी उम्मीदवार अपना नामांकन वापस नहीं लेता है, तो कुल 10 उम्मीदवार इस हाई प्रोफाइल सीट पर चुनाव लड़ेंगे। नगरोटा से भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र सिंह राणा ने 2024 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी, लेकिन 31 अक्टूबर 2024 को उनके निधन के बाद यह सीट खाली हो गई।

भाजपा ने दिवंगत विधायक राणा की 30 वर्षीय बेटी देवयानी सिंह राणा को उम्मीदवार बनाया है, जो पहली बार चुनावी मैदान में उतरी हैं। देवयानी ने कई बार कहा है कि नगरोटा के लोगों के साथ खड़े होना उनके पिता की अंतिम इच्छा थी, जिसके कारण वह सक्रिय राजनीति में उतरीं हैं। अपने पिता की विरासत, पार्टी के समर्थन और भावनात्मक दृष्टिकोण के कारण इस सीट पर देवयानी राणा की स्थिति मजबूत दिख रही है, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस की शमीमा बेगम से कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। शमीमा बेगम नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले क्षेत्र डंसाल से जिला विकास पार्षद (डीडीसी) हैं। इसके अलावा नेशनल पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह से चुनौती पेश कर रहे हैं, जो पूर्व मंत्री हैं और भाजपा और उसकी नीतियों के आलोचक हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी इस सीट से अपने उम्मीदवार जोगिंदर सिंह को मैदान में उतारा है, लेकिन पार्टी की इस क्षेत्र में ज्यादा उपस्थिति नहीं दिख रही है। साथ ही आप के प्रदेश संयोजक मेहराज मलिक पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे, क्योंकि वह अभी भी सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत जेल में हैं, इसलिए आप की तरफ से इस सीट पर कोई प्रभाव डालने की संभावना कम हो गई है। नगरोटा सीट पर सबसे ज्यादा चर्चा निर्दलीय उम्मीदवार अनिल शर्मा की है, जो भाजपा नेता थे और देवयानी राणा को टिकट देने के पार्टी के फैसले को स्वीकार नहीं किया और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

खेल जगत

रोहित शर्मा का धैर्य और दृढ़ता देखने लायक थी, पारी उन्हें संतुष्टि देगी: अभिषेक नायर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड में रोहित शर्मा की खेली गई 73 रन की पारी उन्हें बहुत संतुष्टि देगी। नायर ने जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर, आप अपने कुछ बड़े शतक या दोहरे शतक भूल सकते हैं, लेकिन कुछ पारियां ऐसी होती हैं जो हमेशा याद रहती हैं, खासकर वे जिनमें आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ी हो। रोहित शर्मा भले ही इस पारी को उनके द्वारा बनाए गए रनों के लिए याद न रखें, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत रूप से इससे बहुत संतुष्टि मिलेगी। एक बल्लेबाज के तौर पर, जब आप कठिन परिस्थितियों में रन बनाते हैं, तो आपको एक अलग तरह की खुशी मिलती है, ठीक वैसे ही जैसे एक गेंदबाज सपाट पिच पर विकेट लेता है।

सम्मान बचाने उतरेगा भारत विराट और गिल पर होगी नजर

ऑस्ट्रेलिया इस मैदान पर पिछले लगातार छह वन डे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच जीत चुका है

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

ऑस्ट्रेलिया की कोशिश भारत का सूपड़ा साफ कर सीरीज 3-0 से जीतने

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (देशबन्धु)। शुभमन गिल की अगुआई में भारत मेजबान ऑस्ट्रेलिया से शुरू के दो वन डे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच हार कर तीन मैचों की क्रिकेट सीरीज 0-2 से पिछड़ कर गंवा चुका है। भारत अब ऑस्ट्रेलिया से सिडनी में सीरीज का तीसरा और आखिरी वन डे क्रिकेट मैच जीत कर सम्मान बचाने उतरेगा। भारत के कप्तान शुभमन गिल की कोशिश सिडनी में शनिवार को बड़ी पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को तीसरा वन भी जीतने से रोक भारत का सूपड़ा साफ करने से रोकने की होगी। सिडनी में शनिवार को तीसरे वन डे में मौसम साफ और सुहावना रहने की उम्मीद है। हाल ही में सिडनी क्रिकेट मैदान की पिच पर गेंद हाल ही में बहुत घूमती दिखी है। बावजूद इसके सिडनी के मैदान पर स्पिनरों की भूमिका खासी अहम रह सकती है। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को सिडनी की पिच बहुत रास आती है। ऑस्ट्रेलिया इस मैदान पर पिछले लगातार छह वन डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच जीत चुका है। टेस्ट और टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके अब केवल वन डे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 में होने वाले आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के लिए और शुभमन गिल के बतौर कप्तान अपनी दावेदारी बनाए रखने के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस वन डे क्रिकेट सीरीज में बल्ले से दमदार प्रदर्शन करना जरूरी था। रोहित शर्मा एडिलेड में दूसरे वन डे में शुरू में संघर्ष करने के बाद अपने पुराने स्टांस पर वापस खेलने लौटने वाले उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ अर्द्धशतक जड़ अपनी कुछ रंगत दिखाने में कामयाब रहे।

कोहली का फॉर्म महत्वपूर्ण : इरफान

नई दिल्ली। एडिलेड में रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में 2-0 से अपराजेय बढ़त बना ली है, अब नजरें सिडनी में होने वाले आखिरी वनडे पर टिकी हैं। अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर, भारत इस सीरीज़ का अंत सकारात्मक अंदाज में करना चाहेगा। 'जियोस्टार' पर एक्सक्लूसिव बातचीत में, विशेषज्ञ इरफ़ान पठान, अभिषेक नायर और आकाश चोपड़ा ने अपनी राय साझा की कि सीरीज के आखिरी मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल करने के लिए टीम इंडिया को क्या करना होगा। इरफ़ान पठान ने विराट कोहली के फॉर्म और दृष्टिकोण पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली का फॉर्म महत्वपूर्ण है।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सीरीज में अपना सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल यही होगा कि भारत अपने एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने अपने एकादश में बदलाव नहीं किया था लेकिन संभव है कि तीसरे मुकाबले में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिले। फ़िलहाल सिडनी में खेले जाने वाले तीसरे वनडे से संबंधित टीम न्यूज़, पिच रिपोर्ट और संभावित XI पर एक नजर डालते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दृष्टिकोण से यह एक अहम मैच नहीं है इसलिए मेजबान टीम मिचेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड को आराम देने पर विचार कर सकती है। तीसरे वनडे के लिए जैक एडवर्ड्स को भी टीम में शामिल किया गया है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे पर प्रभावी प्रदर्शन किया था। पहले वनडे में अच्छी गेंदबाजी करने वाले नेथन एलिस को भी तीसरे वनडे के एकादश में शामिल किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया संभावित XI : 1 मिचेल मार्श (कप्तान), 2 ट्रैविस हेड, 3 मैट शॉर्ट, 4 मैथ्यू रेनशॉ, 5 एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), 6 कूपर कॉनली, 7 मिचेल ओवेन, 8 ज़ेवियर बार्टलेट, 9 मिचेल स्टार्क/जैक एडवर्ड्स, 10 ऐडम जम्पा, नेथन एलिस/जॉश हेजलवुड हार्दिक पांड्या की टीम में कमी साफ तौर पर नजर आ रही है लेकिन भारत ने अब तक दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है।

शमी, किशन, ईश्वरन आज से होंगे रणजी एक्शन में

■ आंध्र प्रदेश उत्तर प्रदेश के खिलाफ ड्रॉ के बाद अपनी पहली जीत की तलाश में

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे दौर में अनुभवी टेस्ट खिलाड़ी मोहम्मद शमी, ईशान किशन और अभिमन्यु ईश्वरन अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। शमी की तेज गेंदबाजी और अनुभव ईडन गार्डन्स में बंगाल के आक्रमण की अगुवाई करेगा, जबकि ईशान नागपुर में झारखंड की बल्लेबाजी को संभालने का प्रयास करेंगे, और ईश्वरन बंगाल की पारी को मजबूती देने उतरेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी घरेलू मुकाबले में टेस्ट-स्तर का कौशल और स्वभाव देखने को मिलेगा। इसमें प्रशंसकों के साथ चयनकर्ताओं की भी विशेष दिलचस्पी होगी। विजयनगरम में, आंध्र प्रदेश उत्तर प्रदेश के खिलाफ ड्रॉ के बाद अपनी पहली जीत की तलाश में है, जिसमें टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाज शेख रशीद और श्रीकर भरत ओपनिंग मैच में अपने शतक के प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे।

तेज गेंदबाज केवी शशिकांत और त्रिपुरना विजय को एक आत्मविश्वास से भरी बड़ौदा टीम को चुनौती देने के लिए शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना होगा, जो ओडिशा पर सात विकेट की जीत के बाद आ रही है। महेश पिथिया के छह विकेट और शिवालिक शर्मा और मितेश पटेल के मजबूत योगदान से बड़ौदा को साफ बढ़त मिलती है, हालांकि आंध्र प्रदेश का घरेलू फायदा और बल्लेबाजी की गहराई मुकाबले को कड़ा बना सकती है। टॉस जीतने वाली टीमों से उम्मीद है कि वे पिच की शुरुआती परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने के लिए पहले बल्लेबाजी करेंगी ।ईडन गार्डन्स में, बंगाल गुजरात की मेजबानी करेगा, जिसमें शमी, ईश्वरन और सुदीप चटर्जी कमान संभालेंगे। शमी की अगुवाई वाली बंगाल की गेंदबाजी गुजरात के शीर्ष क्रम को परेशान करने का प्रयास करेगी, जबकि उनके अनुभवी बल्लेबाज एक चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने का लक्ष्य रखेंगे।

गुजरात ने अपने पहले मैच में असम के खिलाफ ड्रॉ खेला था, अहम योगदान के लिए आर्य देसाई, सिद्धार्थ देसाई और जयमीत पटेल पर निर्भर रहेगा। उम्मीद है कि पिच शुरुआत में गेंदबाजो की मदद करेगी और फिर बल्लेबाजी के लिए आसान हो जाएगी, जिससे बंगाल को फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों से परिचित होने का दोहरा फायदा मिलेगा। अन्य मैचों में, चंडीगढ़ महाराष्ट्र की मेजबानी करेगा, विदर्भ झारखंड से भिड़ेगा, सौराष्ट्र मध्य प्रदेश से खेलेगा, उत्तराखंड रेलवे से , पंजाब केरल से भिड़ेगा, उत्तर प्रदेश ओडिशा से खेलेगा, और तमिलनाडु नागालैंड का दौरा करेगा।

तवांग मैराथन 3.0 : बादलों के ऊपर दौड़, 6,200 से अधिक धावकों ने लिया हिस्सा

■ कार्यक्रम का शुभारंभ जनरल गंभीर सिंह ने झंडी दिखाकर किया

तवांग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भव्य तवांग मठ और पूर्वी हिमालय की शांत, बादलों से ढकी घाटियों की मनमोहक पृष्ठभूमि के बीच शुक्रवार को पूरे जोश और उत्साह के साथ 'तवांग मैराथन 3.0' की शुरुआत हुई। समुद्र तल से लगभग 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित तवांग एक बार फिर से सहनशीलता, एकता और सांस्कृतिक गर्व का उत्सव बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गजराज कोर के कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने झंडी दिखाकर किया। उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन फिटनेस, साहसिकता और राष्ट्रीय एकता को हिमालयी सीमांत क्षेत्रों में बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। तवांग पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश में स्थित है। यह उत्तर में तिब्बत और दक्षिण-पश्चिम में भूटान की सीमाओं से घिरा हुआ है। इसका नाम तवांग, 'त' अर्थात 'घोड़ा' और 'वांग' अर्थात 'चुना गया' से बना है, जो इस अनुश्रुति पर आधारित है कि मठ के लिए स्थान कैसे तय किया गया था। तवांग मठ, तवांग शहर से लगभग 2 किमी की दूरी पर स्थित है। यह एशिया का सबसे पुराना और दूसरा सबसे बड़ा मठ है। इस साल की मैराथन में चार श्रेणियां शामिल थीं, जिसमें 42 किमी, 21 किमी , 10 किमी और 5 किमी दौड़ हुई। इन प्रतियोगिताओं में सभी स्तरों के धावकों ने हिस्सा लिया।

आयोजन में 1,200 महिलाओं और लड़कियों और केन्या के तीन अंतरराष्ट्रीय धावकों समेत कुल 6,200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। धावकों ने 'बादलों के ऊपर दौड़ने' का रोमांच महसूस किया। वे बर्फ से ढके पर्वतों, लहराते ध्वजों और एशिया के सबसे बड़े व सबसे प्रतिष्ठित बौद्ध मठ तवांग मठ की भव्यता से घिरे रास्तों से होकर गुजरे। कठिन पहाड़ी रास्तों और ऊंचाई की चुनौती के बावजूद प्रतिभागियों ने अदम्य साहस, धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

कॉग्निजेंट होगा नई दिल्ली मैराथन का टाइटल स्पॉन्सर

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंयिां) बहुराष्ट्रीय अमेरिकी कंपनी कॉग्निजेंट आगामी 22 फरवरी 2026 को होने वाली नई दिल्ली मैराथन के 11वें संस्करण की मुख्य प्रायोजक होगी। कॉग्निजेंट नई दिल्ली मैराथन 2026 में कई रेस श्रेणियां होंगी - मैराथन, हाफ मैराथन, 10किमी और पांच किमी में सभी आयु समूहों और फिटनेस प्रेमी भाग लेंगे। इसे गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। यह दिल्ली के सबसे ऐतिहासिक और हेरिटेज जगहों इंडिया गेट, राजपथ और राष्ट्रपति भवन से होकर गुजरेगी। इसमें एलीट एथलीट, कॉर्पोरेट टीमें, रनिंग ग्रुप और रक्षा कर्मी भाग लेते रहे हैं। यह भारत की प्रमुख एम्स-सर्टिफाइड नेशनल मैराथन और एशिया के सबसे भरोसेमंद लॉन्ग-डिस्टेंस रनिंग स्पर्धाओं में से एक है। इसके हर संस्करण में भारत और विदेशों से 30 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया है। इस अवसर पर कॉग्निजेंट इंडिया के प्रबंध निदेशक राजेश वरियर ने कहा कि हम 2026 से नई दिल्ली मैराथन के टाइटल स्पॉन्सर बनकर उत्साहित हैं।

भारत की लड़कों और लड़कियों की कबड्डी टीमों ने जीते स्वर्ण पदक

■ भारतीय लड़कियों की कबड्डी टीम पहले ग्रुप स्टेज में भी अजेय रही थी

मनामा (बहरीन) 24 अक्टूबर (एजेंयिां)। भारत के लड़कों और लड़कियों की टीमों ने कबड्डी स्पर्धा के फाइनल में ईरान के खिलाफ अलग-अलग अंदाज में जीर्त दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। ईसा स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबलों में भारतीय लड़कों की टीम ने ईरान को 35-32 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि लड़कियों की टीम ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कबड्डी के दो हाफ के बाद 75-21 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। भारतीय लड़कियों की कबड्डी टीम पहले ग्रुप स्टेज में भी अजेय रही थी। उन्होंने लीग मैचों में बंगलादेश को 46-18, थाईलैंड को 70-23, श्रीलंका को 73-10 और ईरान को 59-26 से हराया था। इसी तरह, भारतीय लड़कों की कबड्डी टीम ने भी ग्रुप स्टेज में अजेय रही। उन्होंने बंगलादेश को 83-19, श्रीलंका को 89-16, पाकिस्तान को 81-26, ईरान को 46-29, मेजबान बहरीन को 84-40 और थाईलैंड को 85-30 से हराया। इससे पहले दिन में, भारत ने ताइक्कांडो स्पर्धा में दो कांस्य पदक और एथलेटिक्स में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता था।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी, 24 अक्टूबर (एजेंयिां)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा कि हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं। 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं।

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने रिकॉर्ड बुक को नए सिरे से लिखा

■ प्रतिका रावल ने 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए

■ स्मृति मंधाना के अब वनडे में 14 शतक हो गए हैं

नवी मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ नवी मुंबई में तीन विकेट के नुकसान पर 340 रन बनाए। यह स्कोर महिला विश्व कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भारत ने इसी टूर्नामेंट में विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 रन बनाए थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम का न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड का है। उन्होंने 2021 में कैंटबरी में 347 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना के अब वनडे में 14 शतक हो गए हैं। यह महिला क्रिकेट में दूसरे सबसे ज़्यादा हैं। इस सूची में अब सिर्फ़ मेग लैनिंग ही उनसे आगे हैं। उनके नाम 15 शतक हैं। मंधाना अब अंतररा राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में 17 शतक तक पहुंच चुकी हैं। यह महिला क्रिकेट में लैनिंग के बराबर है और सबसे ज़्यादा भी हैं । प्रतिका रावल ने 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए।

शीर्ष वरीय शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की लड़कियों ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना मणिमुथु और छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा सुधाकर ने चेंगदू में प्रभावशाली जीत के साथ अंडर-15 बालिका एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।शाइना ने अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चीन की ली मान लिन को शुरू से अंत तक शानदार नियंत्रण के साथ 21-17, 21-16 से हराया। अंडर-17 वर्ग में, दीक्षा ने संयम का परिचय देते हुए चीनी ताइपे की पिन हसुआन चियांग को 21-19, 21-15 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। अन्य उल्लेखनीय परिणामों में, लक्ष्य राजेश ने अंडर-17 बालिका एकल मुकाबले में कोरिया की ली युन सियो को 21-16, 21-11 से हराकर शानदार जीत हासिल की, जबकि अंडर-17 बालिका युगल जोड़ी अदिति दीपक राज और पोन्नम्मा बीवी वृद्धि ने कोरिया की ली युन सियो/पार्क यू जियोंग को 17-21, 21-15, 21-17 से हराकर जीत हासिल की।

हॉकी इंडिया ने घोषित किए सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 कोर ग्रुप के संभावित नाम

■ भारतीय महिला हॉकी टीम ने हाल ही में महिला हॉकी एशिया कप के दौरान गजब का जीवट और जज्बा दिखाया : हरेन्द्र सिंह

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के बेंगलुरू में 24 अक्टूबर से 7 दिसंबर, 2025 तक लगाए जाने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 कोर ग्रुप के संभावितों की शुक्रवार को घोषणा की। यह सीनियर राष्ट्रीय शिविर भारतीय महिला हॉकी टीम के हांगजू(चीन) में महिला हॉकी एशिया कप 2025 में रजत पदक जीतने के बाद एशिया की प्रमुख टीम के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करने के लिए बहुत अहम है। संभावितों में अनुभवी गोलरक्षक सविता को शामिल नहीं किया गया है।

फोकस अपने स्ट्रक्चर को और बेहतर करने पर : हरेन्द्र

भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम की कोर ग्रुप की खिलाड़ियों के शिविर की बाबत भारत के चीफ महिला हॉकी कोच हरेन्द्र सिंह ने कहा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम ने हाल ही में महिला हॉकी एशिया कप के दौरान गजब का जीवट और जज्बा दिखाया। हमें यह शिविर और लय बनाने में मदद करेगा। हमारा फोकस अपने स्ट्रक्चर को और बेहतर करने, अहम मौकों पर अपनी निशानेबाजी बेहतर करना और खुद को शारीरिक रूप से और चुस्त दुरुस्त करने पर होगा। हम अपने डिफेंसिव स्ट्रक्चर को और मजबूत कर अपनी अग्रिम पंक्ति को और अपने सिद्धांतों के मुताबिक और खुल कर खेलने का मौका देना चाहते हैं। हमने अनुभवी और उदीयमान प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को इस शिविर के लिए चुना है।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम ने चीन दौरे पर सभी मैच जीते

■ महिला टीम के लिए मनीषा चौहान ने सबसे ज्यादा तीन गोल किए

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (देशबधु)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम चीन दौरे पर अजेय रही जबकि भारत की महिला हॉकी टीम ने वहां जुझारू खेल की बानगी दिखाई। भारत ए पुरुष टीम के लिए आदित्य लालगे ने सबसे ज्यादा चार गोल किए। वहीं भारत ए महिला टीम के लिए मनीषा चौहान ने सबसे ज्यादा तीन गोल किए। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने अपने चीन दौरे पर 12 से 18 अक्टूबर तक चांगजू सिटी , जियांगसू प्रोविंस के खिलाफ अपने चारों मैच जीते। भारत पुरुष ए टीम नेआदअंगदबीर की हैट्रिक तथा वरुण कुमार, सेल्म कार्ति द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर और उत्तम सिंह, वेंकटेश धनजय केंची के मैदानी गोल से गंसू को हरा अपना अभियान 7-0 से जीत से शुरू किया। आदित्य लालगे और सेल्वम कार्ति के एक एक गोल से भारत ए दूसरा मैच 2-1 से हराया। भारत ए ने तीसरा मैच 8-0 से जीता और इसमें पुवन्ना बॉबी ने पेनल्टी कॉर्नर तथ आदित्य ललगे ने, मनिंदर सिंह, सेल्वम कार्ति, वेंकटेश केंजी ने मैदानी गोल किए जबकि कप्तान सजय ने भी पेनल्टी कॉर्नर पर तथा मोहम्मद रहील मोसीन ने दो गोल किए। भारत ए ने आखिरी म में गंसू को 8-3 से हराया। भारत ए के लिए आदित्य ललगे ने दो मैदानी गोल किए जबकि राज कुमार पालल उत्तम सिंह और वंकटश केंची ने एक एक मैदानी गोल किया जबकि अमनदीप लाकरा ने और कप्तान संजय ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए।

सार संक्षेप

श्रीवल्ली भामिदिपति को मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला

चेन्नई। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति को 27 अक्टूबर से शुरू हो रहे चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस चैंपियनशिप के मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। आयोजकों ने पहले फ्रांस की लोइस बोइसन के लिए वाइल्ड कार्ड की घोषणा की थी, जो फ्रेंच ओपन 2025 की सेमीफाइनलिस्ट हैं। दुर्भाग्य से, घुटने की चोट के कारण उन्हें दो सप्ताह आराम करने की सलाह दी गई है और वे चेन्नई ओपन में नहीं खेल पाएंगी। उनके हटने से चौथा वाइल्ड कार्ड खाली हो गया है, जिसे आयोजकों ने अब 23 वर्षीय श्रीवल्ली भामिदिपति को आवंटित कर दिया है, जो भारत में दूसरे और विश्व में 377वें स्थान पर हैं। अब वह 22 वर्षीय सहजा यमलापल्ली और 16 वर्षीय माया रेवती के साथ मुख्य ड्रॉ में शामिल होंगी। यह एक ऐसा दल है जो भारतीय टेनिस प्रशंसकों में जोश भर देगा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का वादा करता है। मुख्य ड्रॉ में तीन भारतीय महिलाओं के साथ, चेन्नई ओपन 2025 घरेलू प्रशंसकों को भारत के उभरते सितारों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करते देखने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करेगा।

गौरव की जंग : पीकेएल सीजन 12 के प्लेऑफ्स दिल्ली में शुरू

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के ग्रैंड प्लेऑफ़्स फेस्टिवल के लिए मंच तैयार है, क्योंकि यह रोमांचक मुकाबले 25 से 31 अक्टूबर तक दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में जारी रहेंगे। चार शहरों में 108 रोमांचक लीग-स्टेज मुकाबलों के बाद, लीग अब अपने सबसे महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गई है, जहां आठ टीमें एक ट्रॉफी के लिए लड़ेंगी। आज राजधानी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष आठ टीमों के कप्तानों ने भाग लिया और पीकेएल के 12वें सीजन के इस रोमांचक फाइनल का माहौल तैयार किया। प्रतियोगिता प्ले-इन्स के साथ 25 अक्टूबर, 2025 को शुरू होगी, जहां गत चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स का मुकाबला जयपुर पिंक पैंथर्स से होगा। इस बीच, पटना पाइरेट्स दूसरे प्ले-इन में यू मुंबा से भिड़ेगी। यहां से जीतने वाली टीमें प्लेऑफ्स में आगे बढ़ेंगी। प्लेऑफ्स की शुरुआत 26 अक्टूबर से होगी, जहां प्ले-इन्स की विजेता टीमें एलिमिनेटर 1 में खेलेंगी। उसी दिन, बेंगलुरु बुल्स का मुकाबला तेलुगु टाइटन्स से मिनी क्वालीफ़ायर में होगा।

आनंद ने ग्लोबल चेस लीग एक्सपीरियंस सेंटर का किया उद्घाटन

प्लान। पांच बार के वर्ल्ड चेस चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने टेक महिंद्रा के डलास के प्लानो में स्थित अपने अमेरिकी मुख्यालय में ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। जीसीएल एक्सपीरियंस सेंटर टेक्नोलॉजी, खेल और रणनीति का मेल है। इसके जरिए यह जाना जा सकता है कि कैसे अत्याधुनिक एआई, एनालिटिक्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म शतरंज की दुनिया को बदल रहे हैं। इस अवसर पर आनंद ने कहा कि ग्लोबल चेस लीग हमेशा इनोवेशन और सहयोग के लिए खड़ा रहा है।

अर्थ जगत

रुपया में शुरुआती कारोबार में 9 पैसे की बढ़त

मुम्बई। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी ने तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.78 पर खुला, फिर मामूली गिरावट के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 9 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

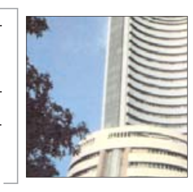

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस से तेल आयात पर ब्रेक लगाएगा भारत, कंपनियों में मचा हड़कंप

***नई दिल्ली।** अमेरिका द्वारा रूस की शीर्ष तेल कम्पनियों रोजनेफ्ट और ल्यूकआइल पर लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद भारतीय रिफाइनर अब रूस से तेल आयात में बड़ी कटौती करने की तैयारी कर रहे हैं और विकल्प तलाश रहे हैं।*

रिपोर्ट के अनुसार, यदि इन प्रतिबंधों को सख्ती से लागू किया गया तो यह वैश्विक तेल बाजार को हिला सकता है, क्योंकि रूस के 3.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल निर्यात का लगभग एक-तिहाई भारत को जाता है। यह आपूर्ति बाधित होने से अंतर्राष्ट्रीय कीमतें आसमान छू सकती हैं और भारत, चीन, तुर्की जैसे देशों को नए स्त्रोतों की तलाश करनी पड़ेगी।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कन्ट्रोल ने बुधवार को इन प्रतिबंधों की घोषणा की, जो मॉस्को पर दबाव बढ़ाने और यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते की दिशा में रूस को मजबूर करने की रणनीति का हिस्सा है।

प्रतिबंधों के तहत, रोजनेफ्ट की दो संयुक्त परियोजनाएं — वैनकोरनेफ्ट और तास-यूर्याख भी शामिल हैं, जिनमें भारतीय कम्पनियों — ओनजीसी, ऑयल इंडिया, बीपीसीएल और इंडियन ऑयल की क्रमश: 49.9 प्रतिशत और 29.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन भारतीय कम्पनियों के 1 अरब डॉलर से अधिक लाभांश (डिविडेंड) रूस में फंसे हुए हैं, जिन्हें वे प्रतिबंधों के कारण भारत वापस नहीं ला पा रहे हैं। प्रतिबंधों के मुताबिक, कम्पनियों को 21 नवंबर तक सभी भुगतान और तेल की डिलीवरी पूरी करनी होगी।

इसका मतलब है कि भारत अब रोजनेफ्ट और ल्यूकऑयल से नई खेप नहीं ले सकेगा, क्योंकि रूसी तेल भारत पहुंचने में आमतौर पर एक महीना लगता है। इससे नवंबर और दिसंबर की खेप रद्द करनी पड़ सकती है और भारत को करीब 10 लाख बैरल प्रतिदिन के वैकल्पिक स्त्रोत तलाशने होंगे। सरकारी रिफाइनर अब पश्चिम एशिया, अमेरिका, और ब्राजील से अतिरिक्त सप्लाई की संभावना देख रहे हैं।

निजी कम्पनियों के लिए बड़ा झटका- हालांकि सरकारी कम्पनियों पर असर सीमित रहेगा, लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को भारी झटका लग सकता है। रिलायंस अपने लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत रूस से पूरी करती है। नायरा एनर्जी लगभग पूरी तरह रूस पर निर्भर है। भुगतान सबसे बड़ी समस्या है। बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ऐसे लेन-देन करने से बचेंगे।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

***नई दिल्ली।** सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार (24 अक्टूबर) को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,23,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,47,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं।*

सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 517 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,587 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,24,104 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 534 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,570 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,011 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,501 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,48,512 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,322 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 4,144 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 4,245.60 डॉलर प्रति औंस था।

डॉलर पर नहीं, अब सोने पर भरोसा कर रहा आरबीआई, बढ़ा रहा गोल्ड रिजर्व

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के महीनों में अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर एसेट्स की हिस्सेदारी घटाकर सोने की हिस्सेदारी बढ़ा दी है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत से ही आरबीआई लगातार अपने गोल्ड रिजर्व में इजाफा कर रहा है, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज में निवेश घटा रहा है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बैंक का कुल गोल्ड होल्डिंग 880 टन से अधिक हो गया है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत से अब तक आरबीआई ने 600 किलोग्राम सोना अपने भंडार में जोड़ा है। 27 जून को 400 किलोग्राम और 26 सितंबर को 200 किलोग्राम सोना खरीदा गया। वहीं, अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज में आरबीआई का निवेश घटकर 219 अरब डॉलर पर आ गया है, जो पिछले सात महीनों का सबसे निचला स्तर है। एक महीने पहले यह निवेश 227.4 अरब डॉलर और एक साल पहले 238.8 अरब डॉलर था। 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 698 अरब डॉलर था। इसमें से सोने का मूल्य पहली बार 100 अरब डॉलर के पार जाकर 102.36 अरब डॉलर हो गया है। सितंबर 2024 के अंत तक सोना आरबीआई के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 13.6 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है, जबकि एक साल पहले यह सिर्फ 9.3 प्रतिशत था।

सेंसेक्स 345 अंक गिरा, निफ्टी 25,800 के नीचे बंद

मुंबई। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 344.52 अंक की गिरावट के साथ 84,211.88 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 96.25 अंक फिसलकर 25,795.15 पर बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली का दबाव बना रहा। बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, ऑटो और आईटी इंडेक्स में गिरावट देखी गई, वहीं मेटल शेयरों में खरीदारी रही। डिफेंस और तेल-गैस इंडेक्स हल्की बढ़त के साथ बंद हुए।

विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में गिरावट के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण रहा प्रॉफिट बुकिंग यानी निवेशकों ने हाल ही में हासिल हुए लाभ को कैश में बदलना शुरू किया। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस, एफ एम सी जी, आईटी और ऑटो शेयरों में बिकवाली हुई। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बाजार में कल भारत और अमेरिका के बीच संभावित ट्रेड डील की खबर से जोरदार तेजी आई थी, लेकिन भारत की ओर से इसे पुष्ट नहीं किया गया। इससे बुल्स का उत्साह फीका पड़ गया और शॉर्ट कवरिंग के और मौके नहीं बने। दूसरा बड़ा कारण एफआईआई सेलिंग रहा।

भारत जल्दबाजी में या बंदूक की नोंक पर व्यापार समझौते नहीं करता

नई दिल्ली। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या बंदूक की नोक पर व्यापार समझौते नहीं करता। उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित अन्य देशों व क्षेत्रों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है।

जर्मनी में आयोजित बर्लिन डायलॉग के दौरान बोलते हुए पीयूष गोयल ने कहा कहा, हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से बात कर रहे हैं, लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही हम कोई समय सीमा तय करके या बंदूक की नोंक पर कोई समझौता करते हैं। बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार समझौते केवल टैरिफ या बाजार पहुंच के बारे में नहीं हैं, बल्कि विश्वास, दीर्घकालिक संबंधों का निर्माण करने और वैश्विक व्यापार सहयोग के लिए स्थायी ढांचे का निर्माण करने के बारे में हैं।

बर्लिन में गोयल की दो टूक

भारत यूरोपीय संघ के साथ लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, जिसमें बाजार पहुंच, पर्यावरण मानकों और उत्पादन के नियमों पर मतभेद बने हुए हैं। गोयल ने कहा है कि नई दिल्ली व्यापार समझौतों में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएगी। उन्होंने कहा, भारत जल्दबाजी में किसी भी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। पीयूष गोयल डायलॉग में भाग लेने के लिए फिलहाल बर्लिन में हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते को दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी में या तात्कालिक आवेश में निर्णय नहीं लेता। उन्होंने कहा कि भारत जरूरत से अधिक टैरिफ से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है। गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे... और यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, यह स्वीकार्य नहीं है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	87.84
एक यूरो	102.13
एक ब्रिटिश पाउंड	117.12
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	57.09
एक जापानी येन	0.57

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 118 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-128 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -74 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-126000चांदी -156000

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-126000चांदी -156000

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8500-9000, मीडियम बोल्ड 10000-10500, फाइन 110000-11500, एक्स्ट्रा बोल्ड 11800-12000, चना दाल एवरेज 6900-7100 चना दाल मार्का 7200-7500, मसूर दाल एवरेज 7400-7600, मसूर दाल फाइन 7800-8000, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9000, उड़द धुली 9500-10000, फाइन 10500-11000, मूंग दाल छिलका 9500-10000, मूंग दाल फाइन 10000-10500, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3200-3400, बेस्ट 3400-3600, बीपीटी चालू 3800-4200,फाइन 4500-4800,एचएमटी-4800-5200 फाइन-5500-5600 दुबराज भाटापारा 4800-5000, जेजेएल चालू 4500-5000, फाइन 5500-5800, बासमती कनकी चालू 3000-3200, बासमती कनकी मीडियम 3600-3800, बेस्ट 4000-4200, मोगरा- 4500-5000, दुबार- 5000-5500, तिबार- 6000-7000, बासमती 6500-7500, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4200-4500, फाइन 4800-5000, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 8000-8500 रु., लाई-6300-6500 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 5800, 8 एम एम 5580, 10 एम एम 54 60,12 एम एम, 5400 एवं 16 एम 54 00 रु.। तार- 75 रु. किलो।

इस बार छठ पूजा पर होगा 38 हजार करोड़ का कारोबार, कैट का अनुमान

नई दिल्ली। सूर्य देव की उपासना का प्रमुख पर्व छठ पूजा इस साल 25 अक्टूबर से पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस पावन त्योहार को लेकर व्यापारियों और स्थानीय उद्योगों में उत्साह है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, इस बार छठ पूजा के दौरान देशभर में लगभग 38 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है।

बीते साल छठ पूजा में लगभग 31, हजार करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था। 2023 में यह आंकड़ा 27 हजार करोड़ रुपए था, जो छठ से जुड़े कारोबार में लगातार बढ़ोतरी को दर्शाता है। केवल दिल्ली में ही बिक्री इस बार 6 हजार करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर सकती है। छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र, विदर्भ और मध्य प्रदेश में मनाई जाती है। इसके अलावा, देशभर में रह रहे लाखों पूर्वांचली लोग भी इस पर्व को उत्साहपूर्वक मानते हैं।

लोकल कारोबारियों और छोटे उद्योगों को फायदा- कैट के जनरल सेक्रेटरी और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार, छठ पूजा से जुड़े स्थानीय उत्पाद और हस्तशिल्प की बिक्री में इस बार भी उछाल देखा जा रहा है, जिससे छोटे कारोबारियों और स्थानीय उद्योगों को लाभ मिल रहा है। खंडेलवाल ने कहा, छठ पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है।

सेबी का नया फरमान

म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवायसी नियम होंगे कड़े

***नई दिल्ली।** सेबी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक बड़ा बदलाव किया है, जो निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कम्पनियों एएमसी दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। अब नए फोलियो खोलने और पहली निवेश राशि डालने से पहले प्रक्रिया पूरी होना अनिवार्य होगा। इसका मकसद निवेशकों को गलत लेन-देन और प्रक्रिया में होने वाली देरी से बचाना है, ताकि हर निवेश सुरक्षित और सही तरीके से हो सके।*

पहली निवेश राशि अब केवल तभी डाली जा सकेगी, जब केवायसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी द्वारा अंतिम सत्यापन पूरा हो जाएगा। पहले एएमसी अपने इंटरनल केवायसी चेक के आधार पर तुरंत निवेश स्वीकार कर लेती थी, जिससे बाद में केवायसी में गड़बड़ी होने पर निवेशकों को रिडेम्पशन, डिविडेंड या नोटिफिकेशन में देरी का सामना करना पड़ता था। नए नियम के तहत, एसेट मैनेजमेंट कंपनी पहले सभी डॉक्यूमेंट और इंटरनल जांच पूरी करेगी, उसके बाद फोलियो केआरए को भेजा जाएगा और सत्यापन के बाद ही पहली निवेश राशि निवेशक द्वारा डाली जा सकेगी। यदि केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो निवेशक अस्थायी रूप से आगे निवेश नहीं कर पाएंगे और रिडेम्पशन या डिविडेंड उन्हें समय पर नहीं मिलेगा। एसेट मैनेजमेंट कम्पनियों के लिए भी निवेशकों से संपर्क और भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। इस बदलाव से निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कम्पनियां दोनों को फायदा होगा। गलतियों की संभावना कम होगी, नियमों का पालन आसान होगा और लेन-देन अधिक सटीक होंगे। हालांकि, पहली निवेश राशि में थोड़ी देरी हो सकती है, क्योंकि केआरए के सत्यापन में 2-3 दिन लग सकते हैं।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

एक नशा पीडित की कहानी

एक नशा पीड़ित की अपनी कहानी में से बहुतों ने जीवन में असुरक्षा का अनुभव किया हम में से बहुतों ने जीवन में असुरक्षा का अनुभव किया है — कभी आर्थिक, कभी भावनात्मक, कभी आत्मिक। लत ने हमें इन परिस्थितियों के प्रति और भी असहाय बना दिया था। आज, संयम में रहते हुए, हम जान रहे हैं कि हर कठिनाई का अर्थ यह नहीं कि हमने कुछ गलत किया।

रवीन्द्र अवस्थी
एक नशा पीड़ित रह चुके हैं

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं है।

अब इंटरनेट में नई क्रांति, एलन मस्क का स्टारलिंक भारत में एंट्री के लिए तैयार

9 शहरों में बनेंगे सैटेलाइट स्टेशन; बिना मोबाइल नेटवर्क

***नई दिल्ली।** भारत में अब इंटरनेट की दुनिया में एक नई क्रांति आने वाली है। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कम्पनी स्टारलिंक भारत में अपने पूरे पैमाने पर लॉन्च की तैयारी में जुट गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कम्पनी देशभर में 9 गेटवे अर्थ स्टेशन बनाने की प्लानिंग पर काम कर रही है, जिनमें मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता और लखनऊ जैसे बड़े शहर शामिल हैं। माना जा रहा है कि इस कदम से भारत के सुदूर इलाकों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच सकेगा, वो भी बिना किसी मोबाइल नेटवर्क के!*

600 गीगाबिट की स्पीड क्षमता और ट्रायल शुरू- द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारलिंक ने भारत में अपनी जेन 1 सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन के जरिए 600 गीगाबिट प्रति सेकंड की क्षमता के लिए आवेदन किया है। दूरसंचार विभाग ने फिलहाल कम्पनी को डेमो के लिए प्रोविजनल स्पेक्ट्रम अलॉट किया है, ताकि सुरक्षा मानकों की जांच की जा सके। इस अनुमति के तहत स्टारलिंक को 100 यूजर टर्मिनल इम्पोर्ट करने और केवल फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विस के डेमो की अनुमति दी गई है।

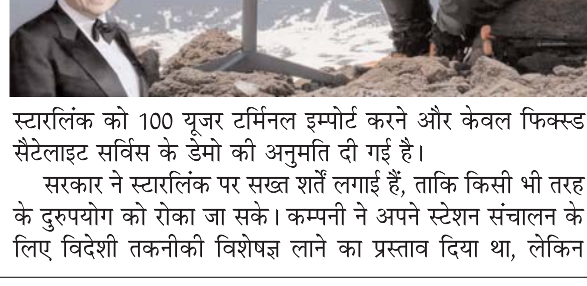

सरकार ने स्टारलिंक पर सख्त शर्तें लगाई हैं, ताकि किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोका जा सके। कम्पनी ने अपने स्टेशन संचालन के लिए विदेशी तकनीकी विशेषज्ञ लाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सरकार ने साफ कर दिया है कि गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने तक केवल भारतीय नागरिक ही इन स्टेशनों को ऑपरेट कर सकेंगे।

इससे पहले भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्टारलिंक टर्मिनलों के गैरकानूनी इस्तेमाल पर चिंता जताई थी। मार्च 2025 में गृह मंत्रालय ने दूरसंचार विभाग को जांच के निर्देश दिए थे, जब मणिपुर और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में अवैध स्टारलिंक उपकरण जब्त किए गए थे। इसके बाद सरकार ने डेटा लोकलाइजेशन और नियमित रिपोर्टिंग को अनिवार्य कर दिया है। ट्रायल के दौरान कम्पनी अपनी सर्विस आम लोगों को नहीं दे पाएगी। इस समय जो भी डेटा तैयार होगा, उसे भारत के अंदर ही सुरक्षित रखना होगा। इसके अलावा, हर 15 दिन में स्टारलिंक को दूरसंचार विभाग और सुरक्षा एजेंसियों को रिपोर्ट भेजनी होगी, जिसमें यह जानकारी होगी कि उनके स्टेशन कहां हैं, कौन-से टर्मिनल इस्तेमाल हो रहे हैं और यूजर्स की लोकेशन क्या है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु कॉम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

मासूम भतीजे के सामने कर दी माता-पिता की हत्या

संपत्ति विवाद के कारण चाचा ने वारदात को दिया अंजाम

जबलपुर, देशबन्धु। संपत्ति विवाद के कारण चाचा ने मासूम भतीजे के सामने उसके माता-पिता की हत्या कर दी। मासूम बच्चा किसी तरह जान बचाकर बाहर भागा और पड़ोसियों की मदद से थाने पहुंचा। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद पति-पत्नी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

घमापुर थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को से प्राप्त जानकारी के अनुसार बल्दी कोरी की दफाई निवासी संजय चौधरी तथा बबलू चौधरी सगे भाई थे। बबलू अपने दादा के पुश्तैनी मकान में रहता था। संजय ने भी मकान के बगल में खाली पड़ी दादा की जमीन पर मकान बना लिया था। बबलू दादा की खाली जमीन पर भी हिस्सा मांग कर रहा था, जिसके कारण दोनों भाइयों में विवाद चल रहा था।

भाईदूज के अवसर पर गत दिवस दोनों के घर रिश्तेदार आए हुए थे। शुक्रवार की सुबह लगभग 11 बजे बबलू चाकू लेकर अपने भाई संजय चौधरी के घर पहुंचा। इसके बाद उसने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर संजय चौधरी उम्र 45 साल तथा भाभी बबीता चौधरी उम्र 40 साल की हत्या कर दी। घटना के समय घर में उनका 6 वर्षीय बेटा भी मौजूद था, जिसने घर से भागकर अपनी जान बचाई और पड़ोसियों की मदद से थाना पहुंचा। बड़ा बेटा अपनी नाना-नानी के घर पर था।

पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने हत्या का प्रकरण कर दर्ज आरोपी की सरगर्मी से तलाश प्रारंभ कर दी है। सूत्रों के अनुसार दोनों भाई पूर्व में संयुक्त रूप से नमकीन बनाने का कारोबार करते थे। सम्पति विवाद के कारण दोनों अलग हो गए थे। छोटा भाई बबलू नौकरी करने लगा था और बड़े भाई संजय का कारोबार अच्छा चलने लगा था, जिसके कारण वह आर्थिक रूप से सक्षम हो गया था।

घायल भाई को सड़क पर दौड़ाकर मारा

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उक्त नरसंहार में आरोपी के सिर पर खून सवार था और वह बेरहमी के साथ वार कर रहा था। भाई-भाभी पर हमला करने के बाद उसका भाई संजय घायल अवस्था में घर के बाहर की ओर भागा तो आरोपी बबलू चाकू लेकर सड़क पर दौड़ा और ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी, इस दौरान संजय के मासूम बेटे को घर से बाहर निकलने का मौका मिल गया और वह पड़ोसियों के यहां पहुंच गया, जिससे उसकी जान बच गई।

आरोपी की तलाश में जुटीं पुलिस टीमें

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि दोनों पति-पत्नी खून से लथपथ पड़े हुए थे, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने हत्या का प्रकरण कर दर्ज आरोपी की तलाश प्रारंभ कर दी है। पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दे रही है।

कार्बाइड गन से आंख जख्मी होने का मामला

जबलपुर के तीनों प्रकरणों में दर्ज होगी एफआईआर

जबलपुर, देशबन्धु। कार्बाइड गन का पटाखे के रूप में उपयोग किए जाने से तीन व्यक्तियों की आंखें जख्मी होने का मामला प्रकाश में आया है। तीनों प्रकरणों में पीड़ितों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि बीएनएस की धारा 163 के तहत कार्बाइड गन का पटाखे की रूप में उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जबलपुर में कार्बाइड गन से तीन व्यक्तियों की आंखें जख्मी हुई हैं और उनका उपचार जारी है। तीनों प्रकरणों में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। पुलिस विवेचना के बाद दोषियों के खिलाफ विधिवत कार्यवाही करेगी।

संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि कार्बाइड गन के उपयोग से आंख जख्मी होने के कारण सात व्यक्ति निजी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से तीन जबलपुर के निवासी हैं और बाकी व्यक्ति अन्य जिलों से उपचार के लिए आए हैं।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि केमिकल इंज्युरी के कारण कार्निया सफेद हो जाता है, जिसकी सर्जरी नहीं होती है और सिर्फ मेडिसिन से उपचार किया जाता है। बहुत ही कम प्रकरण ऐसे होते हैं, जब पीड़ित व्यक्ति की दृष्टि चली जाती है। केमिकल इंज्युरी से कार्निया अधिक क्षतिग्रस्त होती है तो रिकवरी में समय लगता है। उपचार से पीड़ित व्यक्ति ठीक हो जाता है, परंतु पूर्व की तरफ शत-प्रतिशत विजन नहीं रहता है। उसके विजन में कमी आती है।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

जिले में कार्बाइड गन के निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय एवं प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टरर राघवेन्द्र सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत प्रदत्तड शक्यिों का प्रयोग करते हुए लोक हित में तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश तत्काथल प्रभाव से लागू भी हो गया है।

मुख्य सचिव ने ली प्रदेश के संभागायुक्तों की बैठक

कार्बाइड गन से प्रदेश के सैकड़ों व्यक्तियों की आंखें जख्मी होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव ने सभी संभागायुक्त के साथ बैठक आयोजित की थी। बैठक में मुख्य सचिव ने सभी संभागायुक्तों को निर्देशित किया है कि प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ नया सिस्टम, कई जिलों में होगी बारिश

25 से 27 अक्टूबर तक रहेगा असर

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में धार, सतना समेत प्रदेश के नौ जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि भोपाल सहित कई इलाकों में आसमान पर बादल छाए रहे। देश के दक्षिणी हिस्से में सक्रिय निम्न दाब क्षेत्र का असर प्रदेशभर में दिख रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम दक्षिण-पूर्व अरब सागर से आगे बढ़ते हुए उत्तर-पूर्व दिशा की ओर जा रहा है। अगले 24 घंटों के भीतर इसका असर प्रदेश में और बढ़ेगा। विभाग का अनुमान है कि 25 से 27 अक्टूबर के बीच मध्यप्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी की संभावना बनी रहेगी। शुक्रवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

नवंबर से शुरू होगी ठंड

मौसम विभाग का कहना है कि इस साल नवंबर से ठंड का दौर तेज़ी से शुरू होगा, जो जनवरी तक जारी रहेगा। इस बार फरवरी तक भी ठंड का असर रहने की संभावना है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2010 के बाद यह सर्दी सबसे कड़ाके की हो सकती है, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ ज्यादा सक्रिय रहेंगे और सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। आईएमडी ने भी ला-नीना परिस्थितियों के विकसित होने की पुष्टि की है।

इन जिलों में हुई बारिश

पिछले 24 घंटों में अशोकनगर, छतरपुर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सतना, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी और धार जिलों में वर्षा दर्ज की गई। हालांकि, रात के तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है, जिससे ठंड का असर अभी महसूस नहीं हो रहा।

जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी में एसी-2 एसी-3 कोच न होने से यात्री परेशान

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम-मध्य रेलवे के उच्च अधिकारियों द्वारा यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा मुहैया कराए जाने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मनीष तिवारी, मंडल रेल प्रबंधक कमल तलरेजा, डॉ. मधुर वर्मा आदि सभी अधिकारियों ने भी यात्रियों को न्यूनतम राशि में अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन जबलपुर से नियमित किया जा रहा है। इस ट्रेन में वर्तमान में एसी चेयरकार की ही व्यवस्था रेलवे प्रबंधन द्वारा की गई है। यह ट्रेन प्रतिदिन सुबह 6 बजे रायपुर के लिए रवाना की जाती है, जोकि 5 अगस्त से जबलपुर से शुरू की गई थी।

यह ट्रेन जबलपुर, मदन महल, कछपुरा, नैनपुर, बालाघाट, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनंदगांव, दुर्ग होकर दोपहर 1.50 बजे रायपुर पहुंचती है। रायपुर से दोपहर 2.45 बजे रवाना होकर उल्लेखित शहरों से होकर लगभग रात्रि 10.45 बजे पहुंचती है। जिस दिन से इस ट्रेन की शुरुआत की गई है, उस दिन से इस ट्रेन में यात्रियों की भीड़ बढ़ती जा रहा है।

ट्रेन लगभग 7.50 घंटे में रायपुर की दूरी तय करती है। जबलपुर से रायपुर दुर्ग, अमरकंटक एक्सप्रेस ट्रेन से दूरी 520 किलोमीटर है। यह ट्रेन सिहोरा, कटनी, शहडोल, उमरिया, बिलासपुर, भाटापारा होकर रायपुर से दुर्ग पहुंचती है। इस ट्रेन में यात्रियों को लगभग 111 किलोमीटर से अधिक की यात्रा तय करना पड़ती है, जिसमें तकरीबन 10 घंटे का समय लगता है।

इंटरसिटी ट्रेन में अधिकतर यात्रियों को केवल एसी चेयर कार की सुविधा के साथ ही साथ एसी-2, एसी-3 टायर कोच की भी आवश्यकता महसूस की जा रही है। रेलवे यदि इस ट्रेन में एक-एक एसी-2 एवं एसी-3 टायर का कोच भी उपलब्ध करवा दे तो एक ओर जहां रेलवे की आय में लाखों रुपयों का इजाफा होगा, वहीं रेल यात्रियों को भी एक अच्छी सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। चूंकि यह ट्रेन जिस दिन रायपुर जाती है, उसी दिन रात्रि में लगभग 10.30 बजे वापस भी आ जाती है। इन दोनों कोच का उपयोग जबलपुर से इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस में भी किया जा सकता है।

पमरे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय इस सुविधा को शुरू करने के लिए प्रयास करेंगीं, इसकी सभी को उम्मीद है।

कोर्ट में शिक्षक बोले- ई-अटेंडेंस के लिये डेटा नहीं खरीद सकते, हमारे पास स्मार्टफोन नहीं

सरकार की दलील- 73 प्रतिशत शिक्षक लगा रहे अटेंडेंस

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के शिक्षकों ने हाईकोर्ट में कहा कि सरकारी ऐप हमारे शिक्षक से अटेंडेंस लगाने में कई दिक्कतें आ रही हैं। कई टीचर्स के पास अच्छा स्मार्टफोन नहीं है। हर महीने डेटा पैक खरीदना पड़ता है। प्रतिदिन मोबाइल की बैटरी चार्ज रखना और ग्रामीण इलाके के स्कूलों में नेटवर्क कनेक्टिविटी की भी समस्या है। ऐप में सर्वर और चेहरा मिलान की भी परेशानी आ रही है। इस पर हाई कोर्ट की मुख्य पीठ ने सरकार से ऐप का रिकॉर्ड मांगा है। अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को रखी है। दरअसल, जबलपुर के शिक्षक मुकेश सिंह बरकड़े सहित अलग-अलग जिलों से 27 शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग की ई-अटेंडेंस प्रक्रिया को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। 10 अक्टूबर को अदालत में याचिका लगाकर शिक्षकों ने हमारे शिक्षक ऐप से हाजिरी दर्ज कराने में कई समस्याएं गिनाई हैं। कोर्ट में कहा- ऐप का सर्वर काफी धीमा- शिक्षकों की याचिका पर हाई कोर्ट ने गुरूवार को सुनवाई की। इसमें सरकार की ओर से बताया गया कि प्रदेश के 73 प्रतिशत शिक्षक ऐप का उपयोग कर रहे हैं। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील अंशुमान सिंह ने कहा- ऐप से अटेंडेंस लगाने को लेकर कई तरह की परेशानी आ रही है। डाटा पैक खरीदने के अलावा, मोबाइल की बैटरी और नेटवर्क कनेक्टिविटी की भी समस्या है। ऐप का सर्वर भी काफी धीमा है। बायोमैट्रिक या उपस्थिति रजिस्टर रखने की मांग- हाईकोर्ट को शिक्षकों की तरफ से यह भी बताया गया कि जा शिक्षक ऐप से अटेंडेंस लगाने में सफल नहीं हो रहे हैं, उन्हें विभाग की तरफ से परेशान किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग के सीनियर अफसर, शिक्षक वेतन बंद करने की धमकी देकर ई-अटेंडेंस का उपयोग करने के लिये बाध्य कर रहे हैं। शिक्षकों ने मांग की है कि या तो बायोमैट्रिक मशीन या फिर पहले की तरह ही स्कूलों में रजिस्टर रखकर उपस्थिति दर्ज कराई जाए। अदालत ने शिक्षकों से मांगा हलफनामा-शिक्षकों की दलील पर जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने सभी याचिकाकर्ताओं को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। यह भी पूछा है कि क्या उन्होंने ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने का कोई प्रयास किया? यदि हां तो क्या नेटवर्क कनेक्टिविटी की अनुपलब्धता के कारण वह ऐसा करने में असमर्थ रहे थे? कोर्ट ने सरकार को शिक्षकों के हलफनामों पर जवाब पेश करने के निर्देश भी दिए हैं। सरकार से कहा - किसने ई अटेंडेंस लगाई, आंकड़े दो-सरकार की 73 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ऐप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराने की दलील पर कोर्ट ने दस्तावेजों सहित रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश भी दिए हैं। कोर्ट ने सरकार से यह भी कहा है कि जिन स्कूलों में याचिकाकर्ता पदस्थ हैं, वहां अन्य कर्मचारी ई-अटेंडेंस लगा रहे हों तो वह आंकड़े भी प्रस्तुत किए जाएं।

दमोह में कलेक्टर के नाम से फेक व्हाट्सएप अकाउंट, जांच साइबर टीम को सौंपी गई

दमोह, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में साइबर ठगों की एक नई करतूत सामने आई है। कलेक्टर सुधीर कोचर के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेक व्हाट्सएप अकाउंट बना लिया और उनके परिचितों को मदद के नाम पर मैसेज भेजने शुरू कर दिए।

जैसे ही इस फर्जी अकाउंट और संदिग्ध संदेशों की जानकारी कलेक्टर को मिली, उन्होंने तत्काल इस मामले की लिखित शिकायत एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी को भेज दी।

कैसे सामने आया मामला

गुरुवार शाम को अभिषेक नामक युवक के पास कलेक्टर के नाम से व्हाट्सएप मैसेज आया, जिसमें मदद की मांग की गई थी। उसे संदेश संदिग्ध लगा, जिसके बाद उसने स्क्रीनशॉट बनाकर अपने साथियों को भेजा और इसे सोशल मीडिया पर साझा किया ताकि लोग सतर्क हो सकें।

मामले की जानकारी कलेक्टर सुधीर कोचर को मिली तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट नहीं है, और ऐसे फर्जी खातों से जनता को भ्रमित किया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया, मेरे नाम और फोटो का दुरुपयोग कर व्हाट्सएप पर फेक अकाउंट बनाया गया है। इस अकाउंट से मेरे परिचितों को मदद के नाम पर संदेश भेजे जा रहे हैं। यहां तक कि व्हाट्सएप प्रोफाइल में 'वियतनाम' लिखा आ रहा है।

पुलिस जांच में जुटी

कलेक्टर द्वारा दी गई शिकायत में फेक अकाउंट से इस्तेमाल किया गया मोबाइल नंबर भी शामिल है। एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि इस मामले की पूरी जांच साइबर शाखा को सौंप दी गई है। फेक अकाउंट बनाने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहली बार ऐसा मामला

दमोह जिले में यह पहली बार हुआ है जब किसी वरिष्ठ अधिकारी वह भी कलेक्टर के नाम से फेक व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर लोगों को ठगने की कोशिश की गई। अधिकारियों का कहना है कि हालांकि लोग जागरूक रहे और किसी ने भी इस संदेश पर विश्वास नहीं किया। कलेक्टर और एसपी दोनों लगातार साइबर फ्रॉड और डिजिटल ठगी से बचने को लेकर जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। यही जागरूकता इस मामले में ठगों की साजिश को नाकाम करने में मददगार साबित हुई।

मध्यप्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, भू-अभिलेख अफसरों को मिला तहसीलदार का दर्जा

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सरकार ने भू-अभिलेख और राजस्व विभाग के ढांचे में एक बड़ा बदलाव किया है। अब विभाग के शीर्ष अधिकारियों को तहसीलदार और नायब तहसीलदार के पद एवं अधिकार प्रदान किए गए हैं। साथ ही, इन्हें कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ भी दी गई हैं। यह आदेश 23 अक्टूबर को संयुक्त आयुक्त, भू-संसाधन प्रबंधन, ग्वालियर कार्यालय द्वारा जारी किया गया।

जारी अधिसूचना के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के फील्ड पदों को राजस्व अधिकारियों के समकक्ष लाना और प्रशासनिक स्तर पर भ्रम को दूर करना है। इस आदेश की प्रति सभी जिलों के कलेक्टरों, उप आयुक्तों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा पटवारी प्रशिक्षण शालाओं को भेजी गई है, ताकि आवश्यक संशोधन समय पर किए जा सकें।

पद और पहचान में बदलाव

इस परिवर्तन के तहत दो अहम पदों के नाम और संवर्ग बदले गए हैं-

- अधीक्षक, भू-अभिलेख को अब तहसीलदार के पदनाम से जाना जाएगा।
- सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख को अब नायब तहसीलदार कहा जाएगा। यह निर्णय 12 सितंबर को मध्यप्रदेश राजपत्र (भाग-1) में प्रकाशित शासन आदेश के अनुरूप है, जिसमें भू-अभिलेख और सहायक भू-अभिलेख के संवर्गों को राजस्व विभाग के संवर्ग में समाहित करने का निर्णय लिया गया था।

मिले कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के अधिकार

इस पुनर्गठन से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक यह है कि अब इन अधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के अधिकार प्राप्त होंगे।

- तहसीलदार (पूर्व अधीक्षक भू-अभिलेख) को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की पूरी शक्तियाँ दी गई हैं।
- नायब तहसीलदार (पूर्व सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख) को भी समान अधिकार प्राप्त होंगे।

इन शक्तियों के तहत अधिकारी अब राजस्व एवं भू-अभिलेख से जुड़े विवादों पर प्रशासनिक कार्रवाई कर सकेंगे, साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

राज्य शासन का मानना है कि इस निर्णय से प्रशासनिक कार्यप्रणाली तेज़, समन्वित और अधिक प्रभावी होगी। वहीं फील्ड स्तर पर शासन के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व भी बढ़ेगा।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 106

मीडियम ब्रॉयलर - रु. 114

छोटा ब्रॉयलर - रु. 124

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 128

मुर्गा मीडियम - रु. 118

मुर्गा बड़ा - रु. 110

मुर्गा जम्बो - रु. 110

मो.-9039925000, 9425800409

FOR PRIVATE SCREENING CALL +917999968989

FOR ONLINE BOOKING & OFFER BOOK FROM BOOKMYSHOW

CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889

WEDNESDAY OFFER FLAT ₹90/- Condition apply

समदड़िया सिनेमा

OFEER NOT VAILD FOR KANTARA MOVIE

KANTARA

09:30AM 11:00AM

12:30PM 01:30PM

02:30PM 03:45PM

05:00PM 07:00PM

08:00PM 10:00PM

11:00PM

SUNNY SANSKARI KI TULSI KUMARI

09:30AM

03:00PM

05:30PM

08:15PM

10:55PM

TRON

AREA 3DHINDI

11:15AM

05:30PM

11:00PM

JOLLY LLB 3

12:00PM

08:00PM